आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	33°C	19°C

इनसाइड न्यूज

एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई, 1483 स्थानों...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

रविवार 15 मार्च, 2026 / पेज: 12 / मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ वर्ष: 17, अंक: 152 www.janexpresslive.com/epaper

'किसानों के मुद्दे पर लड़ती रहेगी कांग्रेस'
12

जंगलराज वालों का काउंटडाउन शुरू: पीएम मोदी

मोदी की रैली से पहले भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प, ममता की मंत्री बोलीं, मुझे ईंट मारी गई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पीएम मोदी की रैली से पहले भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं में विवाद हुआ है। गिरीश पार्क एरिया में दोनों ग्रुप ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा। पश्चिम बंगाल में उद्योग, वाणिज्य और उद्यम मंत्री शशि पंजा ने आरोप लगाया कि झड़प के दौरान मुझ पर ईंट मारी गई। भाजपा गुंडा नहीं है, हत्यारी है। मंत्री पंजा का यहीं पर घर है। कोलकाता में अपने संबोधन कि दौरान पीएम ने कहा कि जंगलराज वालों का काउंटडाउन शुरू हो गया है। ये निर्मम वाली सरकार का अंत करीब आ गया है। दरअसल, पीएम मोदी पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। उन्होंने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 18,680 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया। उनके साथ मंच पर बीजेपी नेता और पश्चिम बंगाल के गवर्नर आरएन रवि मौजूद रहे।

'रेलवे को आधुनिक बनाने का अभियान जारी'

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश में रेलवे को आधुनिक बनाने का तेज अभियान चल रहा है। हमारा यह संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस अभियान में पीछे न रहे इसलिए केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज विस्तार करने का प्रयास कर रही है... आज 6 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन के रूप में पुनर्विकास भी हुआ है।' बता दें कि, पीएम मोदी ने आज पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई व अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पश्चिम बंगाल के छह पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन भी किया।

पीएम मोदी ने कोलकाता को दी करोड़ों की सौगात

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोलकाता में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में स्वागत किया गया। जहां उन्होंने लगभग 18,680 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

बंगाल में घुसपैठियों को कब्जा दिलाया जा रहा: मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के लोगों की जमीन पर घुसपैठियों को कब्जा दिलाया जा रहा है। बीते दशकों में बंगाल की डेमोग्राफी बदल गई है, हिंदुओं को अल्पसंख्यक बनाया जा रहा है। ये हिंदुओं को वोटबैंक नहीं समझते, इनसे उनके अपराधी नहीं बढ़ते। इसीलिए स्ढ्क्रका विरोध करते हैं। खुलेआम धमकी दी जा रही है, एक खास कम्यूनिटी वाले मिलकर आप लोगों को खत्म कर देंगे, ऐसी धमकी आपके मुंह से शोभा नहीं देती। वो कौन लोग हैं जो इनके इशारे पर करोड़ों लोगों को खत्म कर देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल की माताओं-बहनों को भरोसा दिलाता हूं कि आप हमें आशीर्वाद दीजिए, अपराधी जेल में होंगे। टीएमसी सरकार गुंडों और अपराधियों की बैसाखी पर चलती है, ये जानते हैं जिस दिन बंगाल के लोग खुलकर सामने आ गए इनकी विदाई पक्की है। टीएमसी को बचाने वाला कोई नहीं बचा है। इसलिए ये आप लोगों को डरा धमका कर रखना चाहते हैं। माफिया को पालते हैं, कट्टरपंथियों को संरक्षण देते हैं, घुसपैठियों को बुलाते हैं। टीएमसी मां, माटी मानुष के नारे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन आज मां रो रही हैं, माटी बेची जा रही है मानुष परेशान है।

ममता सरकार बीमारों की दुश्मन है: मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की हर योजना को इस सरकार ने लोगों तक पहुंचने से रोक दिया, केवल बिजली पानी सड़क घर इसकी बात नहीं है, बंगाल सरकार अपने स्वार्थ के लिए आयुष्मान योजना को भी लागू नहीं कर रही है। ये सरकार बिमारों की दुश्मन है, अत्याचारी है। बंगाल के किसान की हालत किसी से छिपी नहीं है। दो तीन दिन पहले चंद्रकोना में एक आलू किसान ने आत्महत्या की, यहां हर क्षेत्र में किसानों से झूठे वादे और घोटाला इस सरकार की पहचान है। पीएम ने कहा कि टीएमसी जाएगी तो हर गरीब को पक्का घर मिलेगा, ये मोदी की गारंटी है। हर परिवार को बता देना जैसे ही इनकी सरकार जाएगी, गरीबों का पक्का घर बनना शुरू हो जाएगा, साफ पानी पहुंचेगा, मुफ्त इलाज मिलेगा, कारीगरों को नए अवसर मिलेगा, सुशासन आएगा। आजादी के बाद बंगाल ने विभाजन सहा, मजहबी दंगे देखे, घुसपैठ देखा, रक्तपात सहा, इसकी सबसे बड़ी भुगतभोगी महिलाएं थी। पीएम ने कहा कि बंगाल के आप लोग लेफ्ट को हटाकर आशा के साथ टीएमसी को लेकर आए, आपने इनपर भरोसा किया, लेकिन इन्होंने उन लोगों को अपनी पार्टी में भर्ती कर लिया।

ममता सरकार खौफ बनाकर रखना चाहती है: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि ममता सरकार चुनाव में वोटरों को धमकी, आलोचकों को धमकी, मीडिया को धमकी, विपक्ष को धमकी देकर बंगाल में खौफ बनाकर रखना चाहती है। ये कहते हैं टीएमसी को जिसका वोट नहीं वो बंगाली नहीं, सरकारी की योजनाओं का फायदा नहीं, मैं टीएमसी को याद दिलाना चाहता हूं कि इनकी गुंडागर्दी के दिन अब खत्म होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार के जाने का समय आ गया है। काउंटडाउन शुरू हो गया है, बीजेपी सरकार बनने के बाद सबका साथ सबका विकास लेकर चलेंगे और दूसरी तरफ सबका हिसाब लिया जाएगा। जो गुंडे आपको डराते हैं, हमारी सरकार में उनके डरभरे दिन शुरू होंगे। ऐसे अपराधियों की एक ही जगह होगी, वो है जेल।

बंगाल में एक ही चर्चा है कि बदलाव चाहिए

पीएम ने कहा कि पूरे बंगाल में एक ही चर्चा है कि बदलाव चाहिए, जब-जब इस भूमि पर चुनौती आई तब तब यहां के लोगों ने सामना किया है। कुछ लोग आपको डराने की कोशिश करेंगे, लेकिन जब जनता ठान लेती है तो कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती। इस बार चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का नहीं बंगाल की आत्मा को बचाने का है। आने वाले परिवर्तन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

'कटमनी मिलने से टीएमसी सरकार रोक देती है सरकारी योजनाएं'

उन्होंने कहा, टएक समय बंगाल पूरे भारत को गति देता था, बंगाल व्यापार और उद्योगों में सबसे आगे था। लेकिन आज यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल पा रहा है। आपके बेटे-बेटियों को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और अब टीएमसी... ये लोग एक के बाद एक आते रहे... अपनी जेबें भरते रहे... और बंगाल में विकास के काम ठप्प पड़े रहे। टीएमसी सरकार का एक ही एजेंडा है। ये टीएमसी वाले न खुद काम करेंगे, न करने देंगे।

'बंगाल के परिवारों को तमाम योजना से भी टीएमसी ने वंचित रखा'

पीएम मोदी ने आगे बताया कि देशवासियों को मुफ्त बिजली देने के लिए हमने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। केंद्र की भाजपा सरकार इसके लिए हर लाभार्थी को 75 से 80 हजार रुपये देती है। जो लाभार्थी इस योजना से जुड़ता है, उसके घर का बिजली बिल जीरो हो जाता है। लेकिन, बंगाल सरकार इसे भी लागू नहीं होने दे रही। ये टीएमसी सरकार अपनी स्वार्थी राजनीति की वजह से यहां आयुष्मान भारत योजना को भी लागू नहीं कर रही है। देश भर के करोड़ों लोग इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का लाभ उठा रहे हैं। ये लाभ आप सबको भी मिलना चाहिए। लेकिन बंगाल के परिवारों को इस योजना के अधिकार से भी टीएमसी सरकार ने वंचित रखा है।

'बंगाल के किसान की हालत भी किसी से छिपी नहीं'

पीएम ने कहा- आज बंगाल के किसान की हालत भी किसी से छिपी नहीं है। किसानों से झूठे वायदे और सरकारी खरीद में घोटाला ही टीएमसी की पहचान बन गया है। टीएमसी के कट, कमीशन और करप्शन के कारण, राजनीति के लिए...किसानों की जिंदगी से, गरीबों और मध्यम वर्ग की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा- टीएमसी जाएगी, गरीबों का पक्का घर बनना शुरू हो जाएगा। टीएमसी जाएगी, तो हर घर साफ जल पहुंचेगा। टीएमसी जाएगी, तो हर गरीब को मुफ्त इलाज मिलेगा। टीएमसी जाएगी, तो कारीगरों को नए अवसर मिलेंगे। टीएमसी जाएगी, तभी बंगाल में सुशासन आएगा।

'पूर्वी भारत के विकास का लिखा जा रहा नया अध्याय'

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कहा, 'आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। सड़क, रेलवे और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, इनसे जुड़ी 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत को नई रफ्तार देंगे। इनसे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, लाखों लोगों का जीवन आसान होगा।'

'दशकों तक पूर्वी भारत के इस सामर्थ्य की बड़ी उपेक्षा हुई'

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा- सड़क और रेल कनेक्टिविटी जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही अहम भूमिका पोर्ट और वॉटर ट्रांसपोर्ट भी निभाते हैं। दशकों तक पूर्वी भारत के इस सामर्थ्य की बड़ी उपेक्षा हुई है। लेकिन आज वॉटर वेज, व्यापार और औद्योगिक प्रगति के नए दरवाजे खोल रहे हैं। इसी दिशा में आज पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी अहम परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है।

बंगाल का विकास सही नीतियों से होगा

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की निर्मम सरकार ने बंगाल के लोगों को पलायन का अभिशाप दिया है। बंगाल के युवा मेहनत करने में सबसे आगे हैं। आज बंगाल की हालत बदतर है। युवा ना डिग्री ले पा रहा है ना रोजगार मिल रहा है। काम की तलाश में लोगों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है।पहले कांग्रेस, फिर कम्यूनिस्ट अब टीएमसी, ये लोग एक के बाद एक आते रहे और अपनी जेब भरते रहे। अब समय आ गया है ये हालात बदलें, बंगाल के युवाओं को बंगाल में काम मिले, नौजवान बंगाल के विकास का नेतृत्व करें। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि बंगाल की सभी महान विभूतियों ने जिस बंगाल की कल्पना की थी भाजपा उस बंगाल का निर्माण करेगी, बंगाल का विकास सही नीतियों और नीयत से होगा। अभी यहां हमारी सरकार नहीं है, लेकिन भाजपा बंगाल के विकास में दिन रात लगी है। ये सभी प्रोजेक्ट बंगाल को बेहतर बनाएंगे। लोगों को, किसानों को, व्यापारी और छात्रों को इसका फायदा मिलेगा।

योगी ने सहारनपुर में की विकास कार्यों की समीक्षा, शाकंभरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जन एक्सप्रेस । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सहारनपुर जनपद में शाकंभरी सिद्धपीठ पहुंचे। वह अपने निर्धारित कार्यक्रम से करीब एक घंटा 25 मिनट की देरी से शाम करीब पौने चार बजे नागल माफी स्थित हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे। हेलीपेड से सीधे मुख्यमंत्री सिद्धपीठ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्तुतिकरण देखा।

निर्माणाधीन परियोजनाओं का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले निर्माणाधीन सोविनियर शॉप, टॉयलेट ब्लॉक, टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) और मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें इन परियोजनाओं की प्रगति और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही आगामी चैत्र नवरात्रि मेले की तैयारियों को लेकर मंडल के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की गई।

विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सिद्धपीठ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को तेज गति से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शाकंभरी देवी मंदिर परिसर में पहुंचकर माता शाकंभरी देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मां शाकंभरी देवी की पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वापस लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

विवादों से घिरे रहे आईएएस अभिषेक प्रकाश बहाल, नियुक्ति विभाग ने जारी किया आदेश

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने विवादों से घिरे रहे आईएएस अभिषेक प्रकाश को बहाल कर दिया है। इसको लेकर नियुक्ति विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। वह आज यानी 15 मार्च से बहाल माने जाएंगे। बताते चलें कि इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ और 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप में निलंबित किया गया था। उन पर सोलर कंपनी से प्रोजेक्ट मंजूरी के बदले घूस मांगने का आरोप था, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने उन्हें 20 मार्च 2025 को निलंबित कर दिया था। हालांकि, फरवरी 2026 में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने इस मामले में साक्ष्य के अभाव में चार्जशीट रद्द कर दी थी।

गिरफ्तार छह गद्दार: सुरक्षाबल के ठिकानों की वीडियो व लोकेशन भेजते थे विदेश, हेड रोमिया भी धरा गया

जन एक्सप्रेस। कौशांबी

यूपी स्थित गाजियाबाद के मसूरी थाना पुलिस के बाद अब कौशांबी पुलिस के हत्थे छह संदिग्ध लोग चढ़े हैं। सभी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के ठिकानों की लोकेशन और उनकी वीडियो व फोटो विदेश भेजने का काम कर रहे थे। इसके लिए उन्हें रुपये मिल रहे थे।

विदेशी लोगों से संपर्क में थे

मामला सामने आते ही पुलिस महकमे में एक बार फिर हलचल मच गई है। पूछताछ में सभी आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह योजनाबद्ध तरीके से फोन पर चैट के जरिए विदेशी लोगों से संपर्क में थे। पकड़े गए आरोपियों में मुख्यारोपी बिजनौर के नरवदी नवाड़ा का रहने वाला सुहेल मलिक उर्फ रोमियो है। गिरफ्तार हुए सभी आरोपी मूलरूप से बिजनौर, संभल, शाहजहांपुर, बदायूं व अन्य जिलों के रहने वाले हैं। वर्तमान में सभी कौशांबी क्षेत्र में ही किराये के मकान में रह रहे थे। आरोपियों के पास से पुलिस ने आठ मोबाइल भी बरामद किए हैं। एडीसीपी राजकरन नैय्यर ने बताया कि सभी को गिरफ्तार कर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जो भी साक्ष्य मिले हैं उनकी गंभीरता से जांच की जा रही है। अभी तक किसी आतंकी संगठन से जुड़े होने की बात फिलहाल सामने नहीं आई है।

संवेदनशील क्षेत्रों की वीडियो-फोटो भेजते थे बाहर

उसने पुलिस को बताया कि सभी लोग उसे संवेदनशील क्षेत्रों की वीडियो-फोटो और रेलवे स्टेशनों की वीडियो बनाकर लोकेशन के साथ भेजते थे। इसके बदले में वह उन्हें रुपये देता था। पुलिस को सुहेल के मोबाइल से सुरक्षा बल और रेलवे स्टेशन की वीडियो लोकेशन व विदेशी नंबरों की चैट भी मिली हैं।

यह लोग हुआ गिरफ्तार

- सुहेल मलिक उर्फ रोमियो- बिजनौर के नरगढी नवादा निवासी
- साने इरम उर्फ महक- संभल जिला स्थित झानपुर सिसौना गांव निवासी
- प्रवीन- कौशांबी थानाक्षेत्र के भोवापुर निवासी
- राज वाल्मिकी- औरैया जिला के गांव बनारसीदास निवासी
- शिवा वाल्मिकी- बदायूं जिले के उझानी स्थित रिसोली गांव निवासी
- रितिक गंगवार- शाहजहांपुर के कटरा थानाक्षेत्र स्थित सुल्तानपुर गांव निवासी

घर तक नल से जल मामले में यूपी शीर्ष पर सीआर पाटिल ने राज्यों के मंत्रियों के साथ की बैठक

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

जल जीवन मिशन-2.0 भविष्य में किस तरह से योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए आगे काम करेगा, कैसे ग्राम पंचायतों और स्थानीय जल समितियों की भागीदारी को बढ़ाया जाएगा। इन सभी मुद्दों को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सभी राज्यों के मंत्रियों और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिवों के साथ वर्चुअल माध्यम से मंथन किया।

केंद्र सरकार ने राज्यों से सुझाव मांगे

उत्तर प्रदेश की तरफ से इस बैठक में राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने भी मौजूद रहे। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सभी राज्यों के सामने केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधिकारियों ने जल जीवन मिशन-2.0 की रूपरेखा भी रखी। केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों को बताया गया कि भविष्य में किस तरह से योजना को लेकर कार्य किया जाना है। इसमें केन्द्र और राज्य की क्या भूमिका होगी। साथ ही राज्यों से सुझाव मांगे गए कि योजना को किस तरह से बेहतर ढंग से जमीन पर उतारा जा सकता है। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने राज्य में जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों का ब्योरा दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नल से जल कनेक्शन देने वाला राज्य बन गया है। प्रदेश में 2.43 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

योजना पर कुल 8.69 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे

गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाते हुए, इसे जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में लागू करने की मंजूरी दे दी है। इस योजना पर कुल 8.69 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। नई व्यवस्था में डिजिटल निगरानी, ग्राम पंचायत की भागीदारी और जल आपूर्ति की टिकाऊ व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पूरी व्यवस्था ग्राम पंचायत चलाएगी

बकौल स्वतंत्र देव सिंह यूपी के विन्ध्य बुंदेलखंड क्षेत्र में 95 प्रतिशत से अधिक घरों तक नल से जल की सप्लाई की जा रही है। इसके अलावा 100 प्रतिशत जलापूर्ति वाले गांवों में जल अर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जलापूर्ति की पूरी व्यवस्था ग्राम पंचायत को हैंडओवर की जा रही है।

'एआई कानून नहीं बना सकता': सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ बोले, इसे उपकरण की तरह इस्तेमाल किया जाना चाहिए

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

शनिवार को एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर एआई का समझदारी से उपयोग किया जाए तो यह कानूनी कामकाज को आसान बना सकता है और समय बचा सकता है, लेकिन यह किसी भी हालत में वकील की समझ, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या जज के संतुलित निर्णय की जगह नहीं ले सकता। जस्टिस नाथ ने कहा कि तकनीक केवल एक उपकरण है और इसे उपकरण की तरह ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि एआई नोट या ड्राफ्ट तैयार करने में मदद कर सकता है, लेकिन उसे कानून बनाने या गढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

न्यायाधीश ने हाल के घटनाओं का दिया उदाहरण

उन्होंने यह भी कहा कि हाल के समय में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जब एआई से तैयार सामग्री को बिना जांचे-परखे अदालत में पेश कर दिया गया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी ऐसे उदाहरण मिले हैं, जहां ऐसी कानूनी मिसालों और फैसलों का हवाला दिया गया जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं। जस्टिस नाथ के अनुसार, गलत या झूठे संदर्भ देना केवल तकनीकी गलती नहीं है, बल्कि इससे कानूनी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और न्यायिक व्यवस्था की गरिमा पर असर पड़ता है।

एआई का गलत इस्तेमाल चिंता का विषय

उन्होंने कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल एक गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से तकनीक से दूरी बना ले। सही रास्ता यह है कि एआई का इस्तेमाल समझदारी, नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर मानकों के साथ किया जाए। लोगों को यह सीखना होगा कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें और उनकी सीमाओं को भी समझें। जस्टिस नाथ ने कहा कि नई तकनीकें कई तरह की सुविधाएं लेकर आती हैं। इससे न्याय तक लोगों की पहुंच बढ़ सकती है और कामकाज में पारदर्शिता भी आ सकती है। लेकिन इसके साथ यह खतरा भी रहता है कि इससे असमानता बढ़ सकती है या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा सकता है।

न्यायाधीश ने फायदे और नुकसान, दोनों पर दिया जोर

इस दौरान जस्टिस नाथ ने इस बात पर भी जोर दिया कि आधुनिक तकनीकें एक तरफ कानूनी कामकाज में मदद कर सकती हैं और अपराध से निपटने में सहायक हो सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ इन्हीं तकनीकों का इस्तेमाल करके नए तरह के अपराध भी किए जा सकते हैं। यही आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना है। जस्टिस नाथ के अनुसार, इस चुनौती का सामना करने के लिए संस्थाओं को समझदारी से काम लेना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीक को केवल इसलिए नहीं ठुकराना चाहिए क्योंकि वह नई है, और न ही उसे केवल इसलिए आंख बंद करके स्वीकार करना चाहिए क्योंकि वह तेज और सुविधाजनक है। जस्टिस नाथ ने कहा कि अंततः कानून का शासन इस बात पर निर्भर नहीं करता कि हम कितनी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी संस्थाएं कितनी मजबूत हैं।

13 साल की जंग: देश में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू, एम्स में अब धीरे-धीरे हटेगा हरीश का लाइफ सपोर्ट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

13 साल के संघर्ष के बाद हरीश राणा सुप्रीम कोर्ट के इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के फैसले के बाद शनिवार को एम्स में शिफ्ट किए गए। उन्हें बेहद ही गोपनीय तरीके से एम्स के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट किया गया है। विभाग में विशेषज्ञों की निगरानी में हरीश का लाइफ सपोर्ट हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

बेटे को मिलेगी एक सम्मानजनक मृत्यु मिलेगी

इस मामले में परिवार से बात के साथ हरीश की हालत की भी जानकारी ली गई। पिता अशोक राणा ने बताया कि हरीश को सांस लेने, फीड कराने के साथ मल त्याग के लिए नली लगी हुई हैं। पूरा परिवार उनके साथ रहा है। अब इस घड़ी में उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि किस प्रकार से प्रतिक्रिया देनी है। कुछ भी हो उनका बेटा अब छोड़कर ही जा रहा है। राहत सिर्फ इतनी है कि उसे एक सम्मानजनक मृत्यु मिलेगी।

यह है मामला

जुलाई 2010 में हरीश ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया था। वर्ष 2013 में वह अंतिम वर्ष के छात्र थे। इसी दौरान अगस्त 2013 में रक्षाबंधन वाले दिन बहन से मोबाइल फोन पर बात करते हुए पीजी की चौथी मंजिल से गिर गए थे। गंभीर रूप से घायल हरीश को तुरंत पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया। बाद में दिसंबर 2013 में उसे दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह क्वाड्रिप्लेजिया से ग्रसित है।

हाथ-पैर पूरी तरह निष्क्रिय हुए, जीवन भर बिस्तर पर रहने को मजबूर

इस स्थिति में उसके हाथ-पैर पूरी तरह निष्क्रिय हो गए और वह जीवन भर बिस्तर पर रहने को मजबूर हो गए। हरीश के असहनीय दर्द और शारीरिक अक्षमता के कारण माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में इच्छामृत्यु की अपील की, जिसे 8 जुलाई 2025 को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। करीब आठ महीने बाद 11 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति दे दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 118228 वादों का निस्तारण

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

शनिवार को राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय में किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश, शेषमणि शुक्ला द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस लोक अदालत में जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला द्वारा 2 वादों का निस्तारण करते हुए 380000 रूपये वसूला गया। पद्माकरमणि त्रिपाठी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा 10 वादों का निस्तारण करते हुए 6560000 रुपये प्रतिकर के रूप में दिलाया गया। राकेश कुमार यादव प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा 9 वादों का निस्तारण करते हुए मुआवजा 31500 रूपये आपसी सुलह समझौते के आधार पर वादिया को दिलाया गया एवं कई वर्षों से एक-दूसरे से अलग हुए 8 जोडों को आपस में सुलह समझौते के आधार पर एक साथ भेजा गया। अनुराग कुरील प्रथम अपर जिला जज द्वारा 74 वादों का निस्तारण किया गया। राममणि पाठक विशेष न्यायाधीश एस.सी.एस.टी. एक्ट द्वारा 3 वादों का निस्तारण किया गया। नीरज श्रीवास्तव अपर जिला जज एफ.टी.सी. द्वारा 1 वादा का निस्तारण किया गया। सचिन कुमार दीक्षित सिविल जज (सी.डि.) द्वारा फौजदारी के 433 वादों का निस्तारण करते हुए 17680 रूपये वसूला गया व उत्तराधिकार के 4 वादों का निस्तारण करते हुए 5223912 रूपये मुआवजे का प्रमाण-पत्र निर्गत किया गया। वर्णिका शुक्ला अपर सिविल जज (सी.डि.) ए.सी.जे.एम. द्वारा 80 वादों का निस्तारण करते हुए 800 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। अंशुमान यादव अतिरिक्त सिविल जज (सी.डि.) द्वारा 104 वादों का निस्तारण करते हुए 1080 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। अश्वनी कुमार उपाध्याय सिविल जज (सी.डि.) एफ.टी.सी. द्वारा 200 फौजदारी वादों का निस्तारण करते हुए 2280 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। एनआई एक्ट के 1 वाद का निस्तारण करते हुए 1780000 रूपये वादी को दिलाया गया। सैफाली यादव सिविल जज (जू.डि.) द्वारा 75 फौजदारी वादों का निस्तारण करते हुए 1950 रूपये वसूला गया। 1 उत्तराधिकार वाद का निस्तारण करते हुए 50000 रूपये का प्रमाण पत्र जारी किया गया एवं एनआई एक्ट के 1 वाद का निस्तारण करते हुए 157576 रूपये वादी को दिलाया गया। सृष्टि शुक्ला सिविल जज (जू.डि.) एफ.टी.सी. द्वारा 78 वादों का निस्तारण करते हुए 760 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। एस आनन्द सिविल जज (जू.डि.) मऊ द्वारा 156 वादों का निस्तारण करते हुए 2310 रूपये वसूला गया। विदिशा भूषण न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम द्वारा 139 वादों का निस्तारण करते हुए 11410 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया एवं एन.आई. एक्ट के 1 वाद का निस्तारण करते हुए 95000 रूपये वादी को दिलाया गया। अंजलिका प्रियदर्शिनी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय द्वारा 102 वादों का निस्तारण करते हुए 1020 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। इस प्रकार न्यायिक अधिकारियों द्वारा कुल 1474 वादों का निस्तारण करते हुए 14317278 एंव राजस्व व अन्य विभागों द्वारा 116754 मामलों का निस्तारण करते हुए 502328000 रूपये प्रतिकर के रूप में वसूला गया। इला चैधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा बताया गया कि शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 118228 वादों का निस्तारण करते हुए 516645278 अर्थदण्ड, प्रतिकर व बैंक ऋण वसूली के रूप में वसूल किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत शुभारम्भ के समय पद्माकरमणि त्रिपाठी अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, राकेश कुमार यादव प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, अनुराग कुरील प्रथम अपर जिला जज तथा अन्य बैंकों के प्रबन्धक, न्यायालय के कर्मचारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत न्याय रक्षकगण तथा अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद में अब गांव-गांव दौड़ेंगी सरकारी मिनी बसें

जन एक्सप्रेस । बांदा

उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना से अब जिले के ग्रामीण अंचलों की सूरत बदलने वाली है।अब दूर-दराज के गांवों का सफर आसान होने वाला है। योजना के तहत जिले के सभी आठों ब्लॉकों के सुदूर गावों को जिला मुख्यालय से सीधे जोड़ने की तैयारी चल रही है। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि अब गांव के गलियारों में 15 से 28 सीटों वाली मिनी बसें नजर आएंगी।शासन से हरी झंडी मिलने के बाद परिवहन विभाग ने जनपद में इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कर दी है।यह योजना न केवल ग्रामीणों के लिए सुगम सफर की सौगात लाएगी बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के द्वार भी खोलेगी।

इस योजना के तहत बड़ी बसों के बजाय मिनी बसों का ही संचालन किया जाएगा। इन बसों का निजी वाहन स्वामियों के माध्यम से अनुबंध किया जाएगा। जिले के सभी आठों ब्लॉकों के दूर-दराज के गांवों के लिए यह खबर किसी वरदान से कम नहीं है।अब तक डग्गामार वाहनों के भरोसे रहने वाले ग्रामीणों को अब सुरक्षित परिवहन सेवा मिलेगी।छात्र, किसान और व्यापारी अब कम समय और कम खर्च में अपनी तहसीलों और जिला मुख्यालय तक पहुंच सकेंगे।शासन की गाइडलाइन के अनुसार इन रूटों पर निजी वाहन स्वामियों के माध्यम से मिनी बसों का अनुबंध किया जाएगा। जहां जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति जल्द ही रूटों का अंतिम निर्धारण कर आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगी। जनपद के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक वी.के. चौबे ने योजना पर उत्साह जताते हुए कहा कि हमें शासन से मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आधिकारिक पत्र प्राप्त हो गया है। यह सरकार की एक अत्यंत सराहनीय पहल है जिससे जनपद के सुदूर ग्रामीण इलाके सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ सकेंगे। हम जल्द ही अनुबंध की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं। इससे न केवल ग्रामीणों का सफर सुरक्षित और सुगम होगा बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

शांतिपूर्ण तरीके से निपट गई पुलिस की एसआई परीक्षा

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

शनिवार को जनपद में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर की गई सुरक्षा व्यवस्था, चेकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तथा ड्यूटी में लगे पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया गया। साथ ही केन्द्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को परीक्षा को पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा अभ्यर्थियों से शांतिपूर्ण एवं नियमों का पालन करते हुए परीक्षा देने की अपील की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले इनामियां दो वांछित नटवरलाल गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । बांदा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर फर्जी जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले 10-10 हजार रुपए के इनामिया 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के खुटला निवासी देबिया पुत्र चौतुवा द्वारा 12 फरवरी 26 को थाना मटौंध पर सूचना दी गई कि 6 अगस्त 25 को उनकी जमीन को कुछ लोगों द्वारा योजना बनाकर कूटरचित दस्तावेजों व आधार कार्ड का प्रयोग कर उनकी हटेटी पुरवा की लगभग 34 बीघा जमीन की फर्जी रजिस्ट्री बिजली खेड़ा निवासी आजम खान के नाम कर दी। जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध पर अभियोग पंजीकृत किया गया था तथा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।इसी क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तों को गोयरा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में केदार पुत्र शिवनंदन निवासी इंटवा थाना मटौंध व दिलीप पुत्र इन्द्रपाल निवासी लुकतरा थाना कोतवाली देहात शामिल हैं।

डीएम व एसपी ने किया मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिलाधिकारी पुलकित गर्ग द्वारा पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के साथ शनिवार को ग्राम अगरहुण्डा, सरैंया, बोडी पोखरी मार्ग स्थित प्रस्तावित मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के निर्माण के लिए चयनित स्थल का निरीक्षण किया गया।

इस महत्वपूर्ण परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2449.63 लाख है, जिसमें प्रथम किस्त के रूप में 1220.315 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

प्रस्तावित विद्यालय में लगभग 1500 विद्यार्थियों के अध्ययन की समुचित व्यवस्था की जाएगी। परियोजना के अंतर्गत आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिनमें प्रमुख रूप से मिड-डे मील व्यवस्था, बाल वाटिका, सभागार (ऑडिटोरियम), खेल मैदान, प्रयोगशालाएँ व प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के आवास बनाए जाएंगें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता को निर्देशित किया कि विद्यालय भवन का निर्माण मुख्य मार्ग के समीप किया जाए तथा खेल मैदान को विद्यालय परिसर के पीछे प्रस्तावित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करते हुए गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए तथा कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

खेलकूद प्रतियोगिता 16 से

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

क्रीडाधिकारी अरविंद कुमार सोनकर ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में क्षेत्रीय जिला खेल कार्यालय एवं खेल संघों के समन्वय से जनपद स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रवेश निःशुल्क है तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में 16 मार्च को बैडमिंटन, बास्केटबाल व हॉकी एवं 17 मार्च को एथलेटिक्स, बालीबाल एवं कबड्डी व 19 मार्च को हैण्डबाल, कुश्ती, बॉक्सिंग एवं फुटबाल प्रातः 9 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत विकासखंड मऊ ग्राम कोलमजरा में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बीते शुक्रवार और शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में बेरोजगार ग्रामीणों को रोजगार लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र चित्रकूट धीरेंद्र कुमार भारती द्वारा किया गया तथा लाभार्थियों को पेन फोल्डर बुक आदि वितरण किया गया एवं सभी को जलपान कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान शोभनाथ प्रजापति द्वारा किया गया तथा विषय विशेषज्ञ प्रभात कुमार पूर्व खाद्य संस्कार अधिकारी, धीरेंद्र प्रताप सिंह डी.आर.पी. एवं भागवत पाल उद्यमी द्वारा अपने विषय से संबंधित लाभार्थियों को जानकारी प्रदान की गई तथा शनिवार को लाभार्थियों को ग्राम प्रधान द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चैबे ने ग्रामोदय कैंपस के कृषि संकाय में शुक्रवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तिलहन के अंतर्गत दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस क्षेत्र के तीन दर्जन से अधिक किसान भाग ले रहे हैं।

पर चैबे ने कहा कि तिल अत्यंत उपयोगी एवं आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण फसल है। तिल संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी मिलगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए किसानों का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य प्रशिक्षक प्रो. विवेक प्रकाश नागाइच ने तिल उत्पादन की उन्नत तकनीकों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को दृष्टिगत रखते हुए जैविक खेती अपनाने, निर्यात योग्य गुणवत्ता वाले तिल का उत्पादन करने तथा तिल की खेती को रोजगारमुखी एवं व्यापारिक दृष्टिकोण से विकसित करने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख की प्रतिमा पर माल्यार्पण और विद्या की माता सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रभारी, अखिल भारतीय समन्वित तिल अनुसंधान परियोजना और कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुधाकर प्रसाद मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। सत्र का संचालन शोधार्थी अग्निवेश शांडिल्य ने किया। तकनीकी सत्र में प्रो. नगाइच, प्रो. सुधाकर मिश्रा, प्रो. योगेंद्र कुमार सिंह, प्रो. पावन सिरोठिया, प्रो. उमाशंकर मिश्र, प्रो. शिवशंकर सिंह ने तिलहन उत्पादन की उन्नत तकनीकों, अधिकतम पैदावार प्राप्त करने के उपायों तथा रोग एवं कीटों से होने वाली हानि को कम करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा पाठा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर करेगा धरना प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

पाठा क्षेत्र के विकास की मांगों को लेकर बुंदेलखण्ड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष प्रखर पटेल द्वारा शनिवार को आगामी 16 मार्च को आम जनमानस की समस्याओं को लेकर शहीद स्मारक पार्क कर्वी में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन के लिए बैठक किया गया। उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर प्रमुख मांगे की, जिसमें देवांगना घाटी से ददरी मारकुंडी संपर्क मार्ग का चैड़ीकरण हो, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रुकमा खुर्द में एंबुलेंस की तैनाती व स्टाफ मौजूद रहे। ग्राम पंचायत रुकमा बुजुर्ग में बनी पुस्तकालय का संचालन व ग्राम पंचायत मारकुंडी, इटवा डुडैला व सरैया में पुस्तकालय बने, पाठा क्षेत्र के न्याय पंचायत रुकमा खुर्द व मारकुंडी, सरैंया में खेलो इंडिया के तहत खेल स्टेडियम बने। न्याय पंचायत रुकमा खुर्द, मारकुंडी व इटवा डुडैला में डिग्री कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बने। पशु अस्पताल रुखमा बुजुर्ग में पेयजल समस्या व आवागमन के लिए रास्ता बने एवं डॉक्टरों की तैनाती हो। पाठा क्षेत्र में विद्युत वितरण कटौती व लो वोल्टेज की समस्या का भी निदान हो जिससे किसानों को सिंचाई में असुविधा न हो। पाठा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में हर घर जल योजना जल्द से जल्द पूर्ण हो। पाठा क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों में बने तालाब का सुंदरी करण हो। ग्राम पंचायत मडैयन से बहिलपुरवा संपर्क मार्ग का मरम्मतीकरण हो। कर्वी से ददरी माफी से होते हुए मारकुंडी तक सरकारी बस का संचालन हो। पाठा क्षेत्र में बने माडो बांध के गेट का मरम्मतीकरण व उससे जुड़ी नहर की खुदाई हो। पाठा क्षेत्र के हर ग्राम पंचायत में शमशान घाट बने। ग्राम पंचायत ददरी माफी में पुलिस चैकी बने। मारकुंडी रेलवे स्टेशन पर बने रेलवे फाटक पर फ्लाईओवर बने जिससे आवागमन में सुविधा हो। पाठा क्षेत्र सहित पूरे जनपद में पलायन रोकने के लिए फैक्ट्रियों व अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाए। पाठा क्षेत्र में खुले सभी विद्यालयों में आधुनिक तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। न्याय पंचायत रुखमा खुर्द की तहसील को कर्वी बनाया जाए। पाठा क्षेत्र से कर्वी मुख्यालय आने वाले आटो रिक्शा वाहनों के लिए आटो रिक्शा स्टैंड बनाया जाए।

‘राष्ट्रीय लोक अदालत’ सुलह समझौत से निस्तारित हुऐ 119814 वाद

जन एक्सप्रेस । बांदा

प्रभारी सचिव/सिविल जज (सीडि), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अर्पिता सिंह प्रथम के अनुसार शनिवार को जनपद मुख्यालय,बाह्य न्यायालय अतर्रा / बबेरु/नरैनी एवं तहसील मुख्यालयों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश अल्पना द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया।इस लोक अदालत में कुल 1,19,814 वाद सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित किये गये जिसमे कुल 9,33,612 अर्थदण्ड वसूल किया गया।

डीएम एसपी ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा का केन्द्रों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस/बांदा शनिवार को जिलाधिकारी जे. रीभा एवं पुलिस अधीक्षक पलास बंसल ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा शान्ति एवं सुचारू रूप से संपन्न कराए जाने हेतु जनपद के विभिन्न परीक्षा केदो का निरीक्षण किया उन्होंने परीक्षा केंद्र पं0 जे0 एन0 डिग्री कालेज, डी0 ए0 वी0 इंटर कालेज व जी0 जी0 आई0 सी0 का निरीक्षण कर परीक्षा को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु सीसीटीवी टीवी कंट्रोल रूम से आयोजित परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों ने दिया सामाजिक एकता, सौहार्द तथा नशा बन्द करने का सन्देश

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

पाठा क्षेत्र के आदिवासी नैनिहालों के लिए अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान द्वारा संचालित भारत माता बाल अभ्युदय के 5 केंद्रों का वार्षिकोत्सव नई बस्ती मारकुंडी में सम्पन्न हुआ। पाँच गांवों जारोमाफी, नईबस्ती, बंधाभीतर, नेरुवा, व घाटा कोलान के तीन वर्ष से दस वर्ष के बच्चों ने उत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर मनमोहक वातावरण का सृजन किया। व्यक्तिगत गीत, सामूहिक गीत, नाटक, प्रहसन, लोक गीत राई, कोलहाई आदि की छोटे-छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित माता-पिता तथा समाज के लोगों को भाव विभोर कर दिया। नाटक के रुप में बच्चों ने सड़क दुर्घटनाओ से कैसे बचा जा सकता है, इसके लिए शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को प्रभावित किया। नेरुवा के ग्रामपाल प्रवीण के बच्चों की प्रस्तुतियों को सभी ने सराहा। जारोमाफी की ग्रामपालिका खुशबू ने बलमा गीत पर अपना द्रुत गति से नृत्य कर सभी को चैंका दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नईबस्ती के ही 85 वर्षीय दादूलाल कोल ने किया। दादू भाई ने सबको धन्यवाद दिया तथा स्वयं राई, कोलहाई, बलमा गीतों को गाकर, नृत्य करके आदर्श प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कल्याण केंद्र मानिकपुर के संगठन मंत्री महेश रहे। उन्होंने प्रयास की सराहना किया तथा स्वयं भी उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में गाये जाने वाले लोक गीतों की जानदार प्रस्तुति दी। बाद में संस्थान के संस्थापक गोपाल भाई ने सभी अतिथियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया। अभिभावकों की उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया। संगीत दल के साथ फाग, होली गीतों को गाते हुए गोपाल भाई ने कार्यक्रम को विश्राम दिया।

तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर एक छात्र की मौत,दूसरा घायल।

जन एक्सप्रेस/बांदा परीक्षा देकर छोटे भाई के साथ घर लौट रहे साइकिल सवार छात्र को तेज रफ्तार ट्रक टक्कर ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं उसका छोटा भाई घायल हो गया।दुर्घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक ग्रामीणों ने पकड़ लिया।वहीं उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बबेरू कोतवाली क्षेत्र के परसौली गांव निवासी अवधेश कुमार कई साल से अपने परिवार के साथ देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव के पंचा आरख के पुरवा में रह रहा था। उसका 16 वर्षीय पुत्र मान्शू कोटार्य प्राइवेट विद्यालय में कक्षा 8 में पढता था।वहीं छोटा 9 वर्षीय छोटा भाई पुष्पेद्र उसी विद्यालय मे कक्षा तीन में पढता है।शनिवार की दोपहर मान्शू अपने छोटे भाई के साथ स्कूल से परीक्षा देकर साइकिल से दोनों घर जा रहे थे। बताया गया कि साइकिल मान्शू चला रहा था। जैसे ही वह महोखर चौकी के पास पहुंचा,तभी शहर से फतेहपुर की ओर जा रहे ट्रक ने सामने से आ रहे ट्रक को ओवर टेक किया।ओवर टेक करने में ट्रक ने साइकिल में टक्कर मार दिया।जिससे दोनो भाई साइकिल से नीचे गिर गए।इसी बीच मान्शू ट्रक के पहिया के नीचे आ गया।जिससे उसकी कुचलकर मौत हो गई। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगने का प्रयास किया। माता-पिता भी मौके पर पहुंच गए। इसी बीच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी में हाउस में रखवा दिया है।पिता ने बताया कि मान्शू दो भाईयो में बड़ा था। बेटे की मौत से मां राजकुमारी रो रोकर बेहाल है।

जब डकैतों का था खौफ, तब भी डॉ. जैन बेखौफ करते थे नेत्र रोगियों की सेवा

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

संत रणछोड़ दास द्वारा स्थापित सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं विश्व ख्याति प्राप्त सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक पद्मश्री डॉ. बुधेन कुमार जैन ने बीती 27 फरवरी को जनपद की पावन धरती पर अंतिम सांस लेते हुए सबको अलविदा कहा। जिस पावन भूमि पर उन्होंने अपना जीवन सेवा और समर्पण पर लगाया उसी भूमि पर उन्होंने अपने को समाहित भी कर लिया।

सेवा, समर्पण, विश्वास ने उन्हें बनाया महानायक

डॉ. जैन ने अपने जीवन में आत्म अनुशासन, आत्म समर्पण और आत्म विश्वास को उतारा और उनकी यही सोच ने सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट को यहां तक पहुंचाने का काम किया और उनके आत्म त्याग और समर्पण ने महानायक बना दिया। और उन्हीं की स्मृति में बीते शुक्रवार को रघुवीर मन्दिर जानकी कुंड में महाप्रसाद (भंडारे) का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के सभी संत महात्मा, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, समस्त ट्रस्टीगण, समस्त सदगुरु परिवार के सदस्य व अन्य हजारों की संख्या में उनके चाहने वाले पहुंचे और उनके महाप्रसाद कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित

कर महाप्रसाद ग्रहण किया।

डॉ. जैन ने नेत्र चिकित्सक के रूप अपनी सेवा और समर्पण के जरिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के नाम की एक अलग ही पहचान बनाई है। डॉ. जैन 1974 से सदगुरु नेत्र चिकित्सालय से जुड़े और पांच दशकों से ऊपर तक गरीब और जरूरतमंद लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने का काम किया। 1948 में जन्मे डॉ जैन की प्रारंभिक शिक्षा शासकीय विद्यालय व्यंकट क्रमांक सतना में हुई, इसके बाद 1968 से 1973 तक एस एस मेडिकल कॉलेज रींवा से हुई इसके बाद 1977 से 1979 तक पी.जी. की शिक्षा उन्होंने मुंबई से प्राप्त की थी। डॉ. जैन वर्तमान में एम्स रायपुर के अध्यक्ष थे। अंधत्व निवारण एवं नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा कार्य के लिए विगत पांच दशकों में वह पद्मश्री से लेकर कई राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय एवं राजकीय पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

वर्ष 1996 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए ढान्ढा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद वर्ष 2003 में उन्हें फिरदौसी अवार्ड मिला। 2004 में मुंबई में आयोजित आई एडवांस सम्मेलन में उन्हें सामुदायिक नेत्र चिकित्सा में उत्कृष्ट कार्य के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। वर्ष 2005 में लंदन स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर आई हेल्थ के भारतीय पूर्व छात्रों द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक नेत्र चिकित्सा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कांग्रेस ने असम के युवाओं को गुमराह किया...

असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, 'सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है... पढ़ें पेज 12 पर...

एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई, 1483 स्थानों पर निरीक्षण व छापे

- कालाबाजारी में 24 एफआईआर दर्ज, 6 गिरफ्तार, 19 लोगों पर अभियोजन
- प्रदेशभर में 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम, आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी
- 4,108 एलपीजी वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को सुनिश्चित की गई रिफिल डिलीवरी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

प्रदेश में आम नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह सक्रिय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में आपूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी के साथ निरीक्षण व छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है, जिससे कहीं भी किसी प्रकार की कमी या अव्यवस्था न होने पाए। इसी क्रम में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम सुनिश्चित किए जाएं।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई

यूपी पहला राज्य है, जहां कालाबाजारी के खिलाफ सबसे पहले और ताबड़तोड़ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रवर्तन टीमों द्वारा शुक्रवार को कुल 1,483 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की गई। इस दौरान एलपीजी वितरकों के विरुद्ध 4 एफआईआर दर्ज की गई, जबकि एलपीजी गैस की कालाबाजारी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध 20 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। मौके से 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 19 व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई की गई है।

उपभोक्ताओं को सुनिश्चित की गई एलपीजी रिफिल डिलीवरी

प्रदेश में कार्यरत 4,108 एलपीजी गैस वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के सापेक्ष एलपीजी रिफिल की डिलीवरी सुनिश्चित कराई गई है। वितरकों के यहां एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकतानुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

वाणिज्यिक सिलेंडरों का 20 प्रतिशत आवंटन

भारत सरकार द्वारा वाणिज्यिक सिलेंडरों की कुल खपत के 20 प्रतिशत तक आवंटन की अनुमति प्रदान की गई है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी गैस आपूर्ति प्रभावित न हो।

24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम

आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी और किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए खाद्यायुक्त कार्यालय में पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त होम कंट्रोल रूम में भी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं प्रदेश के सभी जनपदों में भी कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं, जो लगातार कार्यरत हैं।

उपभोक्ताओं को एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला पूर्ति कार्यालय और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी लगातार फील्ड में भ्रमण कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी हिस्से में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति बाधित न हो और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसआई परीक्षा: पहले दिन 5.31 लाख अभ्यर्थी हुए शामिल, गड़बड़ी के आरोप में सात पर एफआईआर, एक अरेस्ट

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा में 5,31,765 अभ्यर्थी शामिल हुए। भर्ती परीक्षा की शुचिता भंग करने के प्रयास करने वाले सोशल मीडिया एकाउंट्स के खिलाफ लखनऊ में कुल सात केस दर्ज किए गए हैं। एसटीएफ ने आगरा से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। आरोपी फर्जी प्रश्न पत्र भेजकर अभ्यर्थियों से ठगी कर रहा था। मामले में एसटीएफ की तफ्तीश जारी है। मामले में और भी कार्रवाई हो सकती है। भर्ती परीक्षा के एसटीएफ व अन्य एजेंसियां सोशल मीडिया की लगातार निगरानी कर रही हैं। इसी दौरान टेलीग्राम पर 'यूपी एसआई यूपी पुलिस-2026 ', 'रिजल्ट पैनल प्राइवेट' और 'यूपी एसआई परीक्षा प्रश्नपत्र-2026' नाम से चैनल चलाकर उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के संदेश प्रसारित किए जा रहे थे। इस संबंध में थाना हुसैनगंज में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अध्यादेश-2024 व आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जांच करते हुए एसटीएफ ने आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र की इंजीनियर्स कॉलोनी से आयुष बघेल को गिरफ्तार किया। एसटीएफ के मुताबिक आरोपी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने की बात फैलाकर टेलीग्राम पर फर्जी प्रश्न पत्र भेजता था और अभ्यर्थियों से रकम वसूल रहा था। रकम भी उसने ऑनलाइन अपने खाते में ली है। जिसके साक्ष्य एसटीएफ को मिले हैं। आरोपी आयुष स्नातक की पढ़ाई कर रहा है।

11 दिन वृद्ध दंपति को रखा डिजिटल अरेस्ट

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

साइबर जालसाज ने खुद को ईडी का अधिकारी बता कर वृद्ध दंपति को 11 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। फिर उनसे 16 लाख रुपये वसूल लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पारा के सदरौना निवासी पूरन राम टम्टा सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त हैं। पूरन राम के मुताबिक 27 फरवरी को उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने अपना परिचय इंस्पेक्टर रंजीत यादव देते हुए कहा कि तुमसे ईडी के अधिकारी अधिकारी प्रेम कुमार गौतम बात करेंगे फिर कॉल काट दी। कुछ देर बाद उन्हें प्रेम कुमार गौतम ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल की। उसने उन्हें और उनकी पत्नी को मनी लॉड्रिंग मामले में दोषी बताया और जेल भेजने की धमकी दी। ठग ने कहा कि अगर गिरफ्तारी से बचना चाहते हो जो तुम्हें जांच में सहयोग करना पड़ेगा। डरे सहमे पीड़ित इस पर राजी हो गए।

11 दिन वृद्ध दंपति कमरे में रहे बंद

दंपति ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। ठग ने उनसे व पत्नी से व्हाट्सएप पर जांच के नाम पर आधार कार्ड मांगा। इसके बाद उसने पीड़ित की पत्नी के बैंक खाते का प्रयोग अनाधिकृत ट्रांजेक्शन के लिए होने की बात कही। ठग ने कहा कि तुम दोनों को बैंक खातों की जानकारी देनी होगी। अगर सब ठीक रहा तो क्लीन चिट देकर छोड़ दिया जाएगा। इस पर भी वृद्ध मान गए। इसके कुछ देर बाद साइबर जालसाज ने उन्हें अपने बैंक अकाउंट की डिटेल दी और 16 लाख ट्रांसफर करने को कहा। घबराए पीड़ित ने छह मार्च को अपने खाते से 10 लाख और नौ मार्च को छह लाख रुपये पत्नी के खाते से ठग को आरटीजीएस किए। इसके बाद भी ठग रकम की मांग करता रहा। आशंका होने पर पीड़ित ने फोन काट दिया। परिचितों को फोन कर जानकारी देने पर वृद्ध को खुद के साथ ठगी होने की जानकारी हुई। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में दी। इंस्पेक्टर ब्रजेश यादव ने बताया कि जिस नंबर से ठग ने पीड़ित से संपर्क किया था उसकी जांच की जा रही है। रकम को फ्रीज कराने के लिए बैंक संपर्क किया जा रहा है।

मायावती बोलीं, कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता से बनी बसपा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

मायावती ने शनिवार को कहा, जैसा कि सर्वविदित है कि कांग्रेस पार्टी ने काफी वर्षों तक केन्द्र की सत्ता में रहकर दलितों के मसीहा व भारतीय संविधान के मूल निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का कभी भी आदर-सम्मान नहीं किया और ना ही उनको 'भारतरत्न' की उपाधि से भी सम्मानित किया। भला फिर यह पार्टी अब मान्यवर श्री कांशीराम जी को कैसे इस उपाधि से सम्मानित कर सकती है?

एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया

मायावती ने कहा, इसी कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र में अपनी सत्ता के रहते हुये इनके (मान्यवर श्री कांशीराम जी के) देहान्त होने पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया तथा ना ही उस समय

यू.पी. की सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित किया। इसी प्रकार दूसरी पार्टियों के हाथों में खेल कर दलित समाज के बने अनेकों संगठन व पार्टियाँ आदि भी इनके नाम को भुनाने की कोशिश में हमेशा लगी रहती हैं। अब ये सभी पार्टियां आएदिन किस्म-किस्म के हथकण्डे इस्तेमाल करके मान्यवर श्री कांशीराम जी द्वारा बनाई गई पार्टी बी.एस.पी. को कमजोर करने में लगी हैं। अतः इनके अनुयायी व समर्थक हमेशा इनसे सचेत रहें। खासकर कांग्रेस पार्टी से जरूर सजग रहें, जिसकी दलित-विरोधी सोच व मानसिकता होने की वजह से ही बी.एस.पी. बनानी पड़ी है। साथ ही, कल दिनांक 15 मार्च 2026 को मान्यवर श्री कांशीराम जी की जयन्ती पर, इनकी द्वारा निर्मित पार्टी बी.एस.पी. के सभी कार्यक्रमों को उ.प्र. सहित पूरे देश में पार्टी के लोग जरूर कामयाब बनायें , यही अपील।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी: 90 हजार लाभार्थियों को पहली किस्त का हस्तांतरण

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण के 90 हजार पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रथम किस्त की धनराशि का डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक के जरिए अंतरित करेंगे। कार्यक्रम 16 मार्च को अपराह्न 4.30 बजे इंदिरा गांधी में होगा। मुख्यमंत्री द्वारा 20 लाभार्थियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री फतेहपुर गोरखपुर प्रयागराज सहारनपुर महाराजगंज तथा देवरिया के एक-एक लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली संवाद करेंगे और उनसे योजना के लाभ एवं अनुभव जानेंगे।प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 मांग आधारित योजना है, जिसके अंतर्गत पात्र शहरी लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जिससे 'सबके लिए आवास' की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

सरस महोत्सव महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम: केशव

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का प्रतीक स्वयं सहायता समूह की 'दीदियां'

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में आयोजित सरस महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें 'लखपति दीदी' बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।श्री मौर्य परेड मैदान प्रयागराज मे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित सरस मेला का शुभारम्भ करने के उपरांत महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। जो महिलाएं पहले घर की चाहरदीवारी तक सीमित रहती थीं, आज वे अपने परिश्रम और उद्यमिता से परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ गांव और समाज में सम्मान प्राप्त कर रही हैं। इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ी है और उन्हें परिवार तथा समाज में पहले से अधिक सम्मान मिल रहा है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026 तक उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या को 1करोड. 10 लाख से बढ़ाकर 3 करोड़ तक पहुंचाना है। साथ ही प्रदेश में एक करोड़ 'लखपति दीदी' बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में छह करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसके लिए योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। सरकार स्वयं सहायता समूहों को उद्योग स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और अनुदान उपलब्ध करा रही है। यदि कोई समूह 5 करोड़ रुपये की लागत से कोई फैक्ट्री या उत्पादन इकाई स्थापित करता है, तो उसे 1 करोड़ 75 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए 90 प्रतिशत की अतिरिक्त सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। जिससे महिलाएं बड़े स्तर पर उद्योग स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं केवल छोटे स्तर तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्योग, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाया जाए। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं केवल छोटे स्तर तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्योग, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण का संकल्प लिया गया है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की इस मुहिम को और मजबूत बनाने के लिए सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा प्रदेश को विकास के नए शिखर पर पहुंचाने में सहभागी बनें।

योगी सरकार का विशेष अभियान: तीन माह में बनाए करीब 18 लाख नए आयुष्मान कार्ड

- आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और उनके परिवार के बने कार्ड

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत छूटे पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने के लिए योगी सरकार प्रदेश भर में विशेष अभियान चला जा रही है। अभियान की शुरुआत बीते साल 25 नवंबर को हुई। यह 25 दिसंबर, 2025 तक चला। इस दौरान 5 लाख 52 हजार से अधिक कार्ड बनाए गए। अभियान की सफलता को देखते हुए इस साल 15 जनवरी से दोबारा विशेष अभियान शुरू किया गया, जो वर्तमान में चल रहा है। विशेष अभियान की अवधि में अब तक 17 लाख 94 हजार से अधिक कार्ड बनाए जा चुके हैं। अभियान के दौरान विशेष रूप से आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सहायिकाओं के साथ उनके परिवार के कार्ड बनाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान सबसे अधिक बरेली में कार्ड बनाए गए। इससे बरेली कार्ड बनाने में पूरे प्रदेश में पहले, जौनपुर दूसरे और आगरा तीसरे स्थान पर हैं। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने वाला राज्य बन चुका है। योजना के तहत प्रदेश में अब तक लगभग 5.64 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे करोड़ों परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है। 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के करीब 25 लाख 70 हजार बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। योगी सरकार वंचित पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए प्रदेश भर में विशेष अभियान चला जा रही है। यह अभियान पहले 25 नवंबर से 25 दिसंबर, 2025 तक संचालित किया गया। अभियान की सफलता को देखते हुए इसे इस साल 15 जनवरी से 15 अप्रैल तक विस्तारित किया गया है। अभियान के तहत 12 मार्च तक 17 लाख 94 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अभियान को स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। ग्राम स्तर पर स्वयंसेवकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के माध्यम से पात्र परिवारों तक पहुंच बनाकर उनका सत्यापन किया गया और मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाए गए। अभियान के दौरान सबसे अधिक बरेली ने 1,12,855 कार्ड बनाकर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह जौनपुर 83,042 कार्ड बनाकर दूसरे, आगरा 76,702 कार्ड बनाकर तीसरे स्थान पर है जबकि प्रयागराज 74,252 कार्ड बनाकर चौथे और आजमगढ़ 70,266 कार्ड बनाकर पांचवे स्थान पर है।

गर्मियों में न हों आग लगने की घटनाये

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

मौसम में परिवर्तन के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वन विभाग ने आग से बचाव की तैयारी की है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के आलाधिकारियों से कहा है कि गर्मी में जंगलों में आग की घटनाएं न हों, अभी से तैयार रहें। वन विभाग ने ऐसी घटनाओं पर निगरानी और रोकथाम के लिए मुख्यालय से लेकर प्रभागीय स्तर, जोनल-मंडलीय मुख्य वन संरक्षक स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाया है। प्रदेश मुख्यालय पर बनाए गए अग्नि नियंत्रण सेल कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक प्रभाग, वृत्त, जोन तथा मुख्यालय स्तर पर प्रदेश में कुल 116 अग्नि नियंत्रण सेल स्थापित किए जा चुके हैं। यह सेल 24 घंटे कार्य करेंगे। सेल में तीन शिफ्ट सुबह छह से दोपहर दो बजे तक, दोपहर दो बजे से रात्रि 10 बजे तक व रात्रि 10 से सुबह छह बजे तक में कर्मचारियों की तैनाती रहेगी। हीलाहवाली न हो, इसके लिए रेंजों में सूचनाएं रजिस्टर में पंजीकृत कर तत्काल उसके निदान पर कार्य किया जाएगा।

वेटिकन-रोम और येरुशलम से बेहतर बन रहा विंध्याचल धाम: शर्मा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- विरासत के साथ विकास और आस्था के साथ व्यवस्था' की सोच पर आगे बढ़ रहा देश
- ऊर्जा मंत्री ने मिर्जापुर में किया 2 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मिर्जापुर में दो करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इन योजनाओं में पटेल चौराहा का सौंदर्यीकरण, विंध्याचल बरतर में जोनल ऑफिस का निर्माण, ओझला पुल का सुंदरीकरण तथा अहिल्याबाई होल्कर पार्क के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से शहर की आधारभूत सुविधाओं के साथ धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 'विरासत के साथ विकास' और 'आस्था के साथ व्यवस्था' की सोच को धरातल पर उतारा जा रहा है। श्रद्धा और स्वच्छता, संस्कृति और समृद्धि को साथ लेकर ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का आधुनिक सुविधाओं के साथ विकास किया जा रहा हैताकि श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था और सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने वेटिकन सिटी और रोम जैसे विश्व प्रसिद्ध धार्मिक शहरों को देखा है। अपने अनुभव के आधार पर वे कह सकते हैं कि विंध्याचल धाम का विकास जिस प्रकार से हो रहा है, वह इन स्थानों से बेहतर, भव्य रूप में सामने आ रहा है। वाराणसी अयोध्या और विंध्याचल में कॉरिडोर और आधारभूत ढांचे का जो विकास हुआ है, वह अद्भुत है और अपना विंध्याचल धाम किसी से कम नहीं है। चौबे घाट पर इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है और घंटाघर क्षेत्र में पक्के घाटों का निर्माण भी कराया जाएगा। ऊर्जा क्षेत्र के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि मड़िहान तहसील में 765 केवीए का विद्युत उपकेंद्र स्वीकृत हो गया है, जो उत्तर प्रदेश का चौथा 765 केवीए उपकेंद्र होगा। इसके अलावा विंध्याचल विद्युत उपकेंद्र में एक अतिरिक्त 5 एमवीए ट्रांसफार्मर लगाकर क्षमता वृद्धि की गई है। 30 वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।इस अवसर पर विधायक रत्नाकर मिश्र, विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन श्रीमाली, जिला अध्यक्ष लाल बहादुर सरोज, नगर पालिका परिषद मिर्जापुर के अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विद्यालयों में 'नवआरंभ उत्सव' 25 को, मिलेगा बालवाटिका नामांकन अभियान को बढ़ावा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 25 मार्च को प्रदेश के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों में 'नवआरंभ उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का बालवाटिका में नामांकन बढ़ाना तथा अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। 'नवआरंभ उत्सव' के माध्यम से 3 से 4 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक बच्चों को बालवाटिका से जोड़ा जाएगा, जिससे बच्चों की शिक्षा की मजबूत नींव तैयार हो सके। अभिभावकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने बच्चों का नामांकन बालवाटिका में कराएं ताकि बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण मिले। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत वर्ष 2030 तक प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 'नवआरंभ उत्सव' के माध्यम से अभिभावकों को बालवाटिका की गतिविधियों, लर्निंग कॉर्नर, खेल सामग्री, अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे बच्चों की नियमित उपस्थिति और नामांकन में वृद्धि होगी।

योगी सरकार दे रही हस्तशिल्प को वैश्विक पहचान

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- पीएम यूनिटी मॉल से जिलों के उत्पादों को मिलेगा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच
- आगरा, वाराणसी और लखनऊ में तेजी से बन रहे यूनिटी मॉल

स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कारीगरी को नया बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार आगरा, वाराणसी और लखनऊ में आधुनिक पीएम यूनिटी मॉल का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इन मॉल का उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित और विपणन करने के लिए स्थायी मंच उपलब्ध कराना है। इससे कारीगरों, महिलाओं और युवाओं को बड़े बाजार से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों के ओडीओपी और जीआई-टैग उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। आगरा के शिल्पग्राम क्षेत्र में 11.53 एकड़ भूमि पर करीब 128.85 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बेसमेंट की खुदाई, फाउंडेशन की पीसीसी, आरसीसी, बेसमेंट फ्लोर के कॉलम एवं रिटेनिंग वाल की आरसीसी का कार्य 100 फीसदी तक पूर्ण हो चुका है। यहां ब्रज क्षेत्र, आगरा, फिरोजाबाद और आसपास के जिलों के हस्तशिल्प व पारंपरिक उत्पादों को ब्रांडिंग के साथ देश-विदेश के बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी। वाराणसी के गंगानगर कॉलोनी में करीब 154.71 करोड़ रुपये की लागत से 1.46 एकड़ क्षेत्र में यूनिटी मॉल बनाया जा रहा है। डी-वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि बेसमेंट 3 में फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। बनारसी साड़ी, जरी-जरदोजी, लकड़ी के खिलौने, रुद्राक्ष और अन्य पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री के लिए विशेष स्थान मिलेगा। लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में लगभग 4.86 एकड़ क्षेत्र में 64 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल विकसित किया जा रहा है। परियोजना जून तक पूरी होने की संभावना है। यूनिटी मॉल बनने से प्रदेश के 75 जिलों के उत्पादों को एक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

डीएम और एसपी ने एसआई भर्ती परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के साथ आयोजित की गयी। जिसके तहत जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
निरीक्षण के दौरान बी.ए.वी. इंटर कॉलेज भगवतीगंज, बलरामपुर बालिका इंटर कॉलेज, महारानी देवेन्द्र कुंवरि गर्ल्स इंटर कॉलेज, एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज तथा एम.पी.पी. कॉलेज परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया।
जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों, कंट्रोल रूम, प्रवेश एवं निकास द्वारों, सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल तथा अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिस बल को निर्देशित किया गया कि परीक्षा को पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जाए। उन्होंने अभ्यर्थियों की सुगम एवं सुरक्षित आवाजाही, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा की सतत निगरानी के लिए सीसीटीवी मॉनिटरिंग, कंट्रोल रूम निगरानी तथा पुलिस गश्त की समुचित व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी नगर ज्योतिश्री सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

रायबरेली। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने कोतवाली सदर पहुँचकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। थाना दिवस के दौरान विभिन्न प्रकरणों में भूमि विवाद, पारिवारिक, राजस्व संबंधी शिकायते व सड़क एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी मौके पर उपस्थित होकर शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से करें। थाना दिवस में पुलिस/राजस्व विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

मुसाफिरखाना एसडीएम से छीने गए न्यायिक अधिकार

जन एक्सप्रेस । अमेठी

मुसाफिरखाना तहसील में पिछले ढाई महीने से चल रहा अधिवक्ताओं का आंदोलन आखिरकार निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है।करीब 77 दिनों से उपजिलाधिकारी अभिनव कनौजिया के खिलाफ धरना- प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं की मांगों के बीच जिला प्रशासन को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। जिलाधिकारी संजय चौहान ने सख्त कदम उठाते हुए एसडीएम मुसाफिरखाना से सभी न्यायिक अधिकार वापस ले लिए हैं।जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब मुसाफिरखाना तहसील के सभी न्यायिक मामलों की सुनवाई एसडीएम न्यायिक नितेश राज करेंगे।इस निर्णय के बाद तहसील क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे विवाद और अधिवक्ताओं के आंदोलन को लेकर नई स्थिति बन गई है।दरअसल अधिवक्ताओं का आरोप था कि एसडीएम अभिनव कनौजिया की कार्य प्रणाली पारदर्शी नहीं है।और न्यायिक कार्यों में कई तरह की अनियमितताएं हो रही हैं।इसी मुद्दे को लेकर अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में लगातार धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया था। करीब 77दिनों तक चले इस आंदोलन के कारण न्यायिक कार्य भी काफी हद तक प्रभावित रहे और वादकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।बताया जा रहा है,कि अधिवक्ताओं के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने प्रारंभिक जांच कराई, जिसके बाद यह बड़ा निर्णय लिया गया।जिलाधिकारी के इस कदम को आंदोलनरत अधिवक्ताओं की आंशिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।अब सवाल यह है,कि क्या इस फैसले के बाद मुसाफिरखाना के अधिवक्ता अपना आंदोलन समाप्त करेंगे।और तहसील में न्यायिक कार्य सामान्य रूप से शुरू हो पाएंगे।साथ ही वादकारियों को भी उम्मीद है,कि अब उनके मामलों में जल्द और निष्पक्ष सुनवाई हो सकेगी।

पहले दिन एस आई भर्ती परीक्षा संपन्न, दूसरी पाली में 1104 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

जन एक्सप्रेस । अमेठी

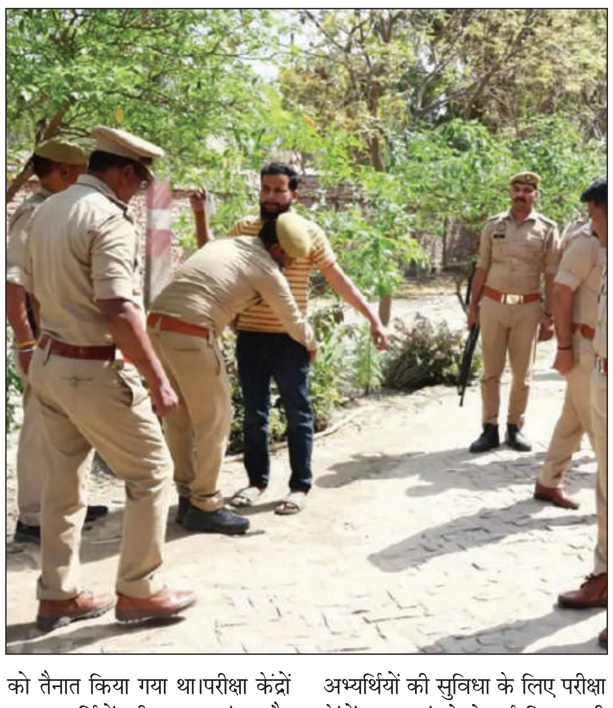

शनिवार को जनपद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिसउपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा की दूसरी पाली में 1104 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी।परीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक सर्वानन टी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।जानकारी के अनुसार जिले में दो दिनों तक चलने वाली इस भर्ती परीक्षा में कुल 14,400 अभ्यर्थियों को शामिल होना है। पहले दिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित पहली पाली में 3600 अभ्यर्थियों को शामिल होना था,जिसमें से 1177 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।वहीं दूसरी पाली में 2496 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।जबकि 1104 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर 370 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था।परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच और आईडी स्कैनिंग के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।एसपी के निर्देश पर दूर-दराज से आने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने हेतु ई-रिक्शा की भी व्यवस्था की गई थी,ताकि सभी अभ्यर्थी समय से अपने केंद्रों तक पहुंच सकें।

तीन दिवसीय नि :शुल्क दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन

रायबरेली। जननायक नेता प्रतिपक्ष लोकसभा, मा. सांसद राहुल गांधी जी की प्रेरणा एवं मा.सांसद अमेठी के. एल. शर्मा जी के प्रयासों व भगवान महावीर प्रसाद समिति जयपुर के सहयोग से तीन दिवसीय नि :शुल्क दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन मदर टेरेसा इण्टर कालेज जवाहर विहार कालोनी, रायबरेली में किया गया। सहायतार्थ शिविर का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि मा. सांसद के.एल.शर्मा जी ने कहा कि मा. सोनिया गांधी जी के मार्ग दर्शन में मानव सेवा की जो परम्परा शुरू की गई, उसे हम सब मिलकर निरंतर आगे बढ़ा रहे है, उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ मानव सेवा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, मा. सांसद ने भगवान महावीर प्रसाद समिति卐जयपुर卐 की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया और पात्र दिव्यांगजनों से रजिस्टेशन कराने की अपील की।
भगवान महावीर प्रसाद समिति जयपुर से आए संजय बापना जी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि गांधी परिवार की कर्म स्थली रायबरेली में मुझे सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

एनएसएस शिविर के छठवें दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के एमएलके पीजी कालेज में संचालित एन एसएसएस द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन शनिवार को शिविर का शुभारंभ सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली से किया गया ।
जानकारी के अनुसार 14 मार्च को प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के सरोजनी नायडू इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश शुक्ल तथा कल्पना चावला इकाई के पदाधिकारी डॉ अनामिका सिंह के संयोजकत्व में प्राथमिक विद्यालय बिजलीपुर प्रथम में 09 मार्च से चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन प्रथम सत्र में सड़क सुरक्षा अभियान रैली प्राथमिक विद्यालय बिजलीपुर प्रथम से प्रारंभ होकर बिजलीपुर मंदिर परिसर, बिजलीपुर गांव, लपटेनपुवा, धरमपुर, बड़की बिजलीपुर व बंजारी गांव से होते हुए बिजलीपुर मंदिर परिसर में आकर समाप्त हुआ। रैली में स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं ने विभिन्न प्रकार के स्लोगन एवं नारे जैसे - दुर्घटना पर लगेगा ताला, जब पहनोगे सुरक्षा माला । सड़क सुरक्षा की यही पुकार, बिन हेलमेट सब बेकार, रहो हमेशा सावधान, दुर्घटना ले लेता प्राण। सेफ ड्राइव, सेफ लाइफ नारो को लगाकर लोगों को जागरूक किया । जागरूकता रैली के उपरांत ह्स्स् द्यश्द्द्श पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में काजल, अग्रिमा को प्रथम, खुशी, प्रियांशी को द्वितीय तथा अनन्या, कोमल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । सड़क सुरक्षा स्लोगन में काजल को प्रथम, लालजी को द्वितीय तथा अनिमेष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के लिए शपथ दिलाया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ । सरस्वती वंदना सलोनी तथा शगुन ने प्रस्तुत किया । स्वागत गीत इबरत तथा प्रिया ने प्रस्तुत किया। लक्ष्य गीत धर्मेश ने प्रस्तुत किया तथा रिपोर्ट आदर्श ने प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश शुक्ल ने मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का परंपरागत ढंग से स्वागत किया। डॉ शुक्ल ने स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं से कहा कि प्रत्येक वर्ष नवंबर माह के तीसरे रविवार को विश्व सड़क यातायात दुर्घटना स्मृति दिवस मनाया जाता है । हम यातायात के नियमों का पालन करके जैसे हेलमेट और सीटबेल्ट लगाना, गति पर नियंत्रण, दाएं बाएं देख कर चलकर व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ साथ अराजकता को रोककर सुगम व सुरक्षित परिवहन अवश्य सुनिश्चित कर सकते है । कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कानूनी साक्षरता विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान देते हुए देवेंद्र पाण्डेय तथा युगल किशोर शुक्ल ने कहा कि स्वतंत्रता से पूर्व राजाओं का आदेश ही विधि माना जाता था, परंतु अब भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता लागू किया गया है । उन्होंने बताया कि अनुच्छेद 14 -18 , अनुच्छेद 19-20 , 21 तथा 32 हमे मौलिक आधार के साथ साथ अपने कर्तव्यों को पालन करने का सीख देता है तथा हमारे लिए देश सर्वोपरि है । कार्यक्रम के तृतीय सत्र में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ ए के शुक्ला ने मानव जीवन में संबंधों का महत्व नामक शीर्षक पर संक्षिप्त व्याख्यान देते हुए बताया कि हमे दूसरों के अच्छे विचारों को सुनने की क्षमता को विकसित करना चाहिए । हमे एक दूसरे का सहयोग, एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना रखनी चाहिए । कार्यक्रम के चौथे सत्र को संबोधित करते हुए गायत्री विद्यापीठ महाविद्यालय रिसिया बहराइच के प्राचार्य प्रो दिव्यदर्शन तिवारी ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए मनुष्यों, प्राणियों और पेड़ों के लिए हवा और पानी एक महत्वपूर्ण आधार है।

एनएसपीएस त्रिपुला में वार्षिक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के कुशल संचालन एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वार्षिक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विद्यालय की सभी शाखाओं के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नए सत्र की योजनाओं और शैक्षणिक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की।
कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसजीआई संस्थापक-प्रबंधक डॉ शशिकांत शर्मा द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उनके साथ विद्यालय की विभिन्न शाखाओं के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक/शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।
संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्थापक-प्रबंधक डॉ शर्मा ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता उसके शिक्षकों की लगन, समर्पण और नवीन शिक्षण पद्धतियों पर निर्भर करती है, बदलते समय के साथ शिक्षा प्रणाली में भी निरंतर नवाचार आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।
कार्यक्रम के दौरान आगामी सत्र की शैक्षणिक योजनाओं, परीक्षा व्यवस्था, अनुशासन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित प्रधानाचार्यों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रगति और शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।
संगोष्ठी के अंत में सभी शिक्षकों ने नए शैक्षणिक सत्र को सफल बनाने का संकल्प लिया।
इस अवसर पर प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति, राजीव सिंह , तारकेश्वर सिंह, इंद्र विक्रम सिंह, शिवांग अवस्थी, प्रभारी प्रधानाचार्य रूचि मिश्रा उप-प्रधानाचार्य मो. फैजान खान, रजनी श्रीवास्तव, शिवकरन पाल, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, संजय श्रीवास्तव, गिरीश श्रीवास्तव सहित सभी शाखाओं के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सलोन की खानकाह करीमिया में आयोजित रोजा इफ्तार में शामिल रोजेदार व अकीदतमंद

सलोन,रायबरेली। नगर पंचायत सलोन के वार्ड मियां साहब का फाटक स्थित खानकाह करीमिया में हजरत शाह नईम अता सलोनी रहमतुल्लाह अलैह के 59वें सालाना उर्स के अवसर पर रूहानी और धार्मिक आयोजनों के बीच बड़े पैमाने पर रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र सहित दूर-दराज से आए बड़ी संख्या में रोजेदारों और अकीदतमंदों ने शिरकत कर खानकाह के रूहानी माहौल में दुआओं में हिस्सा लिया। उर्स के मौके पर तिलावत-ए-कुरान, गुस्ल और मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ, जिसमें उलेमा-ए-कराम ने इस्लाम के पैगाम-ए-अमन, मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे पर रोशनी डाली। इफ्तार के वक्त रोजेदारों ने सामूहिक रूप से रोजा खोला और मुल्क में अमन-ओ-अमान, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआएं मांगी। रात में तरावीह की नमाज के बाद महफिल-ए-समा का आयोजन किया गया।

जनपद में गैस की भारी किल्लत, एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जिले में रसोई गैस की भारी किल्लत से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।पिछले कई दिनों से गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही हैं,लेकिन इसके बावजूद कई लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि जिले की लगभग सभी गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखी जा रही है।जानकारी के अनुसार एजेंसी संचालकों का कहना है कि जो गैस का लोड आ रहा है,वह कुछ ही समय में खत्म हो जा रहा है।इसके चलते उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।जिले में कुल 32 गैस एजेंसियां हैं।और लगभग सभी एजेंसियों पर यही स्थिति बनी हुई है।हालांकि जिला प्रशासन द्वारा गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा है,लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है।स्थिति को देखते हुए विवाद और अव्यवस्था से बचने के लिए कई गैस एजेंसियों पर संबंधित थानों की पुलिस भी तैनात की गई है।गैस एजेंसियों के बाहर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों तक को सिलेंडर लेने के लिए घंटों लाइन में खड़े देखा जा रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसियों पर रिफिल सिलेंडर लेने के लिए आधार कार्ड और कागजी प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है, जिससे वितरण में देरी हो रही है और लोगों को गैस मिलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जाम के झाम से जूझती रायबरेली

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

शहर में बस स्टॉप से दीवानी कचहरी, अस्पताल चौराहा होते हुए डिग्री कॉलेज चौराहा तक प्रतिदिन लगने वाला भीषण जाम आम जनता के लिए भारी परेशानी और खतरे का कारण बन चुका है। सड़क के दोनों ओर लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और आम नागरिकों, मरीजों तथा राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय का स्पष्ट निर्देश है कि सभी संवेदनशील एवं सरकारी भवनों की सीमाओं (बाउंड्री) को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त रखा जाए, ताकि सुरक्षा और आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। इसके बावजूद दीवानी कचहरी, अस्पताल चौराहा तथा आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से अतिक्रमण बना हुआ है, जिससे सड़क संकरी हो गई है और दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस भी निर्गत किया गया है और सड़क की सीमा के भीतर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर अतिक्रमण यथावत बना हुआ है, जिससे समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों द्वारा इस संबंध में कई बार शिकायतें भी की गई हैं। आए दिन जाम के कारण एंबुलेंस तक फँस जाती हैं और मरीजों को समय पर अस्पताल पहुँचने में भारी दिक्कत होती है, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना या गंभीर स्थिति की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने अनेकों बार जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों से भी की है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी नोटिस के अनुपालन को तत्काल सुनिश्चित कराया जाए और बस स्टॉप से लेकर दीवानी कचहरी, अस्पताल चौराहा तथा डिग्री कॉलेज चौराहा तक सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए, किन्तु प्रशासन जनहित की इस गम्भीर समस्या से आंख मूंदे हुए है। जनहित को देखते हुए इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान अत्यंत आवश्यक है, ताकि आम जनता को जाम और अव्यवस्था से राहत मिल सके अन्यथा निश्चित ही कभी भी कोई बड़ी अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

जनपद के 12 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हो रही है परीक्षा

सलोन,रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने 14 एवं 15 मार्च 2026 को आयोजित की जा रही उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 लिखित परीक्षा को पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु आचार्य द्विवेदी इण्टर कॉलेज, वैदिक इण्टर कॉलेज, फिरोजगांधी डिग्री कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की जांच की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उप निरीक्षक ना0पु0 एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा जनपद के 12 परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 14 तथा 15 मार्च, 2026 (पूर्वान्ह 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक एवं अपरान्ह 03.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक) को प्रत्येक दिवस को दो पालियों में सम्पन्न होनी है। परीक्षा में प्रत्येक पाली में 3600 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जनपद के प्रत्येक परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा सम्पन्न हो रही है।
जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल सम्पन्न हो रही है।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पायनियर पब्लिक स्कूल की टीम हुई विजयी

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पायनियर पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में शनिवार को विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर विजयी टीम घोषित हुईं हैं। जानकारी के अनुसार 14 मार्च को शहर के अग्रेंजी माध्यम विद्यालय पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने खेल निदेशालय उ0प्र0, खेल भवन लखनऊ के निर्देशानुसार जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन में स्टेडियम बलरामपुर में जिला स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता, जिला स्तरीय जूनियर वालीबॉल प्रतियोगिता, जिला स्तरीय जूनियर बास्केट वॉल प्रतियोगिता एवं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ0 एम0पी0 तिवारी व उप प्रधानाचार्या उप प्रधानाचार्य शिखा पाण्डेय व राघवेन्द्र त्रिपाठी ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सचिव रश्मि सिंह व विद्यालय के टीम कोच अमित राणा के संरक्षता में स्टेडियम बलरामपुर भेजा गया। मुख्य अतिथि डॉ0 शरद सिंह प्रबन्धक निदान हास्पिटल बलरामपुर एवं डॉ0 स्मिता सिंह प्रोफेसर एलबीएस कालेज गोण्डा मौजूद रहे । कार्यक्रम में हॉकी संघ के अध्यक्ष सलिल सिंह टीटू, हॉकी टीम के उपाध्यक्ष डॉ0 एमपी तिवारी, सर्वेश सिंह, अविनाश मिश्रा, आफताब अहमद, वन्दना पाण्डेय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता अतिथियों कमाल अहमद उप क्रीडाधिकारी, अभय सिंह खेलों इंडिया कोच, सूरज एथलेटिक्स कोच, विजय शंकर पाण्डेय जूडो कोच, समस्त हॉकी के वरिष्ठ खिलाड़ी तथा निर्णायक मण्डल में जाकिर अली, तौहीद, अमित राना के नेतृत्व में प्रारम्भ हुई । जिला स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज से बालिका वर्ग से आराध्या, सुधा, कोमल, ख्याति, आदिती, प्रार्थना, आलिया, रिद्धी, शिवांगी, अंशू, नैनसी, अवनी, राशि, डिम्पल, सुजाता तथा सिद्धी होनहार खिलाड़ी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। हॉकी टामी में फाइनल प्रतियोगिता में पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज की छात्राओं का कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के बीच खेल प्रारम्भ हुआ जिसमें पायनियर की टीम नें मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की टीम को हराकर विजेता घोषित हुईं । जिला स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज से बालक वर्ग से महेश, हर्ष, देवेश, अंश, विवेक, ओम, अबू सुलेह, हेमंत, मुकेश, ओमकार, कैफ, अंकित, निशांत, दिव्यांस, सिखर, पुस्कर होनहार खिलाड़ी छात्रों का फाइनल हॉकी प्रतियोगिता बलरामपुर स्टेडियम की बीच हुआ जिसमें पायनियर के छात्रों ने मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बलरामपुर स्टेडियम टीम को हराकर विजेता घोषित हुईं । जिला स्तरीय जूनियर वालीबॉल प्रतियोगिता में पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज से बालिका वर्ग से शिवांगी, अंशू, नैनसी, अवनी, राशि, डिम्पल, सुजाता, आराध्या, सुधा, कोमल, ख्याति, आदिती, प्रार्थना, आलिया, रिद्धी, तथा सिद्धी होनहार खिलाड़ी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। फाइनल वालीबॉल प्रतियोगिता पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज एवं बलरामपुर स्टेडियम के बीच हुआ जिसमें पायनियर की छात्राओं ने बलरामपुर स्टेडियम को हराकर विजेता घोषित हुईं।

गंदगी में रहना पसंद नहीं...

प्रियंका चोपड़ा

ने बताई बॉलीवुड छोड़ने की वजह

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में 'क्वांटिको' के साथ हॉलीवुड में अपना सफर शुरू किया था. अब लगभग एक दशक बाद ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी की पहचान बनाने के बाद एक्ट्रेस ने हाल ही में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बनाने की वजह पर बात की. प्रियंका ने अपने करियर के पीक पर इंडिया में टेंशन भरे रिश्तों को संभालने के बारे में खुलकर बात की. उस दौर के बारे में बताते हुए प्रियंका ने कहा कि उन्हें गंदगी में रहना पसंद नहीं है. प्रियंका ने दो एक्ट्रेसेस का नाम भी लिया, जिनकी वजह से उन्हें हॉलीवुड में करियर बनाने के लिए मोटिवेट किया.

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में हाल अमांडा हिर्श के 'नॉट स्किनी बट नॉट फैट' पॉडकास्ट में शिरकत की. इसी दौरान उन्होंने हॉलीवुड में जाने के अपने फैसले के बारे में बात की. इसी बातचीत में प्रियंका ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए खुलासा किया कि करियर के पीक के दौरान उनके बॉलीवुड में कुछ रिश्ते अच्छे नहीं थे. इसी के चलते एक्ट्रेस ने हॉलीवुड की ओर रुख करने का फैसला किया था.

ऐश्वर्या राय से मिली इंसपिरेशन

जब उनसे पूछा गया कि अमेरिकन फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का मन क्यों किया, तो प्रियंका ने कहा, जब मैं इंडिया में काम कर रही थी, तो मुझे लिमिटेड महसूस होने लगा मैं देखना चाहती थी कि वहां और क्या है. मिंडी कलिंग और ऐश्वर्या राय के अलावा, हॉलीवुड में बहुत कम फीमेल या मेल इंडियन एक्टर थे. मुझे लगा कि हमें वो रिप्रेजेंटेशन क्यों नहीं मिलता. इससे मुझे खुद को अमेरिका में 9th क्लास में पढ़ने वाली लड़की जैसा महसूस हुआ, जहां कोई भी मेरे जैसा नहीं दिखता मैंने उस समय इसके बारे में (ज्यादा) नहीं सोचा. लेकिन हॉलीवुड में काम ढूंढना शुरू करने वाले किसी व्यक्ति के तौर पर, मैंने सोचा कि मैं कहां खड़ी हूं? मैं कैसे शुरू करूं? ये चाहने और ये देखने की जरूरत से आया कि वहां क्या पॉसिबिलिटीज हैं.

'धुरंधर 2' में उस मोड़ पर दिखेंगी

यामी गौतम

जहां से बदल जाएगी पूरी पिक्चर!

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' रिलीज़ से पहले ही हर तरफ छाई हुई है. पेड प्रिव्यूज के एडवांस बुकिंग में फिल्म दमदार कमाई कर रही है. साथ ही हर कोई इस फिल्म की ही चर्चा कर रहा है. धुरंधर पार्ट 1 देखने के बाद अब दर्शकों को इसके दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतज़ार है. खास बात ये है कि दूसरे पार्ट में 'धुरंधर 2' के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी और एक्ट्रेस यामी गौतम भी दिखाई देंगी. यामी फिल्म में एक अहम कैमियो रोल में नज़र आने वाली हैं. लंबे वक्त से उनके कैमियो के बारे में बात हो रही थी. अब पता चला है कि वो फिल्म में एक अहम मोड़ पर एंट्री लेंगी.

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि यामी गौतम 'धुरंधर 2' का हिस्सा हैं. बताया गया है कि यामी फिल्म में हॉस्पिटल के एक सीक्वेंस में नज़र आएंगी. उनका कैमियो कहानी का अहम हिस्सा होगा. कई बार सितारों का कैमियो ऐसा होता है कि पता ही नहीं चलता कि कब शुरू हुआ और कब खत्म हो गया. पर यामी के साथ ऐसा नहीं होगा. बल्कि उनका किरदार एक अहम मोड़ पर फिल्म के नैरेटिव को आगे बढ़ाने का काम करेगा.

यामी कर चुकी हैं 'धुरंधर 2' की तारीफ

धुरंधर की रिलीज़ से पहले यामी गौतम ने फिल्म की जमकर तारीफ की थी और दावा किया था कि ये ऐसी फिल्म है, जो सिनेमा के नजरिए को बदल देगी. ऐसा ही कुछ उन्होंने 'धुरंधर 2' को लेकर भी कहा. हाल ही में एक इवेंट में पहुंची यामी ने पार्ट 2 पर कहा कि ये फिल्म असाधारण से भी अलग है. उन्होंने कहा कि वो इस फिल्म को देखते वक्त इमोशनल हो गई थीं.

'धुरंधर 2' तोड़ेगी सारे रिकॉर्ड ?

धुरंधर के पहले पार्ट ने दुनियाभर में 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था. भारत में ही फिल्म ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. पर जिस तरह का क्रेज़ इसके दूसरे पार्ट को लेकर है, उससे साफ है कि ये पहले पार्ट से भी ज्यादा की कमाई करने वाली है. मेकर्स ने रिलीज़ से एक दिन पहले 18 मार्च को पेड प्रिव्यूज़ रखा है, जिसके लिए दमदार एडवांस बुकिंग की जा रही है. 11 मार्च शाम 5 बजे तक फिल्म के 3 लाख 69 हजार 741 टिकटों की बुकिंग हो चुकी है.

कौन हैं गौरव कपूर की पहली पत्नी कीरत भट्टल? 42 की उम्र में भी कमाल की है फिटनेस

क्रिकेट होस्ट गौरव खन्ना और टीवी की फेमस एक्ट्रेस कृतिका कामरा शादी के बंधन में बंध गए हैं. कपल ने बांद्रा स्थित अपने घर में एक निजी समारोह में शादी की. गौरव कपूर और कृतिका कामरा की शादी की खबरें सामने आते ही गौरव की एक्स वाइफ कीरत भट्टल भी चर्चाओं में आ गई हैं. गौरव कपूर ने साल 2014 में कीरत भट्टल से शादी की थी. लेकिन 7 साल बाद दोनों अलग हो गए थे. आइए जानते हैं कौन हैं कीरत भट्टल और कपल का तलाक क्यों हुआ था.

गौरव कपूर और कीरत भट्टल ने 4 नवंबर 2014 को शादी की थी. रिपोर्ट्स की मानें तो कीरत और गौरव पहली बार 2012 में मिले थे. इसके बाद दोनों की एक दूसरे से मुलाकात होती रही और धीरे-धीरे प्यार परवान चढ़ने लगा. दोनों ने लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट किया और फिर 2014 में एक ग्रैंड पंजाबी वेडिंग में शादी कर ली. हालांकि, दोनों की शादी ज्यादा लंबी नहीं चल पाई थी.

कौन हैं कीरत भट्टल ?

गौरव कपूर की पहली पत्नी कीरत भट्टल जानी-मानी एक्ट्रेस और मॉडल हैं. कीरत भट्टल ने तमिल सिनेमा में अपनी एक्टिंग से पहचान बनाई. चंडीगढ़ की रहने वाली कीरत भट्टल ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले कई ऐड के लिए काम भी किया था. कीरत भट्टल ने तमिल और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है. कीरत को पहचान कन्नड़ फिल्म 'गेलेया' से मिली, जिसमें प्रज्वल देवराज संग वो लीड रोल में नजर आईं और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी.

'गेलेया' के बाद कीरत को 'संतोष सुब्रमण्यम' में देखा गया था. वहीं, धनुष के साथ भी कीरत ने 'देसिया नेदुंचलाई 47' फिल्म साइन की थी, लेकिन प्रोडक्शन में तीन महीने की देरी के कारण फिल्म की शूटिंग कभी नहीं हो पाई. फिल्मों के अलावा, कीरत भट्टल टीवी, ट्रैवल और लाइफस्टाइल पर भी काम करती हैं. 2013 में आए शो 'लाइफ में एक बार ङ्क व्हेन एंजल्स डेयर' को कीरत ने होस्ट किया था.

गौरव और कीरत का साल 2021 में तलाक हो गया था. खबर थी कि उन्होंने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था और दोनों अलग हो गए थे. हालांकि, उनके अलग होने की कोई खास वजह कभी सामने नहीं आई.गौरव कपूर से अलग होने के बाद कीरत लाइमलाइट से दूर चली गईं.

जीत के 3 महीने बाद भी 'खाली हाथ' हैं गौरव खन्ना? न पैसे मिले न कार, जानें क्या है रियलिटी शो का 'पेमेंट' रूल

टीवी के सबसे चहेते एक्टर्स में से एक और 'अनुपमा' फेम गौरव खन्ना ने दिसंबर 2025 में 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया था. लेकिन हाल ही में उनके एक खुलासे ने सबको चौंका दिया. एक यूट्यूब व्लॉग (Vlog) के दौरान जब एक फैन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें शो में वादा की गई कार और 50 लाख रुपये मिल गए हैं, तो गौरव का जवाब था, सच बोलूं तो अभी तक नहीं मिले हैं. एक साल पहले बिग बॉस जीतने के बाद करणवीर ग्रोवर ने एल्विश यादव के साथ किए पॉडकास्ट में बताया था कि उन्हें भी जीती हुई रकम नहीं मिली है.

ग्रैंड फिनाले में सलमान खान के हाथों भारी-भरकम 50 लाख का चेक लेते हुए गौरव की तस्वीरें वायरल हुई थीं. लेकिन असलियत ये है कि वो चेक महज एक 'प्रॉप' (दिखावे का मोहरा) होता है. गौरव ने बताया, फ्रैंकली, ये सब आने में थोड़ा समय लगता है. एक पूरा प्रोसेस होता है, जिसे कंपनी फॉलो करती है. गौरव ने आगे हंसते हुए कहा कि वो टीवी इंडस्ट्री के बंदे हैं और यहां 'पेमेंट डिले' (देरी) होना कोई नई बात नहीं है. उन्होंने फैंस को भरोसा दिलाया कि पैसे कहीं नहीं जाएंगे, बस इंटरनल ऑडिट और कागजी कार्यवाही के कारण इसमें वक्त लग रहा है.

क्यों होती है पेमेंट में देरी ? जानिए २ बड़े कारण

रियलिटी शोज के कॉन्ट्रैक्ट्स बहुत पेचीदा होते हैं और सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गौरव खन्ना या एक साल पहले विनर बने करणवीर मेहरा की पेमेंट रुकने के पीछे ये तकनीकी कारण हो सकते हैं-

1. इंटरनल ऑडिट और 90 दिनों का नियम- ज्यादातर प्रोडक्शन हाउस और चैनल्स का नियम होता है कि किसी भी बड़ी राशि का भुगतान शो खत्म होने के 90 से 120 दिनों के बाद किया जाता है. कंपनी पहले अपने इंटरनल ऑडिट (जांच-पड़ताल) पूरे करती है, जिसके बाद ही फंड रिलीज होता है.
2. नहीं मिलेंगे पूरे पैसे (टीडीएस रूल)- अगर गौरव ने 50 लाख रुपये जीते हैं, तो उनके हाथ में पूरे 50 लाख नहीं आएंगे. इनकम टैक्स की धारा के तहत, गेम शो या रियलिटी शो की जीत पर सीधा 30% टैक्स (प्लस सरचार्ज) कटता है. यानी 50 लाख में से करीब 15.60 लाख रुपये सरकार के खाते में जाएंगे और गौरव को लगभग 34.40 लाख रुपये ही मिलेंगे. इस कागजी कार्यवाही में भी समय लगता है.

 ▸ पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है। भारत की अमरीका–ईरान युद्ध पर सतर्क भाषा रूस–यूक्रेन संघर्ष जैसे पूर्व के संकटों से बिल्कुल अलग है, जिनमें भारत ने प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है। भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है–जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

एक्सप्रेस आलेख

सुशासन और सरकार के समाजवादी स्वरूप के चलते नीतीश की राष्ट्रव्यापी छवि बनी। नीतीश की छवि तो बनी, लेकिन उन्होंने बिहार से बाहर अपना संगठन खड़ा नहीं किया। एक बार अरूणाचल में जदयू के 11 विधायक चुने गए, लेकिन उन्हें सहेजने में नीतीश की दिलचस्पी नहीं रही। इससे दुखी विधायक एक-एक कर पार्टी छोड़ गए। 2023 में इसी छवि के चलते उन्होंने इंडिया गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस का अहं उनकी राह में आड़े आ गया। अगर कांग्रेस ने अपने नेतृत्व को आगे रखने की चाहत का बलिदान किया होता और नीतीश को संयोजक बना दिया होता, शायद इतिहास अलग होता।

सवालों के घेरे में नीतीश कुमार की विदाई

उमेश चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे-धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है।

दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार की विदाई को लेकर सियासी गलियारों में जितनी हैरत जताई जा रही है, सवाल भी उतने ही उठ रहे हैं। बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं। बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और बीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है। कभी जीन विवाद तो कभी किसी दूसरी वजह से उन्होंने अपनी पुरानी सहयोगी बीजेपी को छोड़ उस लालू का हाथ दो-दो बार थाम लिया, जिनके विरोध की बुनियाद पर ही उनकी राजनीति परवान चढ़ी। फिर जब उन्हें लगा कि लालू का साथ उनकी सियासी नैया को डुबो देगा तो फिर बीजेपी की ओर लौटने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। यह सियासी आवाजाही हर हाल में सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की उनकी चाहत का ही प्रतीक लगती है। इसी वजह से उनकी विदाई को सहजता से स्वीकार करना कठिन हो रहा है। राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। इसलिए वे बिहार की राजनीति छोड़ राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं। हो सकता है कि नीतीश की यह चाहत रही हो, लेकिन उनके बिहार को छोड़ने के पीछे का यह सच अधूरा है। विगत दो साल में नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली है। उनकी हरकतें भी कई बार हास्यास्पद रही हैं। नीतीश की छवि ऐसे गंभीर शख्सियत की रही है, जो नाप-तोलकर बोलता है। इसी छवि ने गाहे-बगाहे फिसलती रही जुबान और उल-जलूल हरकतों के बावजूद उनके प्रति लोगों का सम्मान कम नहीं होने दिया है। इसी छवि के चलते विगत के बिहार चुनाव में एनडीए को भारी जीत भी मिली। लेकिन इसके साथ ही यह भी मान लिया गया कि इन चुनावों के बाद नीतीश की विदाई भी हो सकती है। यह कहना मुश्किल है कि बीजेपी और जनता दल यू ने तय किया हो कि चुनाव बाद नीतीश हट जाएंगे या हटा दिए जाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश ने खुद को बिहार से दूर किया है, उससे लगता है कि दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच ऐसी समझ विकसित

राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं।

हो चुकी थी। चूंकि इसकी भनक बाहर नहीं लग पाई थी, इसलिए यह बदलाव लोगों को आसानी से पच नहीं रहा। नीतीश ने जिस जनता दल यू को सींचा-खड़ा किया है, उसका भी चरित्र कुछ-कुछ कांग्रेस की तरह हो गया है। जिस तरह नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस को एक रखने का चुंबक है, नीतीश ही जनता दल यू के लिए उसी तरह के चुंबक हैं। बेशक राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन, संजय झा, विजय चौधरी और अशोक चौधरी, नीतीश के बेहद करीब हैं। लेकिन इन चारों की समूचे जनता दल यू में स्वीकार्यता नहीं है। जदयू को एक नीतीश रख सकते हैं या उनके बेटे निशांत। जदयू को एक रखने के लिए निशांत का राजनीति में आना जरूरी है। राजनीति में उनके प्रवेश की अटकलें करीब दो वर्षों से लगाई जा रही हैं। नीतीश की छवि परिवारवाद विरोधी नेता की भी है। बिहार की राजनीति के केंद्र में उन्हें लाने के पीछे लालू के परिवारवाद पर उनका तीखा हमला भी रहा है। ऐसे में नीतीश के बाद सीधे निशांत की ताजपोशी उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती थी, लिहाजा निशांत को उत्तराधिकार सौंपने के लिए ऐसी राह चुनी गई है, जिससे नीतीश को कम से कम नुकसान हो। इसलिए वे दिल्ली में राज्यसभा की शोभा बढ़ाने जा रहे हैं, जबकि नीतीश बिहार की सत्ता में नंबर दो की पोजिशन संभालने जा रहे हैं। इस कदम से निशांत को सीधे बिहार की सत्ता मिल भी नहीं रही और जदयू पर पकड़ के लिए मजबूत रस्सी भी थमाई जा रही है। बिहार इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जीविका दीदियों के खाते में अब तक 18 हजार एक सौ करोड़ दिए जा चुके हैं। दो साल में करीब दो लाख कर्मचारियों की भर्ती के बाद राज्य का वेतन खर्च 70 हजार करोड़ से ज्यादा हो चुका है। पेंशन खर्च पैंतीस हजार करोड़ हो चुका है। राज्य का बजट तीन लाख 67 हजार करोड़ का है। इसमें से पैंसठ फीसद खर्च प्रतिबद्ध खर्च है यानी विकास और योजना पर। राज्य की आर्थिक स्थिति की गड़बड़ी के चलते लालू राज के बाद पहली बार वित्त विभाग को आदेश देना पड़ा है कि कर्मचारियों के वेतन खर्च के अलावा कोई भुगतान ना किया जाए। नीतीश को यह कठिनाई पता है। माना जा रहा है कि बीजेपी को सत्ता सौंपने के पीछे उनका मकसद यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के इस आर्थिक संकट को सत्ता के केंद्र में होने के चलते उसे भुगतना पड़ेगा। हो सकता है कि अपने लोगों के हाथ सत्ता होने के चलते बिहार को मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मदद मिल जाए। 1967 में आठ राज्यों में बनी संविद सरकारों में बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ ने समाजवादी दलों का साथ दिया था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे-धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है और अब नीतीश कुमार ने खुद ही कुर्सी खाली कर दी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि बिहार में बीजेपी का अगुआ बनने का सपना पूरा होने जा रहा है। नीतीश अब बिहार की सत्ता का अतीत हैं। उनकी उपलब्धियां भी कम नहीं हैं। पहले दो कार्यकाल तक यानी 2015 तक उन्होंने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। नीतीश की एक और उपलब्धि यह है कि लगातार बीजेपी का साथ होने के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार का समाजवादी स्वरूप बचाए रखा।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे है, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	एकादशी 09:16 तक
नक्षत्रः	श्रवण 05:56 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	रविवार
योगः	परिघ, 10:25
सूर्योदयः	06:39
सूर्यास्तः	18:32
चंद्रमाः	मकर राशि में
राहुकालः	05:02-06:32
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	चैत्र
शुभ मुहूर्तः	12:12-12:59

जन एक्सप्रेस

हुआ क्रमशः ह्रास !

मौके की तलाश में।
बन जाए सरकार ।।
कर लेते अभी गठबंधन।
चुनाव बाद प्रहार ।।
मर्यादा जो लोकतांत्रिक।
हुआ क्रमशः ह्रास ।।
हथकंडे है अपनाना।
बनने खातिर खास ।।
मौकापरस्त हो गये।
जैसे जो मन भाया ।।
इसलिए तो धीरे धीरे।
होता भी सफाया ।।
जनता भी टटोलती है।
भांपती भी चाल ।।
ना फिर भी बदलाव है।
बड़ा है सवाल ।।

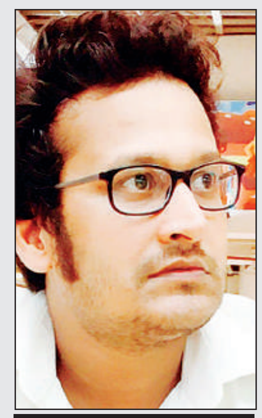

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

क्या डाइटिंग से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है?

आज के समय में अनहेल्दी लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटीज की कमी के कारण ज्यादातर लोग मोटापे की समस्या से परेशान रहते हैं, जिसके कारण लोगों में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हार्ट, कोलेस्ट्रॉल और पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इन गंभीर समस्याओं से बचने और स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए अक्सर लोगों को वजन कम करने की सलाह दी जाती है। इसके लिए अक्सर लोग डाइटिंग का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या डाइटिंग करने से मेटाबॉलिज्म स्लो होता है? डाइटिशियन एवं न्यूट्रिशनिस्ट अर्चना जैन के अनुसार, 'नहीं, अगर आप बैलेंस डाइट के साथ डाइटिंग करते हैं, तो मेटाबॉलिज्म स्लो नहीं होता है, लेकिन गलत तरीके से या क्रैश डाइट करने के कारण मेटाबॉलिज्म के स्लो होने की समस्या हो सकती है।' नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अध्ययन के अनुसार, 'कैलोरी रिस्ट्रिक्शन न सिर्फ वजन कम करने में फायदेमंद है, ब्लकि ये मेटाबॉलिज्म को स्लो कर एनर्जी को बचाने वाले तंत्र को एक्टिव करता है। इससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम कर स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है। हालांकि, शरीर एनर्जी बचाने के लिए हार्मोनल और बिहेवियर में बदलाव करता है, जिससे वजन दोबारा बढ़ने की चुनौती बनी रहती है।

बैलेंस डाइट के साथ मेटाबॉलिज्म पर क्या असर होता है?: डाइटिशियन एवं न्यूट्रिशनिस्ट अर्चना जैन के अनुसार, बैलेंस डाइट के साथ डाइटिंग करने से मेटाबॉलिज्म स्लो नहीं होता है। ऐसे में पोषक तत्वों से युक्त हेल्दी फूड्स को डाइट में शामिल करने से स्वास्थ्य में सुधार करने और बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है। बता दें, बैलेंस डाइट में विटामिन्स, प्रोटीन, फाइबर, आयरन पोटैशियम, मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स से युक्त फूड्स को डाइट में शामिल किया जाता है। इसके अलावा, शरीर को हाइड्रेट रखने की कोशिश करें।

शरीर को हाइड्रेट रखे: डाइटिंग में संतुलित आहार लेने के साथ शरीर को हाइड्रेट रखने बेहद जरूरी होता है। ऐसे में नियमित रूप से पर्याप्त पानी पीने से मेटाबॉलिज्म को तेज करने, थकान को दूर करने और शरीर में एनर्जी बनाए रखने में मदद मिलती है।

मेटाबॉलिज्म को बेहतर करे: बैलेंस फूड के साथ डाइट करने से मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद मिलती है, जिससे शरीर में एनर्जी बनाए रखने, वजन को तेजी से कम करने और स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है।

मांसपेशियों को रिलैक्स करे: डाइटिंग के दौरान संतुलित आहार लेने से मांसपेशियों को रिपेयर करने, मांसपेशियों को रिलैक्स करने और कैलोरीज को तेजी से बर्न करने में मदद मिलती है, जो स्वास्थ्य के लिए कई तरीकों से फायदेमंद है। बैलेंस डाइट लेने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे शरीर में ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने, थकान से बचान करने और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से बचाव करने में भी मदद मिलती है।

एक्सप्रेस विशेष

नचिकेता के अनुपम आदर्श से अनभिज्ञ होती आधुनिक पीढ़ी

अरविंद रावल

पहले वरदान में नचिकेता ने अपने पिता के क्रोध और दुख के शांत होने की कामना की। दूसरे वरदान में उसने अग्नि विद्या का ज्ञान माँगा। तीसरे वरदान के रूप में उसने जीवन के सबसे गूढ़ प्रश्न को सामने रखा।

नैतिक और आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध बन सकते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मोबाइल और आभासी दुनिया में खोती जा रही पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से पुनः जोड़ा जाए। नचिकेता का जीवन संदेश देता है कि सत्य, ज्ञान और आत्मबोध की खोज ही मनुष्य जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है। यदि हम वास्तव में संस्कारित और सशक्त समाज का निर्माण करना चाहते है।

आज का युग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है। मोबाइल और इंटरनेट से घिरी आधुनिक पीढ़ी किसी भी प्रश्न का उत्तर कुछ ही क्षणों में गूगल पर खोज सकती है। यदि आज के बच्चों या युवाओं से पूछा जाए कि नचिकेता कौन थे, तो वे संभवतः तुरंत इंटरनेट पर खोज कर उत्तर बता देंगे। लेकिन यदि यही प्रश्न बिना गूगल या एआई की सहायता के पूछा जाए, तो शायद अधिकांश लोग निरुत्तर रह जाएंगे। यह स्थिति हमारी शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक स्मृति पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय वैदिक साहित्य में कृष्ण यजुर्वेद के कठोपनिषद में वर्णित नचिकेता और यमराज के संवाद की कथा अत्यंत प्रेरणादायक मानी जाती है। बालक नचिकेता का चरित्र पितृभक्ति, सत्यनिष्ठा, साहस, वैराग्य और ज्ञान-पिपासा का अद्भुत उदाहरण है। दुर्भाग्य से आज की शिक्षा पद्धति में इस महान आदर्श का समुचित स्थान नहीं है। यदि कहीं इसका उल्लेख मिलता भी है तो वह केवल कुछ श्लोकों तक सीमित रह जाता है। वैदिक ग्रंथों के अनुसार लगभग दस वर्ष की आयु का बालक नचिकेता अत्यंत तेजस्वी और जिज्ञासु था। उसके पिता उद्दालक ऋषि ने विश्वजीत नामक यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें सर्वस्व दान करना अनिवार्य था। यज्ञ के दौरान जब उद्दालक ऋषि दुर्बल और बूढ़ी गायों का दान करने लगे, तब नचिकेता ने विनम्रतापूर्वक उन्हें समझाया कि ऐसा दान, जो किसी के काम न आए, धर्मसम्मत नहीं है। नचिकेता ने अपने पिता से कहा कि यदि दान ही देना है तो मुझे ही दान कर दीजिए, ताकि मैं किसी के काम आ सकूँ। नचिकेता पिता से कहता है कि मैं भी आपका धन हूँ, अतः इन गायों की जगह आप मेरा ही दान कर दीजिए ताकि मैं किसी के कुछ काम आ सकू। गोदान करते समय पिता के पास आकर नचिकेता बार-बार एक ही प्रश्न पूछता है – 'तत् कस्मै मां दास्यसि?' अर्थात आप मुझे किसे दान देंगे? बार-बार एक ही प्रश्न पूछने पर आवेश में आकर पिता के मुख से निकल गया– 'मैं तुझे यमराज को देता हूँ।' पिता के इस वचन को सत्य सिद्ध करने के लिए बालक नचिकेता मृत्यु के देवता यमराज के लोक तक पहुँच गया। यमराज के द्वार पर वह तीन दिन और तीन रात बिना अन्न-जल के प्रतीक्षा करता रहा। अतिथि के रूप में आए इस बालक की तपस्या और पितृभक्ति से प्रभावित होकर यमराज ने उसे तीन वरदान माँगने को कहा। पहले वरदान में नचिकेता ने अपने पिता के क्रोध और दुख के शांत होने की कामना की। दूसरे वरदान में उसने अग्नि विद्या का ज्ञान माँगा। तीसरे वरदान के रूप में उसने जीवन के सबसे गूढ़ प्रश्न को सामने रखा– मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है ? यमराज ने उसकी परीक्षा लेने के लिए उसे अपार धन, ऐश्वर्य, सुख-सुविधाएँ और स्वर्गिक भोग देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन नचिकेता ने इन सबको अस्वीकार कर दिया। उसने स्पष्ट कहा कि संसार के सभी भोग क्षणभंगुर हैं और मनुष्य कभी धन से तृप्त नहीं होता। उसे केवल आत्मा के सत्य का ज्ञान चाहिए। नचिकेता की इस अद्भुत वैराग्य भावना और दृढ़ जिज्ञासा से प्रसन्न होकर यमराज ने उसे आत्मा और ब्रह्म के रहस्य की ब्रह्मविद्या का ज्ञान दिया। यही ज्ञान आगे चलकर कठोपनिषद का अमूल्य संदेश बना। नचिकेता के महान जीवन चरित्र आदर्श की तुलना आज के आधुनिक समाज से करें तो स्थिति बहुत चिंताजनक दिखाई देती है। आज की पीढ़ी भौतिक सुखों और विलासिता की दौड़ में अपने पारिवारिक संस्कारों, धार्मिक ग्रंथों और सांस्कृतिक मूल्यों से दूर होती जा रही है। आज हर वर्ग हर समाज की आधुनिक होती पीढ़ी विलासिता में डूबकर अपने घर, परिवार, समाज की मान-मर्यादा, रीति-नीति और संस्कारों से न केवल दूर हो रही है बल्कि अपने वैदिक धार्मिक ग्रंथों में छिपे असीम रहस्यों, इतिहास और आदर्श चरित्रों से भी वह अनभिज्ञ हो चुकी हे! बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियाँ, नशे की लत और कम उम्र में भटकाव समाज के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहे हैं। ऐसी स्थिति में नचिकेता जैसे आदर्श चरित्रों की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

एआरटीओ के नेतृत्व में स्कूली वाहनों पर चला सख्त अभियान, फिटनेस खत्म होने पर तीन वाहन सीज

- स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे कई वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई को अभिभावकों और आमजन ने सराहनीय कदम बताया है। अभियान के दौरान एआरटीओ वीरेंद्र सिंह एवं यात्रीकर अधिकारी बर्डिस चतुर्वेदी की टीम ने पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर स्कूली वाहनों की गहन जांच की। जांच के दौरान एक स्कूली वाहन की फिटनेस समाप्त होने के बावजूद उसे सड़क पर संचालित पाया गया। इसके अलावा एक अन्य प्राइवेट वाहन में एलपीजी किट लगाकर स्कूली बच्चों का परिवहन किया जा रहा था, जो कि सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है। बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ को गंभीरता से लेते हुए दोनों वाहनों को थाना बीसलपुर क्षेत्र की चीनी मिल पुलिस चौकी में निरुद्ध कर दिया गया। अभियान को आगे बढ़ाते हुए टीम ने पीलीभीत-बरेली मार्ग पर भी चेकिंग की, जहां एक और वाहन स्कूली बच्चों का परिवहन करते हुए पाया गया, जिसकी फिटनेस समाप्त हो चुकी थी। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर इस वाहन को ललोड़ीखेड़ा पुलिस चौकी में निरुद्ध कर दिया गया। इसके अलावा दो अन्य वाहनों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की गई। चेकिंग के दौरान जयपुर से पीलीभीत आ रही एक यात्री बस के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि बस परमिट की शर्तों का उल्लंघन करते हुए संचालित की जा रही थी। नियमों की अवहेलना पाए जाने पर बस को भी सीज कर दिया गया। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई को क्षेत्र में सराहनीय माना जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि इस प्रकार के अभियान से स्कूल वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगेगा और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

> स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना फिटनेस, बिना अनुमन्यता या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार के विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
> –वीरेंद्र सिंह एआरटीओ पीलीभीत

किसानों को मिला विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, उन्नत किस्मों की खेती अपनाने की सलाह

- दुधिया खुर्द में गन्ना किसान गोष्ठी, वैज्ञानिकों ने किसानों को सिखाई आधुनिक खेती की तकनीक
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में बीज चयन, रोग प्रबंधन और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर हुआ मंथन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के अंतर्गत ग्राम दुधिया खुर्द में उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गन्ना किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के गन्ना किसानों ने भाग लेकर विशेषज्ञों से खेती से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्राप्त की। गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ना बीज के सही चयन, बीज उपचार, वैज्ञानिक विधि से गन्ना बुवाई, पोषक तत्व प्रबंधन, जल प्रबंधन और खरपतवार नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन, गन्ना की समय से कटाई और पेड़ी प्रबंधन के बारे में भी किसानों को जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक पद्धति से खेती करें तो कम लागत में भी गन्ने का बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर के वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार ने किसानों को विभिन्न गन्ना किस्मों की पहचान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन किस्मों में रोग अधिक लगते हैं, उनकी बुवाई से बचना चाहिए। वहीं डॉ. अजय तिवारी और डॉ. सुजीत प्रताप सिंह ने गन्ने में लगने वाले कीटों और बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि समय रहते कीट व रोगों की पहचान कर उचित उपचार करने से फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है और उत्पादन भी बढ़ाया जा सकता है। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रगतिशील गन्ना किसान हरीश चन्द्र ने किसानों से कहा कि वे भूलकर भी रिजेक्ट की जा चुकी गन्ना किस्मों की बुवाई न करें। उन्होंने किसानों को स्वीकृत और उन्नत किस्मों को अपनाने तथा वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य गन्ना अधिकारी पूरनपुर अमित चतुर्वेदी, इफको के प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान तथा किसान मनवीर सिंह सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में गन्ना किसान उपस्थित रहे। किसानों ने वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर खेती से जुड़े कई सवाल भी पूछे और उनका समाधान प्राप्त किया।

किसानों के लिए जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव की अपील

जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने किसानों से अपील की कि वे गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा दी गई सलाह का पालन करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान प्रति एकड़ अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से उन्नत किस्मों का चयन करने, समय पर बुवाई करने और रोग व कीट प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी, ताकि गन्ने की खेती को अधिक लाभदायक बनाया जा सके।

'अगर समय पर अस्पताल पहुंचाते तो बच जाती जान'

- हर्षित के परिजनों का आरोप, भागे अफसरों को एफआईआर में जोड़ने की मांग के साथ सीबीआई जांच
- एचपीसीएल अफसर हर्षित मिश्रा हत्याकांड में गहराया सियासी-प्रशासनिक साया, डीएम-एसपी पहुंचे घर

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

बदायूं जनपद के सैजनी स्थित एचपीसीएल के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के बाद मृतक उप प्रबंधक हर्षित मिश्रा के परिवार का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव पूरनपुर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इस दौरान परिजनों ने घटना को सुनियोजित हत्या बताते हुए मामले की सीबीआई जांच कराने और घटनास्थल से चले गए अधिकारियों के नाम एफआईआर में शामिल करने की मांग उठाई। परिवार ने अधिकारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि अगर घटना के समय मौजूद लोग मौके से नहीं भागते और समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाता, तो संभव है कि हर्षित की जान बच जाती। परिजनों का कहना है कि मुकदमा ऐसे व्यक्ति की ओर से दर्ज कराया गया है, जो घटना के समय वहां मौजूद ही नहीं था। इसलिए उनकी ओर से दी गई तहरीर को मुकदमे का हिस्सा बनाया जाए। हर्षित के पिता सुशील मिश्रा और मां रानी देवी ने प्रशासन को बताया कि यह कोई सामान्य वारदात नहीं बल्कि योजनाबद्ध हत्या प्रतीत होती है। घटना के समय प्लांट में एक बैठक चल रही थी, जिसमें कई अधिकारी मौजूद थे। गोली चलने के बाद तीन अधिकारी वहां से निकल गए, जबकि घायल अधिकारियों को तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया गया। परिवार का कहना है कि यही लापरवाही उनके बेटे की जान पर भारी पड़ गई।

परिजनों ने यह भी बताया कि मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह लंबे समय से हर्षित और दूसरे अधिकारी सुधीर गुप्ता को रास्ते में रोककर धमकाता था। वह अक्सर बाइक आगे लगाकर गाड़ी रुकवाता और अभद्रता करता था। इस मामले में चार फरवरी को शिकायत भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने के कारण आरोपी के हौसले और बढ़ गए। मां रानी मिश्रा ने कहा कि घटना से एक दिन पहले भी हर्षित ने फोन पर बताया था कि आरोपी लगातार दबाव बना रहा है। परिवार का आरोप है कि यदि पुलिस और प्रशासन समय रहते सुरक्षा मुहैया कराते तो यह घटना टाली जा सकती थी।

पत्नी ने रोका, लेकिन कर्तव्य समझकर गए थे बैठक में

परिजनों ने बताया कि घटना वाले दिन हर्षित बरेली स्थित अपने आवास से प्लांट की बैठक में शामिल होने के लिए निकले थे। उनकी पत्नी ने उन्हें जाने से रोकने की कोशिश भी की थी, लेकिन उन्होंने बैठक की अहमियत बताते हुए जाना जरूरी समझा। किसी को अंदेशा भी नहीं था कि वही बैठक उनके जीवन की आखिरी यात्रा बन जाएगी। हालांकि इसके साथ परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम के बाद हर्षित की सोने की अंगूठी, घड़ी और पर्स नहीं मिले। उनका कहना है कि मोबाइल और लैपटॉप भी घटना स्थल पर ही रह गए थे। परिजनों ने प्रशासन से सभी सामान बरामद कर परिवार को सौंपने की मांग की है।

प्रशासन ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा

हर्षित के पिता का आरोप है कि मुख्य आरोपी को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई। इतना ही नहीं, घटना के समय प्लांट के मुख्य गेट पर आरोपी का सगा भाई सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात था, जिसने कथित रूप से उसे परिसर में प्रवेश करने में मदद की। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि उनकी ओर से दिए गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से जांच में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि शासन स्तर पर भी मामले पर नजर रखी जा रही है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

साजिश कर आरोपी को बचाने का आरोप

उधर, बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री भी हर्षित के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग आरोपी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। हर्षित मिश्रा की हत्या के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। परिजन न्याय की उम्मीद में प्रशासन और सरकार से कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे पिता-पुत्री के शव, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

घुंघचाई-बंडा हाईवे पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और पुत्री की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जब दोनों के शव घर पहुंचे तो परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में लोग शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंच गए। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहनपुर जप्ती निवासी मुकेश शुक्रवार को अपनी पुत्री आरोही सहित रिश्तेदारों के साथ बाइक से दियूरिया कला कोतवाली क्षेत्र के गांव न्यूरानपुर मुड़िया में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उनके साथ बाइक पर साली आरती देवी और रिश्तेदार कृष्णा व दुर्वेश भी सवार थे। बताया जाता है कि पूरनपुर-बंडा हाईवे पर कस्बा घुंघचाई से करीब एक किलोमीटर पहले हीरो होंडा बाइक एजेंसी के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार महिंद्रा पिकअप (यूपी 27 बीटी 8203) ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे मुकेश पुत्र सीताराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां मुकेश की पुत्री आरोही ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

कार्यवृत्त जारी न होने से लेखपालों का कार्य बहिष्कार, तहसील परिसर में धरना

- पांच माह बाद भी नहीं जारी हुआ बैठक का कार्यवृत्त, समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन पर उठाए सवाल

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

लंबित मांगों और बैठक का कार्यवृत्त जारी न किए जाने से नाराज उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की तहसील इकाई ने शनिवार को कार्य बहिष्कार कर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। लेखपालों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि कई बार मांग उठाने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। तहसील परिसर में एकत्र हुए लेखपालों ने कहा कि उनकी विभिन्न समस्याओं को लेकर आठ अक्टूबर 2025 को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद 26 दिसंबर 2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक भी आयोजित हुई थी। बैठक के संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय के भूलेख अनुभाग से एक जनवरी 2026 को पत्र जारी किया गया था, लेकिन आज तक बैठक का कार्यवृत्त जारी नहीं किया गया। लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष शिशुपाल सिंह और तहसील मंत्री आकांक्षा राजपूत ने बताया कि कई बार जिला स्तरीय अधिकारियों से मिलकर कार्यवृत्त जारी करने का अनुरोध किया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। लगभग पांच महीने बीत जाने के बाद भी कार्यवृत्त जारी न होने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि उनकी किन मांगों का समाधान हुआ और किनका नहीं। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि शासन के निर्देशों के बावजूद नियमित रूप से बैठकें आयोजित नहीं कराई जा रही हैं, जिससे कर्मचारियों की समस्याएं लगातार लंबित पड़ी हैं। इसी के विरोध में लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर धरना शुरू किया है। धरना प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे और उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी के नेतृत्व में आज रोजा इफ्तार, सौहार्द और भाईचारे का होगा संदेश

- पूर्व राज्यसभा सांसद वीरपाल सिंह यादव समेत कई वरिष्ठ नेता रहेंगे मौजूद
- सपा कैम्प कार्यालय में शाम को जुटेंगे नेता व कार्यकर्ता

जन एक्सप्रेस । मुकेश कुमार

पीलीभीत। पवित्र रमजान माह के अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी के नेतृत्व में आज शहर के सपा कैम्प कार्यालय में रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रोजा अफ्तार के समय शाम 6:23 बजे होने वाले इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल होकर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश देंगे। इफ्तार कार्यक्रम को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन स्थल पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व राज्यसभा सांसद वीरपाल सिंह यादव, पूर्व सदस्य विधान परिषद अमित यादव 'रिंकू भैया' तथा समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की गरिमामयी उपस्थिति रहने की संभावना है। इसके अलावा जिले भर से सपा के नेता और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचेंगे। बताया जाता है कि सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी हर वर्ष रमजान के पवित्र महीने में रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा का हिस्सा ही नहीं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता को मजबूत करने का माध्यम भी बनता है। नफीस अहमद अंसारी अपने सामाजिक व्यवहार और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। वे हमेशा विभिन्न सामाजिक और धार्मिक अवसरों पर लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास करते हैं। चाहे रमजान का महीना हो या फिर होली, दीपावली जैसे अन्य त्योहार, वे सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर चलने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की पहल करते रहे हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी रोजा इफ्तार कार्यक्रम को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। सपा नेताओं का मानना है कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे की भावना मजबूत होती है, जो सामाजिक एकता के लिए बेहद जरूरी है। जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रमजान का पवित्र महीना इंसानियत, दया और सहयोग का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम, सम्मान और सौहार्द की भावना और मजबूत होती है, जो एक स्वस्थ और बेहतर समाज के निर्माण के लिए बेहद जरूरी होता हैं।

प्राचीन लंगड़े बाबा आश्रम के जीर्णोद्धार को लेकर महंत का सातवें दिन भी अनशन जारी

- सड़क, पुलिया और मंदिर मरम्मत की मांग; चेतावनी—जनप्रतिनिधि न पहुंचे तो नवरात्र के पहले दिन लेंगे समाधि

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के गांव मझिगवां स्थित प्राचीन श्री सिद्ध लंगड़े बाबा आश्रम परिसर में बने मंदिर के जीर्णोद्धार और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर महंत सत्यगिरि पिछले सात दिनों से अनशन पर बैठे हैं। मंदिर की जर्जर स्थिति और आश्रम तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क न होने को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। शनिवार को अनशन के सातवें दिन तहसील प्रशासन के अधिकारी आश्रम पहुंचे और महंत को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के बाद महंत ने अनशन समाप्त करने की सहमति दी है, जबकि महंत सत्यगिरि ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक अनशन जारी रहेगा। सैकड़ों वर्ष पुराना है देवस्थल बिलसंडा नगर के समीप स्थित श्री लंगड़े बाबा देवस्थल क्षेत्र का प्राचीन और आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले यहां बड़े स्तर पर मेला लगता था और आसपास के गांवों के लोग बच्चों के मुंडन संस्कार सहित कई धार्मिक अनुष्ठान यहां कराते थे। महंत सत्यगिरि वर्तमान में आश्रम में रहकर मंदिर और परिसर की देखरेख कर रहे हैं। उनका कहना है कि समय के साथ मंदिर की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है, लेकिन इसके संरक्षण और विकास की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा। महंत का कहना है कि आश्रम तक पहुंचने के लिए अब भी कच्चा रास्ता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नहर पर पुलिया का निर्माण भी नहीं कराया गया है।इन समस्याओं को लेकर उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार, आश्रम तक पक्की सड़क, नहर पर पुलिया निर्माण और मॉडल शौचालय बनवाने की मांग प्रशासन के सामने रखी है।

महंत बोले—मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा अनशन

हालांकि महंत सत्यगिरि अधिकारियों के आश्वासन से संतुष्ट नजर नहीं आए। उन्होंने साफ कहा कि जब तक मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए धनराशि स्वीकृत नहीं होती और कोई जनप्रतिनिधि स्वयं आश्रम आकर ठोस आश्वासन नहीं देता, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। महंत ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह नवरात्र के पहले दिन समाधि लेने का निर्णय भी ले सकते हैं। इस घोषणा के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और स्थानीय लोग भी मंदिर के विकास की मांग कर रहे हैं।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन

अनशन की सूचना मिलने पर शनिवार को तहसीलदार हबीब अंसारी, बीडीओ अमित शुक्ला, एसओ सिद्धांत शर्मा और लेखपाल विवेक दीक्षित आश्रम पहुंचे और महंत से बातचीत की। अधिकारियों ने उनकी मांगों को शासन स्तर पर भेजने का आश्वासन दिया। तहसीलदार हबीब अंसारी ने बताया कि महंत की मांगों को गंभीरता से सुना गया है और संबंधित विभागों को प्रस्ताव भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों और किल्लत के विरोध में आप का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

- महंगाई और ऊर्जा संकट को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल, छोटे कारोबारियों पर बढ़ते आर्थिक दबाव का जताया विरोध

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

एलपीजी गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ आवाज उठाते हुए महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। यह विरोध कार्यक्रम पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर आयोजित किया गया। जिले में प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी के जिला महासचिव एडवोकेट संजय कुमार ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की समस्या से आम जनता के साथ-साथ छोटे व्यवसायी भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

महंगाई से परेशान है आम आदमी

पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में हाल में हुई लगभग 60 रुपये की वृद्धि और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में करीब 120 रुपये की बढ़ोतरी ने आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आप नेताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर की कमी के कारण कई जगह लोगों को लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है, जिनके लिए रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

बढ़ती महंगाई पर जताई चिंता

अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम सिंह सोनकर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी नीतियों का असर सीधे देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ता है। यदि समय रहते महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो छोटे उद्योग और रोजगार दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

सरकार से की ये मांग

पार्टी नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मांग की कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की हालिया मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट और पारदर्शी नीति लागू की जाए तथा गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को रसोई गैस पर विशेष सब्सिडी दी जाए।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव एड. संजय कुमार ने कहा कि यदि केंद्र सरकार ने महंगाई और गैस की कीमतों के मुद्दे पर जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो पार्टी जनहित में व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान कार्यक्रम में एड. ओपी शास्त्री, रिंकू दिवाकर, मनोज भारती, श्रीपाल, रामनरेश सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छोटे कारोबारियों पर भी पड़ा असर

पंचायत प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार भारती ने कहा कि गैस की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की कमी का असर होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड से जुड़े लाखों छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। कई स्थानों पर छोटे कारोबारियों को अपना व्यवसाय चलाना मुश्किल हो गया है और कुछ जगहों से व्यवसाय बंद होने की खबरें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों के बावजूद सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए जिससे आम जनता पर बोझ न पड़े।

हाथ लगाते ही उखड़ने लगी नई सड़क

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

तहसील क्षेत्र में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। शेरपुर-मकरंदपुर-चंदुया मार्ग पर हाल ही में बनाई जा रही सड़क की ऊपरी परत हाथ लगाते ही उखड़ने लगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि शेरपुर मकरंदपुर से चंदुया कॉलोनी तक लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़क निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है। लोगों का कहना है कि सड़क की परत इतनी कमजोर है कि हाथ से खींचते ही पापड़ की तरह उखड़ रही है।ग्रामीणों ने मौके पर सड़क की ऊपरी परत को हाथ से उखाड़कर दिखाया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।लोगों ने सड़क निर्माण कराने वाले ठेकेदार और संबंधित विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। उनका कहना है कि यदि पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। ग्रामीणों के विरोध के बाद फिलहाल सड़क निर्माण का काम रोक दिया गया है।

डीवी कॉलेज उरई पर एम.एड. छात्र को डिग्री न देने का गंभीर आरोप, छह साल से छात्र परेशान

जन एक्सप्रेस । उरई (जालौन)

डिग्री न देने का मामले में आयोग ने विश्वविद्यालय को जारी किया नोटिस

उरई। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी को नोटिस जारी कर जालौन के दयानंद वैदिक कॉलेज में अनुसूचित जाति के एक छात्र के साथ कथित जातिगत भेदभाव और आर्थिक प्रताड़ना का संज्ञान लिया है। आयोग के समक्ष दर्ज शिकायत के अनुसार, एम.एड. के छात्र विनोद कुमार को पिछले छह वर्षों से उनकी डिग्री निर्गत नहीं की गई है। आरोप है कि इस दौरान उन्हें आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया और जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा। आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए कुलसचिव को 15 दिनों के भीतर मामले में की गई कार्रवाई से अवगत कराने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में जवाब न मिलने पर आयोग संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीधे समन जारी कर सकता है।

स्थानीय दयानन्द वैदिक कॉलेज, जो बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी से सम्बद्ध है, पर एक अनुसूचित जाति के छात्र के साथ अन्याय और लापरवाही बरतने का गंभीर मामला सामने आया है। कॉलेज के एम.एड. विभाग पर आरोप है कि उसने एक छात्र को उसकी पढ़ाई पूरी करने के छह साल बाद भी डिग्री नहीं दी है, साथ ही उसके साथ जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न भी किया गया।

छात्र विनोद कुमार, पुत्र नरेन्द्र कुमार, निवासी ग्राम ऐदलपुर, जनपद जालौन ने बताया कि उनका दाखिला सत्र 2017-19 में एम.एड. पाठ्यक्रम में हुआ था। अनुसूचित जाति के छात्र होने के कारण उनका चयन सरकार द्वारा निर्धारित शून्य शुल्क कोटे के तहत हुआ था। उनका आरोप है कि जब पहले वर्ष में तो कॉलेज ने कोई फीस नहीं ली, लेकिन दूसरे वर्ष में उन्हें पूरी फीस जमा करने के लिए बाध्य किया गया। आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण जब विनोद पर फीस जमा करने का दबाव बढ़ा, तो उन्होंने इसकी शिकायत माननीय कुलाधिपति और जिलाधिकारी से की। यह मामला स्थानीय अखबारों में भी छपा। इससे नाराज होकर, तत्कालीन विभागाध्यक्ष एम.एड. डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव और क्लर्क रामजी समाधिया ने विनोद को धमकी दी कि यदि उन्होंने सुलहनामा नहीं लिखा तो उनका भविष्य खराब कर दिया जाएगा। विवश होकर विनोद ने उस समय सुलहनामा लिख दिया था। इतना ही नहीं, विनोद का आरोप है कि दूसरे वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा में विभागाध्यक्ष ने जातिगत भेदभाव करते हुए उन्हें जानबूझकर केवल पासिंग मार्क्स दिए। जबकि लिखित परीक्षा में उनसे कम अंक पाने वाले अन्य छात्रों को प्रायोगिक परीक्षा में उनसे अधिक अंक दिए गए। उन्होंने इसकी जाँच के लिए सभी छात्रों की मार्कशीट देखे जाने की माँग की है। सबसे बड़ी समस्या डिग्री को लेकर है। विनोद ने बताया कि वह पिछले 6 साल से डिग्री पाने के लिए कॉलेज के चक्कर लगा रहे हैं। बहुत मिन्नतों के बाद उन्हें मार्कशीट तो दे दी गई, लेकिन डिग्री आज तक नहीं दी गई। जब भी वह कॉलेज जाते हैं, कर्मचारियों द्वारा उन्हें ष्डिग्री अभी नहीं आई है, घर आ जाएगी या कल आनाष्जैसे बहानों से टाल दिया जाता है। परेशान होकर जब विनोद ने क्लर्क रामजी समाधिया से फोन और व्हाट्सएप पर संपर्क किया तो भी कोई हल नहीं निकला। विनोद का कहना है कि उनकी पूरी फीस भी जमा हो चुकी है। इसके बाबजूद 6 साल बाद उनसे फीस की रसीद मांगी गई, जो उन्होंने उपलब्ध भी करा दी, लेकिन डिग्री जारी नहीं की गई। अंततः विनोद कुमार ने अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग, नई दिल्ली से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने आयोग से अनुरोध किया है कि उनकी डिग्री शीघ्र दिलाई जाए तथा कॉलेज प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, जिससे उन्हें छह वर्षों के इस लंबे संघर्ष से मुक्ति मिल सके।

आग से पत्नी को बचाने के प्रयास में झुलसे सेना के जवान की भी मौत

रामपुरा (जालौन)। पत्नी को आग की लपटों से बचाने के प्रयास में गंभीर रूप से झुलसे भारतीय सेना के जवान की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार को जब जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ऊमरी नगर पहुंचा तो पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम यात्रा में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए और हर आंख नम नजर आई। सेना के जवानों और पुलिस अधिकारियों ने पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम सलामी देकर श्रद्धांजलि अर्पित की।प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुरा थाना क्षेत्र के ऊमरी नगर निवासी भारतीय थल सेना के जवान बृजेंद्र सिंह जोधावत पुत्र नवाब सिंह जोधावत कुछ दिन पहले ही अवकाश पर अपने घर आए हुए थे। 4 मार्च 2026 की रात करीब 8.30 बजे उनकी पत्नी संगम देवी घर में गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं। उसी दौरान अचानक उनके कपड़ों में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। आग लगने पर संगम देवी की चीख-पुकार सुनकर घर में मौजूद बृजेंद्र सिंह तुरंत दौड़कर पहुंचे। पत्नी को आग की लपटों में घिरा देख उन्होंने बिना अपनी जान की परवाह किए उन्हें बचाने का प्रयास किया।

पुलिस भर्ती परीक्षा में प्रथम दिवस 1450 अभ्यर्थी परीक्षा से रहे अनुपस्थित

जन एक्सप्रेस । उरई (जालौन)

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा का प्रथम दिवस जनपद में शांतिपूर्ण, नकल विहीन एवं सुव्यवस्थित ढंग से सकुशल संपन्न हुआ। परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने प्रथम एवं द्वितीय पाली में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। प्रथम दिवस प्रथम पाली में 2400 के सापेक्ष 1677 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 723 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 2400 के सापेक्ष 1673 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया तथा 727 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, सर्वोदय इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, डीएवी कॉलेज, गांधी इंटर कॉलेज, दयानंद वैदिक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज तथा सनातन धर्म इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा कक्षों, प्रवेश द्वारों तथा कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं को देखा गया और सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने केंद्रों पर स्थापित कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की तथा निर्देश दिए कि परीक्षा कक्षों एवं परिसर की गतिविधियों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क एवं प्रभावी रखी जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके। प्रथम दिवस प्रथम पाली में 2400 के सापेक्ष 1677 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 723 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 2400 के सापेक्ष 1673 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया तथा 727 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित यह परीक्षा 14 एवं 15 मार्च 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को नकल विहीन, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ कार्य किया जाए।

गृह कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस । हरपालपुर

वायजपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खालेपुरवा मजरा बरसोहिया गांव में शुक्रवार की देर रात एक 32 वर्षीय युवक ने गृह कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार,राजीव 32 पुत्र जयराम के रूप में हुई है, जो फेरी लगाकर परिवार पालता था। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात राजीव एक तिलक समारोह से शराब पीकर घर लौटा था। घर पहुँचने पर मोबाइल चार्जिंग और शराब पीने को लेकर पत्नी रूबी और भाभी से उसका विवाद हो गया। नशे की हालत में उसने घर का बिजली बोर्ड भी उखाड़ दिया और पत्नी से झगड़ा किया। विवाद के बाद राजीव ने गुस्से में खुद को कमरे में बंद कर लिया और दुपट्टे के सहारे छत के कुंडे से लटक गया। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और आनन-फानन में सीएचसी हरपालपुर ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों की मुहिम तेज, 3000 पोस्टकार्ड और 15000 ई-मेल भेजे : आलोक मिश्रा

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के तत्वावधान में टेट अनिवार्यता के विरोध में चलाए जा रहे अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत शिक्षक की पाती कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह जानकारी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 9 मार्च से 14 मार्च तक चलाया गया, जिसमें अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले देश की राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय, प्रधानमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष को लगभग 3000 पोस्टकार्ड और करीब 15000 ई-मेल भेजे गए।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में 13अप्रैल को विशाल मशाल जुलूस का आयोजन किया जाएगा जो शहर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ जाएगा जिसमें जनपद के हजारों शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

अटेवा के जिला अध्यक्ष जैनुल खान ने बताया कि आरटीई एक्ट 2009 के तहत 23 अगस्त 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों ने उस समय एनसीटीई की सभी निर्धारित योग्यताएं पुरी की थी।20-25 साल की सेवा के बाद उन्हें अपने बच्चों की उम्र में अभ्यर्थियों के साथ परीक्षा देने के लिए बाधित करना तर्कसंगत नहीं है।

सहयोगी संगठन के रूप में अटेवा, टीएससीटी, बेसिक शिक्षक वेलफेयर वेलफेयर एसोसिएशन आदि शामिल है। आज प्रेस वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री एमपी सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनुराग पाण्डेय, जिला संयुक्त मंत्री आशीष दीक्षित, ब्लॉक अध्यक्ष बावन अभिषेक गुप्ता, टी एस सी टी के शरीफुद्दीन व अन्य सहयोगी संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंडल प्रशिक्षण शिविरों को कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन के गुर बताये

जन एक्सप्रेस । उरई (जालौन)

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने जनपद के 19 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है इसी क्रम में माधौगढ़ व ईंटों मंडल के प्रशिक्षण का आज समापन हो गया एवं कोंच नगर का प्रशिक्षण सत्र आज प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण वर्ग को 7 सत्रों के माध्यम से मंडल में निवास करने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें सरकार की उपलब्धियां वैचारिक अधिष्ठान इतिहास विकास कार्य पद्धति बूथ प्रबंधन कार्य विस्तार सोशल मीडिया जैसे विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया वर्ग में सभी कार्यकर्ताओं को 24 घंटे रुक कर प्रशिक्षण दिया गया है। ईंटों मंडल में भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम सत्र को बूथ प्रबंधन विषय के बारे में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। द्वितीय सत्र में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल यादव ने कार्य पद्धति पर प्रकाश डाला। माधौगढ़ मंडल में विधायक मूलचंद निरंजन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शतक फिल्म पदाधिकारी के साथ ईंटों मंडल में देखी पार्टी का उद्देश्य भारत का पुनर्निर्माण समाज का जन जागरण कर इसे सशक्त समृद्ध एवं एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है।

हरदोई में महिला का हत्यारा जेठ पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई के कछौना थाना क्षेत्र में छोटे भाई की पत्नी की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी जेठ को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी ने टीम पर फायरिंग कर दी,जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं।घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक प्रतापपुर मजरा टिकारी गांव निवासी राजकुमार का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था।इसी विवाद के दौरान उसके छोटे भाई की पत्नी मंजू (25) ने बीच-बचाव किया था।बताया गया कि 13 मार्च की शाम मंजू घर में खाना बना रही थी,तभी गुस्से में पहुंचे राजकुमार ने तमंचे से उस पर फायर कर दिया। गोली मंजू की पीठ में लग गई,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।परिजन उसे तुरंत सीएचसी कछौना लेकर पहुंचे,जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतका के पति रामसेवक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजकुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया।

घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई थीं।देर रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सुठेहना फाटक की ओर से लखनऊ भागने की फिराक में है।पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके बाएं पैर में लग गई,जिसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद करते हुए आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इसूज़ु मोटर्स इंडिया ने आगरा में नए ऑथोराइज़्ड सर्विस सेंटर के साथ किया अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार

आगरा। इसूज़ु मोटर्स इंडिया ने आज आगरा में नए ऑथोराइज़्ड सर्विस सेंटर (एएससी) के उद्घाटन के साथ उत्तर प्रदेश में अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार किया है। यह नया सर्विस सेंटर 645, एनएच-19, सिनर्जी हॉस्पिटल के सामने, सिकंदरा, आगरा, उत्तर प्रदेश- 282007 पर स्थित है, जिसका संचालन हेरिटेज ऑटोपार्क द्वारा किया जाएगा।

सर्विस सेंटर को आगरा एवं आस-पास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को भरोसेमंद एवं प्रभावी सर्विस सपोर्ट प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उद्घाटन समारोह में इसूज़ु मोटर्स इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी तथा हेरिटेज ऑटोपार्क के प्रतिनिधी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान एक उपभोक्ता को इसूज़ु एस-कैब व्हीकल भी सौंपा गया। नया ऑथोराइज़्ड सर्विस सेंटर 6,000 वर्गफीट क्षेत्रफल में फैला है, यहां तीन सर्विस बे है, जहां प्रशिक्षित टेकनिशियन इसूज़ु वाहनों के मालिकों को उच्च गुणवत्ता की रखरखाव एवं मरम्मत सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इस युनिट का उद्देश्य प्रभावी सर्विस संचालन एवं उपभोक्ता उन्मुख सहयोग के माध्यम से वाहन की खरीद का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करना है।

बिलग्राम पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा ,महिलाओ सहित चार आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

बिलग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो पुरुष और दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार ग्राम गनीपुर निवासी चन्द्रमोहन मिश्रा ने 12 मार्च 2026 को थाना बिलग्राम में तहरीर देकर बताया था कि उनके घर से अज्ञात चोरों द्वारा सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और जरूरी कागजात चोरी कर लिए गए हैं। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा संख्या 122/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305() में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान मामले में धारा 317(2) की भी बढ़ोत्तरी की गई।जांच के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम गनीपुर के रहने वाले अनमोल पुत्र गुड्डू, छोटे पुत्र बाबूराम, बबली पत्नी राजू और राखी पत्नी कन्हैयालाल को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात पीली धातु के आभूषण, आठ सफेद धातु के आभूषण, दो डाकघर के पासबुक कार्ड और आधार कार्ड बरामद किए हैं।इस कार्रवाई में अतिरिक्त निरीक्षक हाकिम सिंह, उपनिरीक्षक विकास चौधरी, सत्यदेव सिंह, अजय तोमर, कांस्टेबल आकाश मौर्य, रिजवान, अभिषेक तोमर तथा महिला कांस्टेबल शक्ति चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है।

स्मार्ट मॉर्निंग न्यूट्रिशन की शक्ति से अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं

आगरा। मौसम बदलने के समय मौसमी वायरल संक्रमण अक्सर बढ़ जाते हैं, इसलिए अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाना बहुत जरूरी हो जाता है। सर्दी, फ्लू और अन्य सांस से जुड़ी बीमारियां ऐसे मौसम में तेजी से फैलती हैं। इसलिए दिन की शुरुआत से ही शरीर को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देना फायदेमंद होता है। एक संतुलित सुबह की दिनचर्या आपकी इम्यूनिटी को सही तरह से काम करने के लिए जरूरी आधार देती है। सुबह के भोजन में बादाम, अंडे, खट्टे फल, फर्मेंटेड फूड्स और साबुत अनाज जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने से शरीर को ऊर्जा और जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व मिलते हैं। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और शरीर में सूजन कम करने में मदद करते हैं। यहां सुबह के भोजन में शामिल करने के लिए चार आसान विकल्प दिए गए हैं। बादाम- बादाम 15 पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनमें विटामिन श्व, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक शामिल हैं। ये पोषक तत्व शरीर में एंटीऑक्सिडेंट गतिविधि को बढ़ाते हैं और इम्यून कोशिकाओं को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करते हैं।

एसडीएम की अध्यक्षता में थाना दिवस संपन्न

जन एक्सप्रेस । शाहाबाद

शाहाबाद कोतवाली में शनिवार को सुबह 10ः00 बजे से दोपहर 2ः00 तक संपूर्ण थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता एसडीएम अंकित तिवारी ने की। इस मौके पर पुलिस और राजस्व से संबंधित सात शिकायतें आई। जिनमें से एक शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। बची हुई शिकायतों को निस्तारित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। इस मौके पर एसडीएम अंकित तिवारी ने कहा थाना दिवस में आने वाली सभी शिकायतों का संबंधित उपनिरीक्षक और बीट प्रभारी मौके पर जाकर निस्तारण करें और सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करें। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय सहित समस्त उप निरीक्षक और बीट प्रभारी मौजूद रहे।

36 करोड़ की लागत से होगा उरई-चुर्खी मार्ग का चैड़ीकरण

- 15 करोड़ होंगे बिजली पानी की व्यवस्था पर खर्च 20 करोड़ से बनेगी सड़क
- सदर विधायक व कालपी विधायल ने संयुक्त रूप से किया भूमि पूजन

जन एक्सप्रेस । उरई (जालौन)

जनपद जालौन को सीधे कानपुर देहात से जोड़ने वाली प्रमुख उरई-चुर्खी संपर्क मार्ग के चैड़ीकरण को लेकर समय-समय पर क्षेत्रीय जनता आवाज बुलंद करती रही। लेकिन अब उक्त सड़क के चैड़ीकरण के लिये शासन द्वारा 35 करोड़ का बजट स्वीकृत किया तो शनिवार को उक्त सड़क का भूमि पूजन सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा व कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने किया। इसी के साथ अब सड़क चैड़ीकरण का कार्य शुरू होगा जिससे उक्त मार्ग से आवागमन सुगम होगा जिसका लाभ लंबे समय तक क्षेत्रीय जनता को मिलेगा।

गौरतलब हो कि जब से न्यामतपुर के आगे यमुना नदी पर पुल का निर्माण पूरा हुआ था तभी से उरई-चुर्खी मार्ग पर वाहनों की संख्या में इजाफा हो गया था। चूंकि यह संपर्क मार्ग जनपद-जालौन को सीधे कानपुर देहात से जोड़ता है। इसके बाद से ही उरई-चुर्खी मार्ग के चैड़ीकरण कराने की आवाज उठती रही थी। आज उक्त सड़क चैड़ीकरण का सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा व कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन किया। इसी के साथ क्षेत्र की जनता को वर्षो का इंतजार था वह मांग पूरी हो गयी। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद क्षेत्रीय लोगों ने स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि औंता गांव से कारे बाबा देव स्थान तक की रोड का भी बहुत जल्द ही भूमि पूजन किया जायेगा। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी का कहना था कि उरई से चुर्खी मार्ग चैड़ीकरण का कार्य पूरा होने के बाद चुर्खी से यमुना सेतु तक की सड़क का भी चैड़ीकरण कार्य जल्द ही कराया जायेगा। इस दौरान पी डब्लू डी सीडी 3 के सहायक अभियंता अंचल वर्मा, जेई राजकुमार, जेई अतुल पाल, भाजपा नेता दिवाकर शास्त्री, चंद्रपाल रूरा, नरेन्द्र प्रधान श्रीकांत पाल, राजेंद्र पाल, तेजसिंह पाल, बंटे औंता, ओमप्रकाश मिश्रा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

एसडीएम की गैस गोदाम पर छापेमारी से मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस । शाहाबाद

घरेलू गैस की किल्लत से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को देखते हुए एसडीएम अंकित तिवारी ने शनिवार को पाली रोड स्थित इंडियन गैस के गोदाम पर रोचक छापेमारी की। और स्टॉक तथा रजिस्टर खंगाला। इस मौके पर एसडीएम ने घरेलू गैस की कमी न होने देने का भरोसा दिया है। एसडीएम अंकित तिवारी ने शनिवार को पाली रोड स्थित इण्डेन गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। एसडीएम अंकित तिवारी ने उपस्थित गैस उपभोक्ताओं से कहा कि घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। अफवाहों में आकर अनावश्यक घरेलू गैस का स्टॉक न लगाएं जरूरत पर ही अपना सिलेंडर रिफिल करवायें। शाहाबाद में पर्याप्त घरेलू गैस उपलब्ध है। सभी लोग बुकिंग कर घर पर ही गैस प्राप्त करें। उन्होंने गैस एजेंसी के संचालक को सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को चेतावनी दी है किसी प्रकार की शिकायत आने पर अगर दोषी पाए गए तो उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

तीसरी आंख के पहरे व कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हुई उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा

डीएम व एसपी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर लेते रहे सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शनिवार को आयोजित उपनिरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा-2025 सुरक्षा के कड़े इंतजाम व तीसरी आंख की निगरानी में सकुशल सम्पन्न हो गई। दो पालियों में आयोजित लिखित परीक्षा को लेकर सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी कतारबद्ध तरीके से तलाशी देने के बाद अंदर दाखिल हुए। जिले में परीक्षा के मद्देनजर की गई सुरक्षा व्यवस्था को एडीजी जोन प्रयागराज ज्योति नारायन ने जिले में पहुंचकर परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करके बारीकी से परखा और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश भी दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र पे पुलिस के जवान मुस्तैद हैं अराजक तत्वों की बात तो दूर यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। वहीं सुबह से ही डीएम शिव सहाय अवस्थी एवं एसपी दीपक भूकर ने जिले में भ्रमणशील रहकर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डीएम एसपी द्वारा परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा चेकिंग, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था तथा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की तैनाती व सतर्कता का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। साथ ही परीक्षा केंद्र पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराई जा सके। डीएम और एसपी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अनुचित गतिविधि, नकल अथवा कानून-व्यवस्था से संबंधित समस्या उत्पन्न न होने पाए, इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्क रहते हुए निरंतर निगरानी बनाये रखें। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जिले भर में उनके अधीनस्थ अधिकारी भी अपने अपने क्षेत्रों में परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। इसके साथ ही कंट्रोल रूम बनाकर परीक्षा केंद्रों की तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरे से भी लगातार निगरानी की जाती रही। कंट्रोल रूम में तैनात टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। कुल मिलाकर जिला प्रशासन व पुलिस परीक्षा को निष्पक्ष व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने को लेकर पूरी तरह अलर्ट रही। जिससे शनिवार को आयोजित दोनों पालियों में उपनिरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा कुशलतापूर्वक सम्पन्न हो गई।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले की नवाबगंज थाने की पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय व सीओ कुण्डा अमरनाथ गुप्ता के कुशल पर्वेक्षण में थाना प्रभारी नवाबगंज संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआई विनय वर्मा चौकी प्रभारी लवाना व उनकी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना इलाके के सिन्दुराईपुर गांव में पुल के पास से अभियुक्त दिव्यांशु पटेल पुत्र कमलेश पटेल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा व एक जिन्दा कारतूस के साथ ही मोटरसाइकिल बरामद किया। अवैध तमंचे व कारतूस की बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ पुलिस द्वारा थाना नवाबगंज पर आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही बरामद मोटर साइकिल को एमवी एक्ट में सीज किया गया।

दहेज हत्या के आरोप में पति व ससुर गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या के दो आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया है।
बता दें कि सांगीपुर थाना इलाके के भवानीगढ़ शाहबरी गांव निवासी प्रदीप पाण्डेय की पुत्री का शादी 13 मई 2021 को नगर कोतवाली थाना इलाके के शुकुलपुर दहिलामऊ निवासी मनोज मिश्रा के बेटे शोभित मिश्र के साथ हुई थी। मृतका के पिता ने शुक्रवार देर शाम थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि विवाह के बाद पति, सास-ससुर व ननदों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसकी पुत्री को प्रताड़ित किया जाता था। बीते शुक्रवार को सूचना प्राप्त हुई कि उसकी पुत्री ने फांसी लगा ली है। मृतका के पिता का आरोप है कि ससुरालियों द्वारा उसकी पुत्री की हत्या कर आत्महत्या का रूप दिया गया है। जिसके बाद तहरीर के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पूर्वी शैलेन्द्र लाल व सीओ सिटी शिवनारायण वैस के कुशल पर्वेक्षण में नगर कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आरोपी मनोज मिश्रा एवं शोभित कुमार मिश्रा को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।
सीओ सिटी शिवनारायण ने बताया कि सांगीपुर थाना इलाके के रहने वाले प्रदीप पाण्डेय ने शुक्रवार को बताया कि उनकी पुत्री को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। जिसके कारण उनकी पुत्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका के पिता की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों में से पति व ससुर को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस-एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में युवक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । ठूठीबारी/महराजगंज

ठूठीबारी में तैनात 22वी वाहिनी एसएसबी और कोतवाली पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अवैध नशीली दवाओं और तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते की है। टीम ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के बार्डर के पिलर संख्या 506 के समीप से नशीली दवाओं के साथ एक कैरियर को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपित शख्स के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। एसएसबी और पुलिस की संयुक्त टीम ने राजाबारी झरही बंधे के पास संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक सवार युवक को रोककर तलाशी ली गई, तो उसके बाइक की डिग्गी में रखे झोले से 1272 टैबलेट प्रॉक्सीवान स्पास तथा बुप्रेनॉरफिन, प्रोमेथेजॉइन और डाइजापाम के कुल 138 एम्पुल इंजेक्शन बरामद हुए। बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं मिलने पर टीम ने युवक को तत्काल हिरासत में ले लिया।
पूछताछ में पकड़े गए युवक की पहचान मनीष कसौधन (20) पुत्र संतोष कसौधन निवासी सुनवल, थाना सिंदुरिया, जनपद महराजगंज के रूप में हुई। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22/23/29 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के लिए चालान कर दिया है। इस कार्रवाई के दौरान एसएसबी की सहायक कमांडेंट प्रिया यादव, एसआई अजीत तालूदार, रामधनेश यादव, तरुण और अरविंद मौजूद रहे। वहीं पुलिस टीम से थानाध्यक्ष नवनीत नागर, एसएसआई बृजेश पांडेय व कांस्टेबल मृत्युंजय तिवारी भी शामिल रहे। संयुक्त टीम की इस कार्रवाई से सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

डीएम, एसपी द्वारा उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के केंद्रों का किया सघन निरीक्षण

महोबा। जिलाधिकारी ग़ज़ल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक महोबा प्रबल प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जनपद महोबा में आयोजित उप निरीक्षक (उप निरीक्षक) सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी कुंवर पंकज, अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह सहित समस्त पुलिस/प्रशासनिक अमले के साथ जनपद के विभिन्न परीक्षाकेंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा केंद्रों का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा जांच, भीड़ प्रबंधन तथा यातायात व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया गया। साथ ही ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की सतर्कता, तैनाती एवं उनके द्वारा निभाए जा रहे दायित्वों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया।

पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

महराजगंज में 12 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 4560 में से 3137 परीक्षार्थी रहे उपस्थित

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

पुलिस भर्ती परीक्षा-2026 के अंतर्गत शनिवार को जनपद में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीणा ने स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शिवजपत सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज भिटौली, एंग्लो संस्कृत इंटर कॉलेज घुघुली तथा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज पुरैना का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, कक्ष निरीक्षकों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए।
जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है, इसलिए कहीं भी किसी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।
निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया और निगरानी व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने के निर्देश दिए।
उपस्थिति के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवजपत सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज भिटौली तथा एंग्लो संस्कृत इंटर कॉलेज घुघुली केंद्रों पर 240 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 85 अनुपस्थित तथा 155 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज पुरैना परीक्षा केंद्र पर 240 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 71 अनुपस्थित तथा 169 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। जनपद के कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 4560 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 1423 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि 3137 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा अवधि के दौरान सभी केंद्रों पर सतर्कता बनाए रखते हुए शासन एवं आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सके।

तेज रफ्तार कार से साइकिल सवार की मौत, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

जन एक्सप्रेस । ठूठीबारी/महराजगंज

ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के लोहरौली गांव निवासी केदार गौंड की सड़क हादसे में मौत के बाद शनिवार को ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों ने ग्रामीणों के साथ ठूठीबारी-निचलौल मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर लेटकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।
देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष जुट गए, जिससे मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। ग्रामीणों का आरोप था कि हादसे के बाद भी आरोपी चालक के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।
स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर निचलौल एसडीएम सिद्धार्थ गुप्ता और पुलिस क्षेत्राधिकारी वसंत सिंह पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। उनके साथ ठूठीबारी थानाध्यक्ष नवनीत नागर, निचलौल थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा और चौक थानाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। खबर लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को शांत कराने के प्रयास जारी थे।
बताया जा रहा है कि 13 मार्च की शाम लोहरौली निवासी केदार गौंड साइकिल से गड़ौरा बाजार जा रहे थे। इसी दौरान गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि केदार गौंड की मौके पर ही मौत हो गई।
घटना के बाद से ही परिजनों में आक्रोश था, जो शनिवार को प्रदर्शन के रूप में सामने आया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी चालक की गिरफ्तारी नहीं होगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं पुलिस-प्रशासन स्थिति को सामान्य बनाने के लिए ग्रामीणों से लगातार वार्ता कर रहा है।

राजकीय महाविद्यालय मंगरौरा में धूमधाम से सम्पन्न हुआ वार्षिकोत्सव

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले के मंगरौरा विकासखंड अंतर्गत स्थित राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र सिंह व प्रो. विनीता तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्येन्द्र सिंह पूर्व प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर रहे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को कठिन मार्ग से न घबराने, मेहनत करने एवं लगन से अध्ययन करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने एवं मोबाइल तथा सोशल मीडिया से दूर रहने का मंत्र दिया तथा भविष्य के लिए शुभकामना प्रदान की। विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को सही दिशा में कर्म करने और असफलता एवं संघर्ष से निराश न होने की बात कही। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा विभागीय परिषद प्रतियोगिताओं एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में कान्हा की बाल लीलाओं पर झूमे श्रद्धालु, नंदभवन बना कथा पंडाल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के मंगरौरा विकासखंड के शिवपुर गांव में भागवताचार्य पं. भास्कराचार्य द्विवेदी के आवास पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्री कृष्ण की दिव्य बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया गया। कथा व्यास शिवेश शास्त्री जी महाराज ने जब प्रभु श्रीकृष्ण की माखन चोरी और यशोदा मैया के वात्सल्य का प्रसंग सुनाया, तो पूरा पंडाल ÷नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की÷ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। ?कथा के मुख्य प्रसंग में कथाव्यास शिवेश शास्त्री जी महाराज ने बताया कि भगवान कृष्ण ने मिट्टी खाकर माता यशोदा को अपने मुख में चराचर जगत के दर्शन कराए। उन्होंने कहा कि परमात्मा जब बाल रूप में आते हैं, तो वे अपनी शक्तियों को छिपाकर केवल प्रेम के वश में रहते हैं। भगवान की माखन चोरी वास्तव में भक्तों के चित्त (मन) की चोरी है। पंडाल में माखन चोरी की सुंदर झांकी निकाली गई, जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों की वर्षा की। कथा के दौरान दामोदर लीला (ऊखल बंधन) का वर्णन करते हुए व्यास जी ने बताया कि जब माता यशोदा ने कान्हा को बांधना चाहा, तो हर बार रस्सी दो उंगली छोटी रह जाती थी। ये दो उंगलियां मनुष्य का %परिश्रम% और %अहंकार रहित भक्ति% हैं। जब भक्त के प्रयास और ईश्वर की कृपा मिलती है, तभी परमात्मा को प्राप्त किया जा सकता है। ?कथा में पूतना मोक्ष और शकटासुर-तृणावर्त वध के प्रसंग भी सुनाए गए। आचार्य ने कहा कि पूतना अविद्या (अज्ञान) का प्रतीक है, जिसका अंत केवल कृष्ण रूपी ज्ञान ही कर सकता है। कथा के अंत में भगवान की आरती उतारी गई और भक्तों के बीच %माखन-मिश्री% का प्रसाद वितरित किया गया।

स्मैक व नकदी के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की नगर कोतवाली थाने की पुलिस ने स्मैक व नगदी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले में एसपी दीपक भूकर के कुशल निर्देशन में ऑपरेशन प्रहार प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है जिसके तहत आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। उसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल व सीओ सिटी शिवनारायण वैस के कुशल पर्वेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली नगर सुभाष कुमार यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी भगवा अमित सिंह व उनकी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना इलाके के रूपापुर पावर हाउस के पास से एक अभियुक्त राम मनोहर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 82 ग्राम स्मैक व बिक्री के एक हजार तीन सौ चालीस रुपये बरामद किया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि स्मैक को छोटे-छोटे पुड़िया में बांधकर चल-फिर कर बेचकर अपने परिवार का खर्च चलाता हूं और यह वही पैसा है। आज भी वह स्मैक बेचने के लिए खड़ा था कि पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। प्रतापगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं प्रसार की रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा निरंतर विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पूरे जिले को नशामुक्त करना तथा युवाओं को इस गंभीर बुराई से सुरक्षित रखना है।

अजनर के जूनियर हाई स्कूल व कन्या जूनियर हाई स्कूल में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

महोबा। अजनर के जूनियर हाई स्कूल व कन्या जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के साथ अभिभावकों व क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त शिक्षक मोहन सिंह राजपूत द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेश कुशवाहा, शिक्षिका शांति व निर्मला रैकवार सहित सभी शिक्षकों ने अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज त्रिपाठी ने किया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिनकी उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की।

विधायक व सीडीओ ने ओपन स्टेट आमंत्रण हाकी प्रतियोगिता का किया शुभारम्भ

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शुक्रवार को खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और जिला खेल कार्यालय प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ओपन स्टेट आमंत्रण हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य और मुख्य विकास अधिकारी डा. दिव्या मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा उन्हें शुभकामनाएँ देकर किया। उद्घाटन अवसर पर खेल मैदान में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सन्तोष कुमार सिंह, क्रीड़ाधिकारी पूनमलता राज, युवा कल्याण अधिकारी सुमित पाल, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह, भाजयुमो महामंत्री नीतीश श्रीवास्तव, पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अशोक पांडे (अंतू भैया), वॉलीबॉल निर्णायक राम शिरोमणि सिंह, वॉलीबॉल सचिव एवं निर्णायक विनोद यादव, अपना दल (एस) विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव परमानंद मिश्रा, एंजिल्स इंटर कॉलेज की प्रबंधिका डॉ. शाहिदा, समाजसेविका शकुंतला शुक्ला, हॉकी प्रतापगढ़ के सचिव आजम अली, गुलरेज आलम, जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार सिंह, जिला व्यायाम शिक्षिका मंजू सिंह, स्काउट शिक्षक सुशील सिंह, वरिष्ठ पत्रकार डी.पी. सिंह, कमेंटेटर गंगा पांडे, अनवर हॉकी सोसायटी के सचिव खुर्शीद अली, कांग्रेस जिलाध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ दुर्गेश दिवारी सहित जनपद के कई खेलप्रेमी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक सदर ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की। प्रतियोगिता को सफल बनाने में हॉकी उत्तर प्रदेश से आए अंपायरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनमें आशा, मनीष कुमार द्विवेदी, संदीप चौधरी, रश्मि सिंह, अमित कुमार, मनीषा और प्रिंस मौर्या शामिल हैं, जो प्रतियोगिता के मैचों का संचालन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में खेल छात्रावास अयोध्या ने गोरखपुर को 4 - 0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। दूसरे मैच में विवेक अकादमी वाराणसी ने प्रयागराज को 2 - 0 से पराजित किया। तीसरे मैच में बाराबंकी की टीम ने भदोही को 7 - 0 से हराया। चौथे मुकाबले में स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेरठ को 14 - 0 से शिकस्त दी। पांचवें मैच में अयोध्या छात्रावास ने प्रतापगढ़ को 3 - 0 से हराया। वहीं छठे मुकाबले में बाराबंकी ने बिजनौर को 6 - 1 से पराजित किया। प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता के आगामी दिनों में भी कई रोचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

बस्ती जिले का ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर दे रहा है अप्रमाणित रिपोर्ट ?

- सिग्नेचर का समय नहीं, तो क्या अल्ट्रासाउंड भी जल्दबाज़ी में?
- ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर की जांच की विश्वसनीयता और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल?
- कैली रोड, जिला अस्पताल के पास स्थित ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर की कार्यप्रणाली चर्चा में

जन एक्सप्रेस । बस्ती

बस्ती जिला अस्पताल के पास कैली रोड पर स्थित ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर।

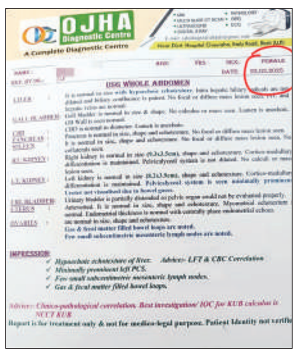

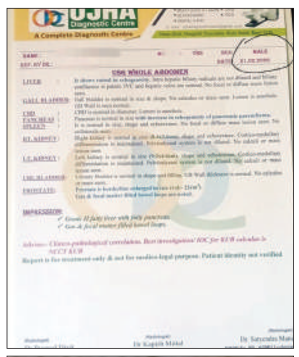

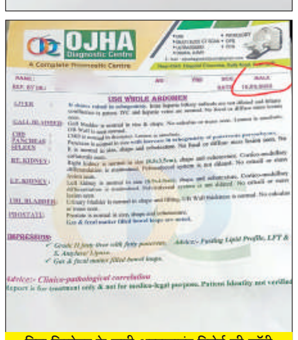

बिना सिग्नेचर के जारी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट की कॉपी

डॉ सत्येंद्र ओझा।

बस्ती जिले का ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर इन दिनों अपनी कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में है। आरोप है कि यहां किए जा रहे कुछ अल्ट्रासाउंड की रिपोर्टें बिना रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर के हस्ताक्षर के ही मरीजों को थमा दी जा रही हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि जब डॉक्टर के पास रिपोर्ट पर सिग्नेचर करने तक का समय नहीं है, तो मरीज यह कैसे भरोसा करें कि जांच पूरी सावधानी और निर्धारित चिकित्सीय मानकों के तहत की गई होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट पर डॉक्टर के हस्ताक्षर उसकी प्रमाणिकता और जिम्मेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार होते हैं। बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट जारी होना न केवल गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है बल्कि इससे मरीजों के इलाज से जुड़े निर्णयों पर भी असर पड़ सकता है। बताया जाता है कि यह सेंटर जिला अस्पताल से कैली रोड पर दाहिनी ओर स्थित अपने डायग्नोस्टिक सेंटर से अल्ट्रासाउंड जांच संचालित करता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज जांच कराने पहुंचते हैं। ऐसे में यदि रिपोर्टों पर डॉक्टर के हस्ताक्षर ही नहीं मिलते तो जांच की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों का कहना है कि जब कोई डायग्नोस्टिक सेंटर खुद को भरोसेमंद और प्रतिष्ठित बताता है, तो उससे अपेक्षा भी उतनी ही अधिक होती है। ऐसे में इस तरह की कार्यप्रणाली मरीजों के भरोसे पर सीधा आघात मानी जा रही है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जरा सी लापरवाही भी गंभीर परिणाम ला सकती है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या इस तरह की जांच प्रणाली की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट, कैसे मानी जाए प्रमाणित?

अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच में रिपोर्ट पर रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर के हस्ताक्षर उसकी प्रमाणिकता और जिम्मेदारी का आधार माने जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना सिग्नेचर की रिपोर्ट मरीज और डॉक्टर दोनों के लिए भविष्य में परेशानी का कारण बन सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि रिपोर्ट पर डॉक्टर के हस्ताक्षर ही नहीं हैं तो मरीज उस जांच को कितना भरोसेमंद मानें और उस आधार पर इलाज का निर्णय कैसे लें।

मरीजों के भरोसे से जुड़ा है जांच केंद्रों का दायित्व

डायग्नोस्टिक सेंटरों पर रोजाना बड़ी संख्या में मरीज अपनी जांच कराने पहुंचते हैं और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का इलाज तय होता है। ऐसे में जांच केंद्रों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यदि रिपोर्टों में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी न हों तो इससे मरीजों के मन में शंका पैदा होना स्वाभाविक है। स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जिम्मेदारी बनाए रखना हर जांच केंद्र की प्राथमिक जिम्मेदारी मानी जाती है।

जब सिग्नेचर का समय नहीं, तो क्या अल्ट्रासाउंड भी जल्दबाज़ी में?

अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच में डॉक्टर की जिम्मेदारी और सावधानी सबसे अहम मानी जाती है। लेकिन यदि किसी रिपोर्ट पर रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर ही नहीं हों, तो स्वाभाविक रूप से कई गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि जब डॉक्टर के पास रिपोर्ट पर सिग्नेचर करने तक का समय नहीं है, तो मरीज़ कैसे भरोसा करें कि जांच पूरी गंभीरता और तय मानकों के अनुसार की गई होगी। अल्ट्रासाउंड में छोटी-छोटी चिकित्सीय बारीकियां भी बहुत मायने रखती हैं और उसी आधार पर आगे का इलाज तय होता है। ऐसे में बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट न केवल जांच की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि मरीजों के मन में यह आशंका भी पैदा करती है कि कहीं जांच प्रक्रिया में जल्दबाजी या लापरवाही तो नहीं हुई।

'मरीज जल्दबाज़ी में रिपोर्ट ले जाते हैं' सवाल क्या सिग्नेचर करना डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं?

ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर से जुड़े मामले में जब सवाल उठे तो संस्थान की ओर से यह पक्ष भी सामने आया कि कई बार मरीज जल्दबाजी में रिपोर्ट लेकर चले जाते हैं, इसलिए रिपोर्ट पर सिग्नेचर नहीं हो पाते। लेकिन अब इसी जवाब को लेकर नए सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर मरीज जल्दबाजी में भी हो, तब भी क्या यह डॉक्टर और संस्थान की जिम्मेदारी नहीं बनती कि मरीज को पूरी तरह प्रमाणित और हस्ताक्षरित रिपोर्ट ही सौंपी जाए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट पर रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर उसकी वैधता और जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ऐसे में बिना सिग्नेचर की रिपोर्ट देना गंभीर लापरवाही माना जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह मामला एक-दो रिपोर्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जिनमें रिपोर्ट बिना हस्ताक्षर के दी गई। लोगों का कहना है कि यदि ऐसी स्थिति बार-बार सामने आ रही है तो यह केवल संयोग नहीं बल्कि व्यवस्था में कमी की ओर भी इशारा कर सकती है। यही वजह है कि अब पूरे मामले को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग तेज होती जा रही है।

सोशल मीडिया पर शुरू हुई ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर की 'इमेज बचाओ' मुहिम?

ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर को लेकर जैसे ही स्थानीय स्तर पर सवाल उठने शुरू हुए, वैसे ही सोशल मीडिया पर भी हलचल तेज होती दिखाई देने लगी। चर्चा है कि सेंटर से जुड़े या परिचित लोग अपने-अपने स्तर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संस्थान के पक्ष में पोस्ट साझा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के कई परिचितों और जानने वालों से सेंटर के समर्थन में पोस्ट करवाए जा रहे हैं, जिनमें संस्थान को भरोसेमंद बताने और उसकी छवि को सकारात्मक दिखाने की कोशिश नजर आ रही है। बताया यह भी जा रहा है कि जब ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली जाती हैं, तो उसके बाद डायग्नोस्टिक सेंटर से जुड़े डॉक्टर सत्येंद्र ओझा अपने फेसबुक अकाउंट से उन पोस्टों को हाथ जोड़ने वाली इमोजी के साथ शेयर करते हुए दिखाई देते हैं। इससे सोशल मीडिया पर सेंटर के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की चर्चा और तेज हो गई है।

जन एक्सप्रेस के सवाल! रिपोर्ट पर सिग्नेचर नहीं, जिम्मेदारी किसकी?

- जब डॉक्टर के पास रिपोर्ट पर सिग्नेचर करने तक का समय नहीं है, तो मरीज कैसे मान लें कि अल्ट्रासाउंड जांच पूरी सावधानी और पर्याप्त समय देकर की गई होगी?
- अगर अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट पर रेडियोलॉजिस्ट के सिग्नेचर ही नहीं हैं, तो मरीज उसे प्रमाणित रिपोर्ट कैसे माने?
- क्या यह डायग्नोस्टिक सेंटर और डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं कि मरीज को सिग्नेचर के साथ पूरी और वैध रिपोर्ट दी जाए?
- यदि मरीज जल्दबाजी में रिपोर्ट लेकर चले जाते हैं, तो क्या सेंटर की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है?
- जब एक नहीं बल्कि कई मामलों में रिपोर्ट बिना सिग्नेचर के सामने आ रही हैं, तो आखिर यह चूक बार-बार कैसे हो रही है?

इस संबंध में जन एक्सप्रेस ने डॉक्टर सत्येंद्र ओझा से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया। पहले उनके मोबाइल नंबर पर कॉल किया गया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद उनके व्हाट्सएप नंबर पर कॉल किया गया, जहां कॉलिंग सक्रिय दिखाई दे रही थी, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया और न ही उनकी ओर से कोई कॉल बैक आया।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पर जिलाधिकारी-पुलिस अधीक्षक की कड़ी नजर, कई केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शनिवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तिलकधारी महाविद्यालय, बीआरपी इंटर कॉलेज, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय सहित कई परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी कैमरों तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जनपद में परीक्षा के लिए कुल 19 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 14 मार्च और 15 मार्च को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए 19 क्षेत्र मजिस्ट्रेट, 19 स्थिर मजिस्ट्रेट, 19 केंद्र व्यवस्थापक तथा लगभग 700 कक्ष पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी, निगरानी कैमरों की सतत देखरेख, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थीं, जिसके परिणामस्वरूप जनपद में परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई जा रही है।

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं बेटियां, बना रही पहचान : ओमप्रकाश यादव

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

- ग्राम विकास इंटर कॉलेज में 100 छात्राओं को मिली खेल सामग्री किट

जौनपुर खुटहन ग्राम विकास इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रेल वित्त निगम के सौजन्य से विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करने वाली 100 छात्राओं को खेल सामग्री किट प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रेल भूमि विकास प्राधिकरण के प्रबंधक ओमप्रकाश यादव (आईआरएस) ने छात्राओं को ट्रैक सूट, जूते, मोजे समेत अन्य खेल सामग्री वितरित की। जिसे पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। मुख्य अतिथि श्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज का समय बेटियों के लिए अवसरों से भरा हुआ है। बेटियां शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रशासन और अन्य कई क्षेत्रों में आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। आगे कहा कि यदि लगन और मेहनत के साथ लक्ष्य तय किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है। सरकार भी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे खेल और पढ़ाई दोनों में संतुलन बनाकर आगे बढ़ें और अपने विद्यालय, परिवार तथा जिले का नाम रोशन करें। अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक डॉ. रमेश यादव तथा संचालन ईश्वरदेव यादव ने किया। प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने मुख्य अतिथि समेत सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए विद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीराम कुमार यादव,राम शिरोमणि वर्मा, डॉ सुनील कांत तिवारी, अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

जौनपुर : चोरी के दो महीने बाद भी पुलिस के हाथ खाली, पीड़ित ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

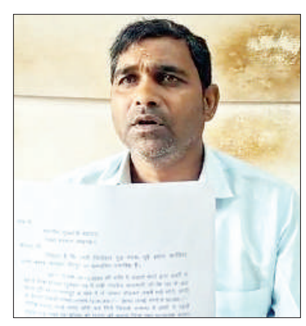

जौनपुर जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के कर्तिहां गांव में हुई एक बड़ी चोरी की घटना का खुलासा न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। घटना के दो महीने से अधिक बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं, जिससे हताश होकर पीड़ित परिवार ने अब मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक का दरवाजा खटखटाया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण

कर्तिहां गांव के पूर्व प्रधान जिलेदार के घर 24 दिसंबर की रात चोरों ने धावा बोला था। चोरों ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर कीमती सामानों से भरी अलमारी पार कर दी थी। अगली सुबह घर से कुछ दूरी पर अरहर के खेत में टूटी हुई अलमारी मिलने के बाद परिवार को चोरी का पता चला।

पुलिस की भूमिका पर गंभीर आरोप पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस इस मामले में टालमटोल कर रही है। शिकायती पत्र में निम्नलिखित मुख्य बिंदु उठाए गए हैं: तहरीर बदलने का दबाव: पीड़ित का दावा है कि चोरी गया सामान लगभग 12 लाख रुपये का था। आरोप है कि पुलिस ने मूल तहरीर को बदलवाकर मुकदमा दर्ज किया, जिसमें माल की कीमत का जिक्र तक नहीं किया गया।

> पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस की इस कार्यप्रणाली से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। हमने 12 लाख की चोरी की रिपोर्ट दी थी, लेकिन पुलिस ने खेल कर दिया। अब मुख्यमंत्री जी से ही न्याय की उम्मीद है।
> -पीड़ित परिवार

जांच की धीमी रफ्तार: घटना के अगले दिन मुकदमा तो दर्ज हुआ और संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ भी हुई, लेकिन कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा।

लापरवाही का आरोप: पीड़ित का कहना है कि पुलिस केवल औपचारिकता पूरी कर रही है, जिससे न्याय की उम्मीद धूमिल होती जा रही है।

पीड़ित की मांग: न्याय न मिलता देख पूर्व प्रधान ने मुख्यमंत्री और डीजीपी को पत्र भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच और चोरी गए माल की बरामदगी की मांग की है।

सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को लेकर सख्ती : डीआईजी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, नकल विहीन परीक्षा के दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक भर्ती-2025 की परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शनिवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र वैभव कृष्ण ने जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के साथ जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश और निकास द्वारों की व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की तैयारियों तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का बारीकी से जायजा लिया। इसके साथ ही अभ्यर्थियों की चेकिंग प्रक्रिया और परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी केंद्रों पर सतर्कता के साथ निगरानी रखी जाए। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों से कहा कि अभ्यर्थियों की जांच पूरी सतर्कता से की जाए और परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। उक्त अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता एवं संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहें

सरकारी स्कूल में शिक्षा की जगह छात्राओं के हाथों में थमाई झाड़ू, वीडियो वायरल

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर विकासखंड केराकत के ग्राम सभा बरई छावीर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक सरकारी विद्यालय में मासूम छात्राओं से स्कूल परिसर की सफाई कराई जा रही है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि स्कूल यूनिफॉर्म पहनी छोटी छात्राएं अपने हाथों में लंबी झाड़ू लेकर स्कूल के बरामदे और आंगन में झाड़ू लगा रही हैं। पास ही में कूड़े का एक बड़ा डिब्बा रखा हुआ है और चारों तरफ गंदगी फैली हुई है। वीडियो में साफ़ दिखाई दे रहा है कि: बच्चियां भारी झाड़ू से सफाई करने की कोशिश कर रही हैं। स्कूल के कुछ कर्मचारी या ग्रामीण वहीं खड़े होकर यह सब देख रहे हैं, लेकिन किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की। एक व्यक्ति वीडियो बनाते हुए कहता सुनाई दे रहा है कि, 'देखिए, इन बच्चियों से झाड़ू लगवाया जा रहा है। नियमों के अनुसार, सरकारी विद्यालयों में सफाई के लिए अलग से बजट और सफाई कर्मियों की व्यवस्था होती है। मासूम बच्चों से इस तरह का शारीरिक श्रम कराना न केवल उनके अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालता है। वीडियो के वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और नेटिजन्स ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। लोगों का कहना है कि जहां सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा दे रही है, वहीं स्कूलों में बच्चियों से झाड़ू लगवाया जाना बेहद शर्मनाक है।

प्रशासन की चुप्पी

अभी तक इस मामले में स्कूल प्रबंधन या बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस घटना के जिम्मेदार शिक्षकों और प्रधानाध्यापक पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप : ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मडियाहूं विद्युत उपकेंद्र का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने शनिवार को मिर्जापुर से सुल्तानपुर जाते समय मडियाहूं स्थित विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। मंत्री के अचानक पहुंचने से विद्युत विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने उपकेंद्र की विद्युत व्यवस्था, विभिन्न फीडरों की स्थिति और क्षेत्र में हो रही बिजली आपूर्ति की जानकारी अधिकारियों से विस्तार से ली। उन्होंने उपकेंद्र में रखे रजिस्टरों और रिकॉर्ड का भी अवलोकन किया तथा संचालन व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान लॉग शीट भरने में अनियमितता पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित कर्मचारियों को कार्य में लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण के समय जूनियर इंजीनियर (जेई) के अनुपस्थित मिलने पर मंत्री ने इस पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत उपकेंद्रों पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति मिल सके। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्युत व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तीन सीएससी केंद्रों से 82 गैस सिलेंडर बरामद

- चार भरे हुए तथा 78 थे खाली, डीएसओ की छापेमारी से अफरातफरी

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर खुटहन के धमौर बाजार में शनिवार को जिला पूर्ति अधिकारी (डीएसओ) की टीम ने छापेमारी कर तीन सीएससी केंद्रों से कुल 82 गैस सिलेंडर बरामद किए। इनमें 4 सिलेंडर भरे हुए और 78 खाली पाए गए। अचानक हुई इस कार्रवाई से सिलेंडर विक्रेताओं में अफरातफरी मच गयी। डीएसओ संतोष विक्रम साही को क्षेत्र में गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण और संभावित कालाबाजारी की शिकायत मिल रही थी। जिसके आधार पर उनकी टीम ने धमौर बाजार स्थित तीन सीएससी केंद्रों पर छापा मारा। जांच के दौरान बड़ी संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुए। अधिकारियों ने सभी सिलेंडरों को कब्जे में लेते हुए संबंधित संचालकों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में सिलेंडरों के अवैध भंडारण की आशंका जताई जा रही है। डीएसओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी की खबर फैलते ही बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सीएससी संचालक अशोक विश्वकर्मा के सेंटर से 17 खाली सिलेंडर, इसके बगल जितेन्द्र प्रजापति के यहां से 49 खाली सिलेंडर तथा बृजेश प्रजापति के सेंटर से 12 खाली तथा चार भरे हुए सिलेंडर बरामद हुए। संचालकों का कहना है कि होली के बाद से ही सिलेंडरों की आपूर्ति ठप चल रही है। ग्रामीण अपना खाली सिलेंडर यहां बदलने के लिए रख कर चले जाते हैं।घर के कनेक्सन वाला सिलेंडर भी उठा ले गये।सभी सिलेंडरों का कागज मौजूद हैं।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत, मित्र गंभीर

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर बदलापुर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा फत्तूपुर फोरलेन पर उस समय हुआ जब एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। बताते है कि सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के पल्हामऊ गांव निवासी शनि पुत्र धर्मेंद्र अपने साथी जगदीश पुत्र रामनाथ के साथ कार से लखनऊ से जौनपुर की ओर लौट रहे थे। सुबह के समय जब उनकी कार बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के फत्तूपुर फोरलेन के पास पहुंची, तभी वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद शनि को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल जगदीश की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उसे ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

बड़े अस्पतालों ने छोड़ी उम्मीद, सिद्धार्थ हॉस्पिटल ने बचाई जान

- डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ की सूझबूझ से महिला को मिला नया जीवन

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर नईगंज की रहने वाली सुलोचना देवी (35 वर्ष) के लिए डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ किसी फरिश्ते से कम साबित नहीं हुए। जहां बड़े अस्पतालों ने इलाज से हाथ खड़े कर दिए थे, वहीं सिद्धार्थ हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ की सूझबूझ, अनुभव और मेहनत ने एक परिवार को उजड़ने से बचा लिया। जानकारी के अनुसार सुलोचना देवी का ऑपरेशन वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में कराया गया था। ऑपरेशन के बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि वह लगभग दस दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करती रहीं। परिजनों ने अस्पताल में काफी प्रयास किए, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि जब डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी और सुलोचना देवी को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया, तब परिवार पूरी तरह निराश और टूट चुका था। इसी कठिन समय में सुलोचना देवी के पति शिव पटेल के मित्र महेंद्र प्रताप चौधरी ने उन्हें जौनपुर स्थित सिद्धार्थ हॉस्पिटल में दिखाने की सलाह दी। महेंद्र प्रताप चौधरी की सलाह पर जब परिजन सुलोचना देवी को सिद्धार्थ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे तो वहां के प्रबंध निदेशक डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत भर्ती कर लिया। उन्होंने पूरी सावधानी और चिकित्सकीय दक्षता के साथ मरीज का इलाज शुरू किया और आवश्यक जांच के बाद दोबारा ऑपरेशन किया। डॉक्टर की मेहनत और सही उपचार के कारण सुलोचना देवी की हालत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा और आखिरकार वह खतरे से बाहर आ गई। सुलोचना देवी के पति शिव पटेल ने भावुक होकर कहा कि 'डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ हमारे लिए भगवान के समान हैं। जब बीएचयू जैसे बड़े अस्पताल ने हाथ खींच लिए थे, तब उन्होंने ढाल बनकर मेरी पत्नी की जान बचाई। हमारा पूरा परिवार जीवन भर उनका ऋणी रहेगा। इस घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में सिद्धार्थ हॉस्पिटल और डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ के प्रति गहरा आभार और विश्वास देखने को मिल रहा है।

पहले दिन सख्त पहरे में हुई यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा, परीक्षा केंद्रों पर कड़े इंतजाम

- डीएम-एसपी ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा
- प्रथम सत्र में 3002, द्वितीय सत्र में 3152 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा खीरी जिले के 16 केंद्रों पर संचालित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा शनिवार को अभ्यर्थियों ने कड़ी सुरक्षा निगरानी में दोनों पाली की परीक्षा दी। इस दौरान दोनों पालियों में बुलाए गए 9600 में से 6154 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए जबकि 3446 ने गैर हाजिर रहकर परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा को सकुशल बनाने के लिए डीएम, एसपी समेत सेक्टर मजिस्ट्रेट सतत भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। वही स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहे। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने दोनों सत्रों की परीक्षा में भ्रमणशील रहकर जनपद खीरी में स्थित परीक्षा केंद्रों (जीजीआईसी, आर्यकन्या महाविद्यालय, आर्यकन्या इंटर कॉलेज) का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर परीक्षा को सकुशल एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने जरूरी निर्देश दिए।डीएम-एसपी ने परीक्षार्थियों हेतु भौतिक सुविधाओं/सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों को चैक किया व संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए।उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा में आयोग के शत प्रतिशत निर्देशों के अनुपालन के निर्देश दिए। वही सेक्टर मजिस्ट्रेट ने भी भ्रमणसील रहकर अपने सेक्टर के परीक्षा केंद्रों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए पूरी परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया।बताते चले कि जनपद के 16 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पाली के लिए पंजीकृत परीक्षार्थी 4800 के सापेक्ष पहली पाली में 3002 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तो 1798 अनुपस्थित रहे। इसी तरह से दूसरी पाली में 3152 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तो 1648 ने परीक्षा से किनारा कर लिया। 15 मार्च को भी 16 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा होगी।

खरीफ 2026 हेतु बीज वितरण अब सार्थी ऐप से लखीमपुर खीरी में बीज विक्रेताओं को दिया गया प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। शनिवार को उप कृषि निदेशक कार्यालय के सभागार, लखीमपुर खीरी में आगामी खरीफ सत्र 2026 के लिए बीज वितरण व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सार्थी पोर्टल / मोबाइल ऐप के संबंध में जनपद के बीज विक्रेताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण भारत सरकार द्वारा विकसित सार्थी पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे बीज वितरण प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सके।प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए डॉक्टर सत्यवीर सिंह ने जनपद के निजी बीज विक्रेताओं को सार्थी ऐप के उपयोग के बारे में पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बीज वितरण, पंजीकरण, स्टॉक प्रविष्टि तथा किसानों को बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया।उन्होंने बताया कि आगामी खरीफ सत्र 2026 में निजी बीज विक्रेताओं द्वारा बीज वितरण सार्थी मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जिससे वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी तथा ऑन लाइन निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित बीज विक्रेताओं को मोबाइल ऐप के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) भी कराया गया तथा उनसे अपने प्रतिष्ठानों पर [illegible] ऐप का अनिवार्य रूप से उपयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया।जिन बीज विक्रेताओं ने आज आयोजित प्रशिक्षण में भाग नहीं लिया है, वे तत्काल सार्थी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग प्रारंभ करें। किसी भी प्रकार की जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए कार्यालय जिला कृषि अधिकारी, लखीमपुर खीरी से संपर्क किया जा सकता है।उक्त अवसर पर जनपद के लगभग 60 बीज विक्रेता उपस्थित रहे।

24 घंटे बाद भी दो लापता किशोरों का नहीं सुराग

- बीना गोताखोर के पुलिस परिजन नदी में तलाश में जुटे

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के लखहा भूड़ गांव से दो किशोर शिवम और रवि शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों ने नदी में उनकी तलाश की, लेकिन गोताखोर अब तक मौके पर नहीं पहुंचे हैं। गौरतलब है कि लखहा भूड़ के निवासी लालता प्रसाद के नाती शिवम और रवि देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। सूचना न मिलने पर फूलबेहड़ पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो नदी की दूसरी धारा के पास दोनों किशोरों के कपड़े और साइकिल मिली।साइकिल मिलने के बाद परिजन देर रात तक नदी में तलाश करते रहे।सूचना पर शनिवार एसडीएम सदर अवनीश कुमार सिंह,नायब तहसीलदार,सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह और उपनिरीक्षक अमृत लाल यादव मौके पर पहुंचे। फूलबेहड़ थानाध्यक्ष संतोष सिंह भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार, तीन लड़के आए थे, जिनमें आदर्श पुत्र संजय पांडे नदी की तरफ से भागकर पहुंचा। आदर्श ने ट्रैक्टर से जा रहे मनोज कुमार को रुकवाया और उनके साथ बैठ गया। लोगो के अनुसार, आदर्श काफी डरा हुआ था।लापता शिवम गुप्ता कक्षा 7 और रवि गुप्ता कक्षा 9 के छात्र थे। वे जहानपुर के गुरु रविंद नाथ टैगोर शिक्षा निकेतन जोधपुर में पढ़ते थे। आदर्श को भी मौके पर लाकर पूछताछ की गई है। समाचार लिखे जाने तक लड़कों की तलाश जारी थी।

सहकारी गन्ना विकास समिति में बढ़ रहे विवाद

- महिला कर्मचारी की पिटाई का कोतवाली पहुंचा मामला, पहले भी हो चुके कई झगड़े

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

शहर की सहकारी गन्ना विकास समिति में कर्मचारियों के बीच विवाद और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में दो महिला कर्मचारियों के बीच हुए विवाद के बाद एक बार फिर समिति का माहौल चर्चा में आ गया है। गन्ना समिति में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार कर्मचारियों के बीच विवाद हो चुके हैं और कुछ मामले कोतवाली तक भी पहुंच चुके हैं। सबसे पहले सोमवती नाम की महिला चपरासी और सचिव के बीच विवाद हुआ था, जिसे महिला होने के कारण समिति स्तर पर ही निपटा लिया गया था।इसके बाद स्थापना शाखा के बाबू दिलीप सिंह और चपरासी सुल्तान के बीच समिति कार्यालय में ही मारपीट हो गई थी। यह मामला कोतवाली तक पहुंचा था, जिसमें बाबू दिलीप सिंह की ओर से चपरासी सुल्तान के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी।इसी तरह एक अन्य घटना में एक चपरासी पर आरोप लगा था कि उसने शराब के नशे में एक महिला बाबू के साथ गाली-गलौज की थी। इन घटनाओं के चलते समिति में अनुशासन व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। ताजा मामले में दो महिला चपरासियों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट की नौबत आ गई, जिसमें एक महिला ने दूसरी महिला की चप्पलों से पिटाई कर दी। इस मामले की शिकायत भी कोतवाली में की गई है, हालांकि अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है। कर्मचारियों के बीच विवाद की बढ़ती घटनाओं को लेकर लोग अनुशासन और नियंत्रण पर भी सवाल उठा रहे हैं।

जनपद लखीमपुर की ऐतिहासिक धरोहर हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला पर अवैध कब्जा करने का असफल प्रयास

जन एक्सप्रेस । शाजिफ हुसैन

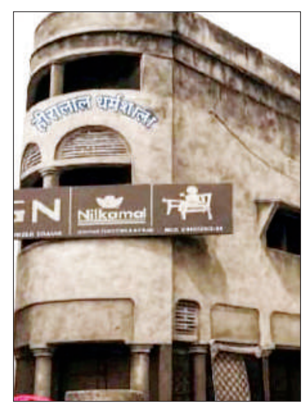

लखीमपुर खीरी। भोलानाथ गुप्ता पुत्र स्व 0 राम नरायन गुप्ता निवासी मो0 घास मंडी थाना कोतवाली लखीमपुर ने मीडिया को बताया कि पीड़ित हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला स्टेशन रोड नईबस्ती लखीमपुर खीरी का मंत्री एवं केवल कृष्ण एडवोकेट अध्यक्ष है।विपक्षीगण राकेश कुमार गुप्ता पुत्र भगौती प्रसाद नि0 मो0 महराज नगर व सत्यनरायन यादव पुत्र महादेव शहर व थाना कोतवाली लखीमपुर जिला खीरी जो कि हीरालाल के द्वारा सन 1947 मे लिखी गई वसीयत का दुरपयोग करते हुए आपस मे साजिश रचकर सन 1955 में बनी ऐतिहासिक धरोहर हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला पर कब्जा करने को प्रयासरत है। जिसे वर्तमान में केवल कृष्ण अध्यक्ष व भोलानाथ मंत्री के द्वारा संचालित किया जा रहा है। विपक्षी सत्यनारायण यादव व राकेश गुप्ता ने पुरानी ट्रस्ट से मिलते-जुलते नाम से कथित हीरालाल यादव ट्रस्ट सीतापुर रोड लखीमपुर के नाम से सन 2016 मे ट्रस्ट बना कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। बनाई गई ट्रस्ट की डीड पर मुख्य रूप से लिखा गया है की ट्रस्टियों के पास 1000 रूपये नगद इसके अतिरिक्त कोई चल अचल संम्पति नहीं है जिस को आधार बनाकर दीवानी, फौजदारी के झूठे फर्जी मुकदमें विभिन्न अदालतो मे दायर कर रख्खे है! और प्रशासनिक अधिकारियो पर बेजा दबाव बनाकर अवैध कब्जा करने का असफल प्रयास किया जा रहा है!जब कि पुरानी चली आ रही हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला द्वारा ही विद्युत बिल व नगर पालिका टैक्स जमा किया जा रहा एवं उन्हीं के द्वारा भवन कि देख रेख की जा रही है जो प्रार्थी के ही कब्जे में है! विपक्षी ने माननीय उच्च न्यायालय के आदेश कि अवमानना करके विपक्षीगण अवैध कब्जा कर दूषित मंतब्य से सन 1955 कि बनी ऐतिहासिक पुरानी ट्रस्ट की सम्पति को हड़पने के फिराक में है। राकेश कुमार गुप्ता जो कि हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला मे बनी दुकान मे किरायेदार है जिनकी इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है,जिस पर वर्तमान में किराया वसूलियाबी बेदखली का मुकदमा दीवानी अदालत में विचाराधीन है! विपक्षीगण आपस मे षड्यंत्र रचकर छ्ल कपट धोखा धड़ी करते हुए अदालतो द्वारा की जा रही कार्यबाही से बचने एवं गुंडई दबंगई के बल पर कब्जा करने के उद्देश्य से सत्यता को छिपाकर तथा स्थानीय राजनैतिक संरक्षण का सहारा लेकर शासन प्रशासन को गुमराह कर आपराधिक षड्यंत्र कर फर्जी झूठे प्रार्थनाशहर -पत्र देकर जनपद के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियो को भयातुर कर पीड़ित द्वारा संचालित ट्रस्ट पर अवैध कब्जा कराने के लिए बेजा दबाव बनवाकर विवश किये जाने का विपक्षीगण द्वारा घोर अपराधिक कृत्य किया जा रहा है! पीड़ित ने जिला प्रशासन से केवल कृष्ण आदि बनाम अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर 4 लखीमपुर खीरी आदि में मा0उच्चन्यायालय लखनऊ बेंच लखनऊ द्वारा याचिका अन्तर्गत अनुच्छेद 227 संख्या केश नं0 30641/017 में पारित यथास्थित के आदेश दिनांक18-12-2017 के आदेश के अनुपालन मे पीड़ित के कब्जा व दखल में विपक्षीगण को किसी प्रकार का हस्तक्षेप किये जाने सम्बंधी रोके जाने की पुलिस व जिला प्रशासन से मांग की है। जिससे कि प्राचीन ऐतिहासिक हीरालाल ट्रस्ट धर्मशाला पूर्व की भांति संचालित होता रहे जिससे गरीब असहाय मध्यवर्गीय लोगों को ठहरने का लाभ मिल सके।

डीएम व कप्तान ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 के दृष्टिगत थाना कोतवाली नगर,खैराबाद व कमलापुर क्षेत्रान्तर्गत परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया एवं मौके पर उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

थाना कमलापुर में की गई जनसुनवाई

थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा थाना कमलापुर में जनसुनवाई की गई तथा मौके पर शिकायतों एवं समस्याओं को सुनकर इनका त्वरित, न्यायोचित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिये गये।इस दौरान क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार व संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

एक्सप्रेस खबरें...

खंभारखेड़ा चीनी मिल ने जारी की अंतिम मिल बंदी सूचना

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर-खीरी। खम्भारखेड़ा। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड द्वारा अन्तिम मिल बंदी सूचना 16 मार्च 2026 संबंधित समितियों को भेज दी है। इस संबंध में यूनिट हेड अवधेश कुमार गुप्ता ने बताया कि हमारे क्षेत्र के कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना प्रायः समाप्त हो गया है। जिस कारण हमारी चीनी मिल को मांग के अनुसार गन्ना उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आये दिन मिल नो केन में बंद हो रही है। इससे मिल का पेराई कार्य बाधित हो रहा है। अतः क्षेत्र के समस्त किसानों से अनुरोध है कि 16 मार्च 2026 तक चीनी मिल को अपना गन्ना अनिवार्य रूप से आपूर्ति कर दें। इसके पश्चात चीनी मिल पेराई सत्र 2025-26 के लिए अंतिम रूप से बंद कर दी जाएगी।

युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी। शनिवार को सिंगाही थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। गौरतलब है कि मोतीपुर निवासी 20 वर्षीय राहुल भार्गव, जो मायाराम के पुत्र थे, भैरमपुर में डेकोरेशन का काम करके अपने गांव मोतीपुर लौट रहे थे। रास्ते में तकियापुरवा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में राहुल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।काफी देर तक सड़क पर पड़े रहने के बाद, वहां से गुजर रहे राहगीरों की नजर घायल राहुल पर पड़ी। उन्होंने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) निघासन पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर त्रिभवन सिंह ने जांच के बाद राहुल को मृत घोषित कर दिया।सिंगाही पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

पसगवां मार्ग पर शीरा टैंकर-बाइक भिड़ंत व्यक्ति की मौत

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। मोहम्मदी-पसगवां मार्ग पर शनिवार को शीरा टैंकर और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। यह हादसा झिंगुरी पुरवा चौराहे के पास हुआ।मृतक की पहचान थाना मोहम्मदी क्षेत्र के ग्राम मानेपारा निवासी 55 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र रामेश्वर दयाल के रूप में हुई है। सुरेंद्र अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक अनियंत्रित शीरा टैंकर ने उन्हें टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मार्ग पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भागने की कोशिश कर रहे शीरा टैंकर (संख्या: [illegible]2950) को शंकरपुर चौराहे के पास घेराबंदी कर कब्जे में ले लिया। टैंकर को थाने में खड़ा कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मृतक सुरेंद्र के शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पसगवां पहुंचाया। मृतक के गांव मानेपारा में खबर पहुंचते ही परिजनों में शोक छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

होली मिलन समारोह सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । खैराबाद सीतापुर

तैलिक समाज कल्याण समिति खैराबाद द्वारा होली मिलन कार्यक्रम पूरे हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं शहरी आवास मंत्री राकेश राठौर गुरु, राज पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य रमाशंकर साहू , नगर पालिका परिषद खैराबाद के अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता भारतीय जनता पार्टी सीतापुर जिला महामंत्री/व तैलिक समाज कल्याण समिति विश्राम सागर राठौर एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा मां शारदे की प्रतिमा पर पूजन पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। समाज का आवाहन करते हुए मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री ने तैलीक समाज हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे बताया और कहा कि मैं समाज के लिए हर समय तैयार एवं संकल्पित रहने के साथ समाज के आगे बढ़ाने हेतु आवश्यक जानकारी भी दिए। कार्यक्रम में उपस्थित नगर पालिका परिषद खैराबाद के अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता द्वारा सर्व समाज की एक जुटता की बात कहते हुए किसी भी आवश्यकता पर समाज के साथ रहने की बात कही गयी। इस अवसर पर खैराबाद नगर के 70 वर्ष से वरिष्ठ नागरिकों एवं मेधावी छात्र /छात्राओं को सम्मानित किया । इस अवसर पर कार्यक्रम के अगुवा एवं समिति के अध्यक्ष कुलदीप जायसवाल की पूरी कार्यकारिणी , बाथम वैश्य सभा खैराबाद की अध्यक्ष की पूरी टीम समाज की महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

नहीं थम रहा भट्ठा मालिकों द्वारा अवैध मिट्टी खनन

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

सिधौली-सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र में नहीं थम रहा भट्ठा मालिकों द्वारा अवैध मिट्टी खनन कराने जाने का सिलसिला ग्राम संभालूपुरवा मजरा भिठौरा स्थित गाटा संख्या 164 (0.181 हे.) में अवैध मिट्टी खनन के मामले में राजस्व विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए कार्रवाई की संस्तुति की है। लेखपाल दीपिका सिंह चौहान ने जांच में पाया कि भूमि के 0.0084 हे. भाग से लगभग 84 घन मीटर मिट्टी का अवैध उठान किया गया। इस संबंध में श्यामकली पत्नी शिव कुमार निवासी संभालू पुरवा तथा विशाल गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता (मेसर्स बालाजी ब्रिक फील्ड) के विरुद्ध उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने हेतु आख्या कोतवाली सिधौली को भेजी गई है। आख्या पर राजस्व निरीक्षक सदानन्द वर्मा की भी संस्तुति है, जबकि धीरेन्द्र बहादुर यादव ने तहरीर अंकित कराए जाने का प्रमाण दिया। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पीएम व सीएम को भेजा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। सिधौली-सीतापुर। तहसील क्षेत्र में स्थापित डॉ0 भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। डॉ0 आंबेडकर संवैधानिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार सिद्धार्थ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी सिधौली के माध्यम से यह ज्ञापन प्रेषित किया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाएं सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान की प्रतीक हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। राजेश कुमार सिद्धार्थ ने सभी आंबेडकर स्थलों पर बाउंड्री वाल व सुरक्षा ग्रिल बनवाने की मांग की। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक व समाजसेवी मास्टर बृजलाल, मास्टर आर. डी. वर्मा तथा समाजसेवी मुकेश चौधरी ने बाबा साहेब के विचारों को समाज में प्रेरणा स्रोत बताते हुए आंबेडकर पार्कों के विकास और संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

संयुक्त प्रयास के बाद बच्ची को नहर से बाहर निकाला गया

जन एक्सप्रेस। सिधौली-सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के हुसैनगंज गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। घरेलू परिस्थितियों से मानसिक रूप से परेशान बताई जा रही एक महिला अपनी छह माह की बच्ची काव्या को लेकर गांव के पास स्थित शारदा सहायक नहर के किनारे पहुंच गई। इसी दौरान बच्ची नहर के तेज बहाव में चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए और साहस का परिचय देते हुए बच्ची की तलाश में नहर में उतरकर बचाव प्रयास शुरू कर दिए। सूचना पर कोतवाली सिधौली पुलिस, फायर ब्रिगेड व एनडीआरएफ टीम भी मौके पर पहुंची और लगभग 45 मिनट के संयुक्त प्रयास के बाद बच्ची को नहर से बाहर निकाला गया।

महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले 15 होमगार्ड जवान सम्मानित

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

यूपी सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 में उत्कृष्ट कार्य व सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान देने वाले होमगार्ड कम्पनी कुंभी के 15 जवानों को महाकुंभ सेवा मेडल कार्यक्रम के तहत शनिवार को हैदराबाद थाना परिसर में नायब तहसीलदार भानुप्रताप सिंह व थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।इस मौके पर पीसी वीरेंद्र पाल सिंह, होमगार्ड देवतादीन,रामकृष्ण पाठक, विजय कुमार, जमुना प्रसाद, सोनू लाल, कपिल कुमार, प्रेमचंद, कमलेश कुमार, हर्षित शुक्ला,ज्ञानेश चंद, सुनील कुमार, राजकुमार, सतीश कुमार, मायाराम को मेडल व प्रमाणपत्र दिया गया।

प्रधान ने परिवारीजनों के नाम भुगतान कर किया घोटाला

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

जनपद के विकास खण्ड बेहटा की ग्राम पंचायत अकबरपुर में ग्राम प्रधान द्वारा अपने ही परिवारीजनों के नाम भुगतान कर सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। आरोप है कि पंचायत में कराए जाने वाले विकास कार्यों के नाम पर प्रधान ने नियमों को दरकिनार करते हुए अपने रिश्तेदारों के खातों में भुगतान करा दिया। बताया जा रहा है कि पंचायत के अभिलेखों में दर्ज भुगतान विवरण में कई ऐसे नाम सामने आए हैं जो ग्राम प्रधान के नजदीकी परिवारीजन बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन कार्यों के नाम पर भुगतान निकाला गया, उनमें से कई कार्य धरातल पर दिखाई ही नहीं दे रहे हैं। इससे पूरे मामले में वित्तीय अनियमितता और घोटाले की आशंका गहरा गई है। बताते चलें कि विकास खण्ड बेहटा की ग्राम पंचायत अकबरपुर की प्रधान सरवरजहां पत्नी जुनेद अहमद पर आरोप है कि उन्होंने सचिव से मिलीभगत कर ग्राम निधि से अपने परिवारीजनों के नाम लाखों रुपये का भुगतान करा कर सरकारी धन का बंदरबांट किया। आरोप के अनुसार प्रधान ने अपने पति के भाई इरफान पुत्र इदरीश, इरफान की पत्नी जबरुन्निशा तथा अपनी बहू तरन्नुम पत्नी जावेद के नाम भुगतान कराया। इतना ही नहीं, आरोप है कि प्रधान ने अपने मानदेय से अतिरिक्त लगभग ढाई लाख रुपये का भुगतान स्वयं के नाम भी करा लिया, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला और गंभीर हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो और भी अनियमितताएं सामने आ सकती हैं।

क्षेत्र पंचायत में नियम विरुद्ध भुगतान की जांच लटकी, जिला विकास अधिकारी पर उठे सवाल

सीतापुर। विकासखण्ड पिसावां और बिसवां क्षेत्र पंचायत में एक ही बिल वाउचर पर कथित रूप से करोड़ों रुपये के भुगतान के मामले में जांच की रफ्तार थम जाने से सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच के कार्यकारी अध्यक्ष (अवध क्षेत्र) एस.के. तूफानी ने इस संबंध में 17 नवंबर 2025 को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला पंचायत राज अधिकारी ने आदेश जारी करते हुए जिला विकास अधिकारी को मामले की जांच का दायित्व सौंपा था। आरोप है कि निर्देश जारी होने के बावजूद तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है। इसको लेकर संगठन ने सवाल उठाए हैं। एस.के. तूफानी का कहना है कि यदि जांच समय पर नहीं होती है तो इससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि कथित फर्जी भुगतान से जुड़े ऑनलाइन दस्तावेज भी संबंधित अधिकारियों को दिखाए जा चुके हैं, इसके बावजूद जांच लंबित रहना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करेगा।

रावतपुर में कोचिंग के लिए घर से निकली छात्रा प्रयागराज में मिली

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

रावतपुर में कोचिंग के लिए घर से निकली 9,वी क्लास की छात्रा अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों के अनुसार वह घर से करीब तीन बजे कोचिंग जाने के लिए निकली थी। कोचिंग की फीस देने के लिए वह अपनी मां से गुरुवार को 600 रुपए भी ले गई। देर रात तक घर न आने पर उन्होंने रावतपुर पुलिस को थाने में तहरीर दी। पुलिस मुकदमा दर्जकर छात्रा को महज 24 घंटे में बरामद कर लिया। रावतपुर में बीते गुरुवार को घर से कोचिंग के लिए निकली 9,वी क्लास की छात्रा अचानक लापता हो गई जब देर रात तक वह घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की, काफी खोजबीन के बाद जब छात्रा का कुछ पता नहीं चल सका तो परिजन देर रात को रावतपुर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्जकर छात्रा की तलाश शुरू की। पुलिस टीम को छात्रा की लोकेशन देर रात को प्रयागराज मिली जिसके बाद एक टीम देर रात को को प्रयागराज रवाना हुई। पुलिस टीम ने अगले दिन प्रयागराज सेंट्रल स्टेशन के पास से ही छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया। रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश कुमार राय ने बताया की छात्रा गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे घर से अपनी मां से पैसे लेकर कोचिंग जाने की बात कहकर निकली थी। देर रात पुलिस को मामले की जानकारी मिली।

कांग्रेस ने असम के युवाओं को गुमराह किया

उन्हें आतंकवाद के रास्ते पर धकेला, बीजेपी ने सरकारी नौकरियों के रास्ते खोले: मोदी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। सिलचर

असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, 'सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है। ये क्षेत्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से जोड़ता है। बराक घाटी के इस क्षेत्र को 21वीं सदी में और मजबूत करने के लिए आपके बीच आया हूं।'

असम को मिले 47,600 करोड़ के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स

पीएम मोदी ने असम में 47,600 करोड़ के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया। दौरे के पहले दिन 13 मार्च को गुवाहाटी में पीएम ने 24,250 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया था। दूसरे दिन 14 मार्च को सिलचर में नॉर्थ-ईस्ट के पहले ग्रीनफील्ड 4-लेन हाई-स्पीड शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर और असम माला 3.0 परियोजना सहित कई योजनाओं की नींव रखी। इन प्रोजेक्ट्स की लागत 23,550 करोड़ है।

उत्तर पूर्व का बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनेगी बराक घाटी

पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ रुपये होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर की मदद से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय साढ़े आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा 'थोड़ी देर पहले यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर बनने जा रहे हैं। मैं आप सभी को इन सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'उन्होंने कहा, 'आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने उत्तर पूर्व को दिल्ली और दिल, दोनों से दूर रखा। कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को एक तरह से भुला दिया। लेकिन भाजपा एनडीए की डबल इंजन सरकार ने उत्तर पूर्व को ऐसे कनेक्ट किया है। आज उत्तर पूर्व, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का केंद्र है। लेकिन कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को अपने हाल पर छोड़ दिया था। वैसे ही बराक घाटी को भी बेहाल करने में कांग्रेस की बड़ी भूमिका रही है। जब देश आजाद हुआ तो कांग्रेस ने ऐसे सीमा निर्धारित की, जिससे बराक घाटी का समुद्र से संपर्क ही टूट गया। जो बराक घाटी कभी व्यापार केंद्र के रूप में जानी जाती थी, उससे उसकी ताकत ही छीन ली गई। अब भाजपा की डबल इंजन सरकार बराक घाटी को व्यापार का बड़ा केंद्र बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।'

सिलचर में मोदी के कांग्रेस पर लगाए 5 आरोप

- 10 साल के अंदर हमने यहां के किसानों की जेब में सीधे 20,000 करोड़ डाले हैं। कांग्रेस के 10 साल के शासन के दौरान, भले ही प्रधानमंत्री असम से चुने गए थे, लेकिन उन्होंने एक पैसा भी नहीं दिया।
- जब दुनिया युद्धों का सामना कर रही है। हमारी कोशिश है कि देश के लोगों पर असर कम कर सकें। लेकिन कांग्रेस जिम्मेदार राजनीतिक दल न बनकर लोगों के बीच घबराहट फैलाने की कोशिश कर रही है।
- कांग्रेस के पास असम और देश के लिए कोई विजन नहीं है, वे तो बस मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलना जानते हैं।
- कांग्रेस ने बराक घाटी को कमजोर करने में भी बड़ी भूमिका निभाई। जब भारत आजाद हुआ, तो कांग्रेस ने सीमा-निर्धारण इस तरह होने दिया कि बराक घाटी का समुद्र तक पहुंचने का रास्ता कट गया।
- बीजेपी का मंत्र विकास की दौड़ में पीछे रह गए लोगों को प्राथमिकता देना है। जहां कांग्रेस की सोच खत्म होती है, वहां से हम काम करना शुरू करते हैं।

दक्षिण पूर्व एशिया के बड़े बाजार का रास्ता खुलेगा

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज करीब 24 हजार करोड़ रुपये के सिलचर-शिलॉन्ग कॉरिडोर का भूमि पूजन हुआ है। जहां कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला बंद हो जाता है, वहां हमारा काम शुरू हो जाता है। ये उत्तर पूर्व का पहला एक्सेस कंट्रोल्ड हाई स्पीड कॉरिडोर होगा। इस कॉरिडोर से सिलचर, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सब राज्य कनेक्ट होने वाले हैं। इन तीनों राज्यों से आगे बांग्लादेश और म्यांमार है और इनके आगे दक्षिण पूर्व एशिया का विशाल बाजार है। ये घाटी उज्जवल भविष्य से जुड़ने का आज शिलान्यास कर रही है। इसका फायदा असम सहित पूरे उत्तर पूर्व के किसानों को होगा। यहां के नौजवानों को होगा।

''फूट डालो और राज करो' की नीति की प्रयोगशाला बनाया'

पीएम मोदी ने कहा, 'भाजपा का मंत्र है- जो विकास के दौड़ में पीछे रह गया, उसे प्राथमिकता देना। कांग्रेस की सरकारें बॉर्डर एरिया को देश के अंतिम गांव मानती थी। लेकिन हम सीमावर्ती गांवों को देश के पहले गांव मानते हैं। बॉर्डर एरिया के विकास के लिए, कछार जिले से ही वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का अगला चरण शुरू किया था। इससे बराक वैली के अनेक गांवों में भी सुधार होना तय हो गया है। कांग्रेस ने असम के युवाओं को सिर्फ हिंसा और आतंकवाद के कुचक्र में ही उलझाए रखा था। कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो और राज करो' नीति की प्रयोगशाला बनाया।

कांग्रेस की कोशिश देश मुश्किल में फंसे

मोदी ने अपने संबोधन में कहा- पूरे देश ने कांग्रेस के इस कपड़ा फाड़ भद्दे प्रदर्शन की बुराई की। दिल्ली का परिवार इसे अपना मेडल मान रहा है। दुनिया में चारों तरफ, हमारे पड़ोस में युद्ध के हालात हैं। इसके कारण बनी स्थितियों से निपटने के लिए हमारे देश के नागरिकों के लिए कम से कम मुसीबतें आए, सरकार उसके लिए प्रयास कर रही हैं। इस समय कांग्रेस से उम्मीद थी कि वह जिम्मेदार रानजीतिक दल की भूमिका निभाए, लेकिन वह एक बार फिर फेल हो गई। कांग्रेस कोशिश में है कि देश में पेनिक क्रिएट हो और देश मुश्किल में फंस जाए।

चाय बागान के मजदूरों को सम्मानित किया

मोदी ने कहा- मैं हिमंता सरकार को बधाई देता हूं, चाय बागानों में करीब 200 सालों से सेवा दे रहीं अनेक पीढ़ियों को आपने सम्मान दिया है। मुझे खुशी है, जिनकी पहले की सरकारों ने अपने हाल पर छोड़ा, उनकी सुध बीजेपी सरकार ने ली। भूमि अधिकार का मामला नहीं है, इससे लाखों परिवार केंद्र और राज्य सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं से तेजी से जुड़ेंगे। पक्के घर, बिजली, पानी, गैस की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

'किसानों के मुद्दे पर लड़ती रहेगी कांग्रेस'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार हमलावर हैं। उन्होंने एक बार फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी।

स्वामीनाथन समिति के सुझावों पर जोर

राहुल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछाः 2021 में किसानों से किया गया C2 + 50% कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी रूक्क नीति दोहरा दी।' राहुल जिस सी2 प्लस 50 फीसदी फॉर्मूले का जिक्र कर रहे हैं, इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए। राहुल ने लिखा, एक और गंभीर सवाल- अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से जुड़ा है।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी टिप्पणी

अपने पोस्ट के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है। विपक्ष के नेता ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट में आगे लिखा, 'सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के 'राष्ट्रीय प्राथमिकताओं' के नाम पर सही ठहराया गया। उन्होंने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी टिप्पणी की।

सरकार किसानों से किया वादा निभाना नहीं चाहती!

केंद्र सरकार की नीतियों के साथ-साथ नीयत पर सवाल खड़े करते हुए राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के अंतिम हिस्से में लिखा, 'मोदी सरकार किसानों से किया वादा तो निभाना नहीं चाहती, अपने स्वार्थ के लिए वो भारतीय कृषि को कुर्बान करने को भी तैयार है।

'अलोकतांत्रिक प्रक्रिया की लोकतंत्र में कोई जगह नहीं', वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर बोले थरूर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और सुप्रीम कोर्ट से बिना मुकदमे के हिरासत की अधिकतम अवधि को लेकर मानदंड तय करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोनम वांगचुक ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत अवधि की आलोचना की और इसे औपनिवेशिक युग की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया।

थरूर ने एनएसए कानून की आलोचना की

शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, 'मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत की अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है। एक परिपक्व लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं।' गृह मंत्रालय ने कहा, सरकार लद्दाख के लिए सभी जरूरी सुरक्षा उपाय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। 24 सितंबर 2025 को लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हिंसा भड़क गई थी। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी और 45 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जिसके बाद 26 सितंबर को एनएसए कानून के तहत सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। लद्दाख के उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोनम वांगचुक की हिरासत समाप्त करने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार का एक सकारात्मक कदम है, जो लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने में मदद करेगा।

गृह मंत्रालय की सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द करने का फैसला किया

गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत की जा सके। इसी उद्देश्य से वांगचुक की हिरासत रद्द करने का फैसला किया है।

होर्मुज से पार हुए दो भारतीय एलपीजी कैरियर्स

92700 मीट्रिक टन गैस लेकर आ रहे शिवालिक और नंदा, सरकार ने बताया, कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में अभियान

- शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है।

गैस आपूर्ति और पोर्ट लॉजिस्टिक्स

शनिवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 'शिवालिक' और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। तय योजना के मुताबिक, ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे। शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे। इतनी बड़ी मात्रा में गैस की आवक से घरेलू बाजार में ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी और औद्योगिक व घरेलू मांग को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा।

कालाबाजारी के खिलाफ संयुक्त देशव्यापी अभियान

आपूर्ति तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ, घरेलू बाजार में गैस और आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम किल्लत पैदा करने वाले तत्वों पर भी कड़ा प्रहार किया जा रहा है। बाजार में कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई संयुक्त टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार रेड कर रही हैं। इस प्रवर्तन अभियान का सीधा प्रभाव कई राज्यों में देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में व्यापक कार्रवाई हुई है। राज्य में कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए बड़े पैमाने पर 1400 स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान अनियमितताओं में संलिप्त पाए गए 19 लोगों के खिलाफ मामले भी दायर किए गए हैं। अन्य राज्यों में भी चौकसी है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी कई जगहों पर संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।

अब आगे क्या?

कुल मिलाकर, भारत अपनी रणनीतिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए समुद्री लॉजिस्टिक्स और आयात को सफलतापूर्वक सुरक्षित कर रहा है। 16 और 17 मार्च को मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों पर 92,700 मीट्रिक टन गैस की आवक से जहां देश के ऊर्जा भंडार में वृद्धि होगी, वहीं देशव्यापी छापों से कालाबाजारी नेटवर्क पर भारी दबाव बनेगा। आपूर्ति और सुशासन की यह दोहरी रणनीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत और सकारात्मक आउटलुक पेश करती है।

भारतीय नाविकों की सुरक्षित और सफल वापसी

कमर्शियल शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के अलावा, समुद्री क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सकारात्मक खबर सामने आई है। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के भीतर 30 भारतीय नाविकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। यह कदम समुद्री ऑपरेशंस से जुड़े मानव संसाधन की सुरक्षा और संकट प्रबंधन की सफलता को दर्शाता है।

आईआरआईएस लावन: भारत ने ईरानी युद्धपोत के 100 से अधिक नाविकों को वापस भेजा

- एक अमेरिकी पनडुब्बी ने दूसरे ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को डुबो दिया था

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोच्चि

अमेरिका से तनाव के बीच इस महीने की शुरुआत में कोच्चि पहुंचे एक ईरानी युद्धपोत के चालक दल के 100 अधिक गैर-जरूरी नाविकों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। हालांकि, यह युद्धपोत अभी भी दक्षिणी बंदरगाह कोच्चि पर ठहरा हुआ है। इस घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि इन नाविकों को मानवीय आधार पर भारत की मदद से शुक्रवार देर रात तुर्किये की एयरलाइंस की उड़ान से वापस भेजा गया। बताया जा रहा है कि यह युद्धपोत (आईआरआईएस लावन) कोलंबो में ठहरा था। इसी क्षेत्र में चार मार्च को श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी ने दूसरे ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को डुबो दिया था। वापस भेजे गए नाविक ईरान की नौसेना के जहाज आईआरआईएस लावन के चालक दल के सदस्य थे। यह जहाज उसी दिन कोच्चि बंदरगाह पहुंचा था, जिस दिन हिंद महासागर में नौसैनिक टकराव की घटना सामने आई थी।

आईआरआईएस में कितने नाविक हैं?

सूत्रों के मुताबिक, इस जहाज पर शुरुआत में कुल 183 लोग मौजूद थे। गैर-जरूरी नाविकों के चले जाने के बाद अब लगभग 50 नाविक ही जहाज पर बचे हैं, जो संचालन और रखरखाव से जुड़े काम संभाल रहे हैं। भारतीय अधिकारी तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तेजी से बिगड़ती स्थिति को देखते हुए जहाज के कोच्चि पहुंचने के बाद से स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों ने संकेत दिया कि कोच्चि में ईरानी युद्धपोत की मौजूदगी को सावधानी के साथ संभाला जा रहा है। साथ ही समुद्री नियमों और कूटनीतिक संवेदनशीलता का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। जहाज पर मौजूद बाकी सदस्य अभी भी वहीं रह रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह युद्धपोत भारतीय समुद्री क्षेत्र से कब रवाना होगा। समुद्री और सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले और क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

ईरान का सऊदी अरब पर ताबड़तोड़ हमला: प्रिंस सुल्तान एयर बेस को बनाया निशाना

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। रियाद

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 15वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच सऊदी अरब से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि ईरान ने सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी एयरबेस पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिसमें अमेरिकी वायुसेना के कई विमान क्षतिग्रस्त हो गए। इसके साथ ही ईरान ने सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को भी निशाना बनाया और खूब बम बरसाए। इन हमलों में वहां खड़े पांच अमेरिकी वायु सेना के पांच रिफ्यूअलिंग (तेल भरने वाले) विमान क्षतिग्रस्त हो गए।

आपदा में संकटमोचक साथी बना भारत

ऊर्जा संकट के बावजूद बांग्लादेश को डीजल की आपूर्ति की

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण तेल की आपूर्ति बुरी रह से बाधित हुई है। तेल संपन्न खाड़ी देशों को दुनिया के अन्य भागों से जोड़ने वाले रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही पर ईरान ने रोक लगा दी है। इस रास्ते से 20 फीसदी तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई होती है। इसके चलते नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे पड़ोसी देशों में ईंधन की भारी किल्लत हो गई है। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल रिफाइनर है, उसके पास भंडारण की भी पर्याप्त सुविधा है, इसको देखते हुए पड़ोसी देशों ने भारत से आपातकालीन ईंधन की आपूर्ति की मांग की है। .

नेपाल ने एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने को कहा

नेपाल ने इंडिय ऑयल कॉर्पोरेशन से मौजूदा संकट के मद्देनजर एलपीजी की मासिक आपूर्ति बढ़ाने का अनुरोध किया है। नेपाल ने 3,000 टन अतिरिक्त एलपीजी की मांग की थी, लेकिन भारत फिलहाल अनुबंधित मात्रा की आपूर्ति करने की ही बात कही है। समझौते के तहत आईओसी प्रति माह नेपाल को लगभग 48,000 टन एलपीजी की आपूर्ति करता है। नेपाल भारत पर निर्भर है। नेपाल में सामान्य एलपीजी सिलेंडर 14.2 किलोग्राम का होता है, लेकिन संकट के कारण इसे घटाकर 7.1 किलोग्राम करने का निर्णय किया गया है।

श्रीलंका को उम्मीद

संकट की इस घड़ी में ऊर्जा के लिए श्रीलंका ने भी भारत से अनुरोध किया है। वह अन्य विकल्पों को भी तलाश रहा है। अमेरिका की ओर से रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों पर अस्थायी छूट के तहत तेल खरीद पर विचार कर रहा है। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने इस संबंध में कोलंबो में रूस के राजदूत के साथ बैठक भी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका ने पिछले साल ईंधन आयात पर 3.83 अरब डॉलर खर्च किए, जिनमें से अधिकांश खेप भारत और सिंगापुर से आई। श्रीलंका के पास कुछ हफ्तों का ईंधन बचा है और उसके पास भंडारण के लिए भी पर्याप्त सुविधाएं नहीं है। ऐसे में उम्मीद है कि भारत उसकी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा, जैसा कि वह पहले भी करता रहा है।

बांग्लादेश ने मांगा है अतिरिक्त डीजल

वैसे तो भारत और बांग्लादेश के बीच डीजल निर्यात को लेकर पहले से ही समझौता है। इसके तहत बांग्लादेश हर साल भारत से 1,80,000 टन डीजल प्राप्त करता है। संकट के बावजूद भारत ने पड़ोसी प्रथम का उदाहरण देते हुए पिछले दिनों 5,000 टन डीजल का निर्यात किया था। बांग्लादेश अपनी 80 फीसदी ऊर्जा पश्चिण एशिया के देशों से आयात करता है, संघर्ष के कारण पैदा हुए संकट में उसने भारत से समझौते में तय मात्रा से अधिक डीजल देने का अनुरोध किया है। बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद ने दो दिन पहले ही ढाका में भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात की थी और उनसे तेल की आपूर्ति में थोड़ी वृद्धि करने का अनुरोध किया था।

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका, मेयर ने बताया सोची-समझी साजिश

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में शनिवार तड़के यहूदी समुदाय से जुड़े एक स्कूल में विस्फोट हुआ, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा। स्काई न्यूज ने डच मीडिया के हवाले से बताया कि एम्स्टर्डम की मेयर फेम्के हालसेमा ने इस घटना को यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया हमला बताया है। उन्होंने कहा कि एम्स्टर्डम में यहूदी लोग लगातार बढ़ती यहूदी-विरोधी घटनाओं का सामना कर रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को जल्द काबू में कर लिया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल एक ओर, जबकि ईरान और हिजबुल्ला दूसरी ओर आमने-सामने हैं, और क्षेत्र में लगातार बमबारी व सैन्य कार्रवाई जारी है। एम्स्टर्डम की यह घटना रॉटरडैम में एक दिन पहले हुए विस्फोट के बाद सामने आई है। शुक्रवार तड़के डच बंदरगाह शहर रॉटरडैम में एक सिनेगॉग के प्रवेश द्वार पर विस्फोट हुआ, जिससे वहां मामूली आग लग गई। पुलिस ने इस मामले को आगजनी मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ और आग पर जल्द काबू पा लिया गया।

अफगानिस्तान का पलटवार, कुनार-नंगरहार प्रांत में मारे गए 14 पाकिस्तानी सैनिक

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। काबुल

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा क्षेत्र डूरंड लाइन पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसकी सेना ने पाकिस्तान की सैन्य चौकियों पर कार्रवाई की, जिसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कुछ घायल हुए। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से पहले किए गए हवाई हमलों और गोलाबारी के जवाब में की गई बताई जा रही है। अफगान रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अफगान सेना ने पूर्वी क्षेत्र के कुनार और नंगरहार प्रांतों में ड्यूरंड लाइन के पास सैन्य ऑपरेशन चलाया। मंत्रालय का कहना है कि इस कार्रवाई में पाकिस्तान के 14 सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए। इसके अलावा एक बख्तरबंद टैंक और एक सैन्य वाहन भी पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कहा कि यह ऑपरेशन पाकिस्तान की सेना द्वारा किए गए हमलों के जवाब में किया गया।

रणनीतिक सैन्य केंद्र हमजा पर हवाई हमला: अफगान सेना

अफगानिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के एक रणनीतिक सैन्य केंद्र हमजा पर हवाई हमला किया। यह हमला रिजेक्ट ऑप्रेशन नाम के जवाबी अभियान के तहत किया गया बताया गया है। अफगान सरकार का कहना है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से हमले बंद नहीं होते, तब तक उनकी जवाबी कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएएफ ने अफगानिस्तान में किए थे हवाई हमले

इससे पहले पाकिस्तान की वायुसेना ने अफगानिस्तान में कई जगहों पर हवाई हमले किए थे। अफगान अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। अफगान एयरलाइन काम एयर के अधिकारियों ने बताया कि कंधार हवाई अड्डे पर रखा गया ईंधन भंडार भी पाकिस्तानी हवाई हमले में प्रभावित हुआ।